मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	24.9	10.3
जमशेदपुर	26.8	10.1
डालटनगंज	26.8	8.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

* * * * *

पेज 8-9

www.lagatar.in ● सोमवार, 18 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 1, अंक : 240 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

सुर्खियां

इंटरनेशनल
- प्रौद्योगिकी चक्रव्यूह में घिर सकता है चीन
- रूस और यूक्रेन ने किए कई ड्रोन हमले
- गाजा में युद्ध विराम के लिए आह्वान तेज किया गया
- सैनिकों की गोलीबारी में इजराइली बंधकों की मौत

नेशनल
- अभिनेता वरुण धवन के पैर में लगी चोट
- पीएम ने किया ''काशी तमिल संगमम'' का उद्घाटन
- भारत में कोविड के 335 नए मामले सामने आए
- हिमाचल में महिला और दो बच्चों की जलकर मौत

स्टेट
- आज दूसरा अनुपूरक बजट लाएगी सरकार
- कश्मीरी युवाओं ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया
- आदिवासी डीलिस्टिंग महारैली 24 को रांची में
- लाल सलाम अलविदा होने के कगार पर : मरांडी

वांडरर्स में अर्शदीप का 'वंडर'

पहले वनडे में भारत ने साउथ अफ्रीका को 8 विकेट से हराया

10 ओवर, 37 रन

5 विकेट

एजेंसी। वांडरर्स

भारत ने साउथ अफ्रीका को पहले वनडे में 8 विकेट से हरा दिया है. जोहानिसबर्ग में अर्शदीप सिंह और आवेश खान ने मिलकर 9 विकेट झटके. वहीं डेब्यूटांट साई सुदर्शन ने फिफ्टी लगाकर टीम को जीत के पार पहुंचाया. भारत से श्रेयस अय्यर ने भी 52 रन बनाए. न्यू वांडरर्स स्टेडियम में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी. टीम 27.3 ओवर में 116 रन बनाकर ही ऑलआउट हो गई. अर्शदीप को 5 और आवेश को 4 विकेट मिले. 117 रन का टारगेट भारत ने 16.4 ओवर में ही हासिल कर लिया. सुदर्शन ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए. अर्शदीप को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला. -पेज 14 भी देखें

दक्षिण अफ्रीका में पांच विकेट लेने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज

दक्षिण अफ्रीका	भारत
116/10 (27.3 ओवर)	117/2 (16.4 ओवर)

अर्शदीप-आवेश की जोड़ी का कमाल

अर्शदीप और आवेश की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने कुल नौ विकेट लिए. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी वनडे मैच में भारत के तेज गेंदबाजों का यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है. इससे पहले 1993 में भारतीय तेज गेंदबाजों ने मोहाली में आठ विकेट लिए थे. 2013 में सेंचुरियन में भी तेज गेंदबाजों को कुल आठ सफलता मिली थी.

किसने क्या कहा

- कांग्रेस ने सिर्फ बोली लगायी, भाजपा ने बनाया झारखंड -बाबूलाल
- संसद की सुरक्षा में चूक बहुत गंभीर मामला है -ममता बनर्जी
- तीन राज्यों कांग्रेस की हार चिंताजनक व अप्रत्याशित -पी चिदंबरम

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,700
चांदी (किलो)	76,000

ब्रीफ खबरें

काशी पहुंचे पीएम मोदी, की आयुष्मान के लाभुकों से बात

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे. वह अपने इस दौरे के दौरान काशी तथा आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए 19,000 करोड़ रुपए से अधिक की 37 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे.

नक्सलियों से मुठभेड़ में सब-इंस्पेक्टर शहीद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा के जगरगुंडा थाना क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रविवार को मुठभेड़ में सीआरपीएफ की 165वीं बटालियन के सब-इंस्पेक्टर सुधाकर रेड्डी शहीद हो गये. वहीं एक सिपाही रामू गोली लगने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया. सीआरपीएफ की 165वीं बटालियन सुबह सात बजे बेदरे शिविर से उर्सांगल गांव की तरफ अभियान पर निकली थी.

नागपुर की फैक्टरी में विस्फोट, नौ की मौत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में विस्फोटक बनाने वाली फैक्टरी में विस्फोट होने से नौ लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि विस्फोट सुबह बाजारगांव इलाके में 'सोलर इंडस्ट्रीज' की 'कास्ट बूस्टर' इकाई में हुआ. इसमें नौ लोगों की मौत हो गई. इस फैक्टरी में कोयला खनन में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक बनाए जाते हैं. जब विस्फोट हुआ तब विस्फोटकों को पैक करने का काम किया जा रहा था.

पुलिस ने जले हुए फोन के टुकड़े बरामद किए

नयी दिल्ली। संसद की सुरक्षा में सेंध के मामले में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है. दिल्ली पुलिस ने आरोपियों के फोन के जले हुए हिस्से राजस्थान के नागौर इलाके से बरामद किए हैं. साजिशकर्ता ललित झा ने संसद के अंदर-बाहर प्रदर्शन करने वाले आरोपियों के फोन को अपने पास जमा रखा लिया था. इन फोन को पुलिस के हाथ लगने से बचाने के लिए ललित झा ने पहले उन्हें तोड़ा और फिर जला दिया था. जांच से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सबूत हासिल करने के लिए झा को राजस्थान ले जाया गया था.

मुसलमानों को आर्थिक आधार पर आरक्षण मिले

नयी दिल्ली। प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि मुसलमानों को तबके (जाति) की बुनियाद पर नहीं, बल्कि समुदाय के सभी तबकों को आर्थिक आधार पर आरक्षण मिलना चाहिए. मदनी ने कहा कि अब तक सभी दलों ने मुसलमानों को वोट के लिए इस्तेमाल किया. उनकी गरीबी पर किसी का ध्यान नहीं गया. मुसलमानों को आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया जाना चाहिए.

राज्य में थर्ड-फोर्थ ग्रेड कर्मियों के 4.75 लाख पद स्वीकृत

2.87 लाख रिक्त

कौशल आनंद। रांची

झारखंड सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम थर्ड-फोर्थ ग्रेड के कर्मी ही करते हैं. लेकिन राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में थर्ड-फोर्थ ग्रेड के कर्मियों की भारी कमी है, जिससे सरकारी काम-काज पर प्रभाव पड़ रहा है. सरकार की योजनाएं आम जन तक पहुंचाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में थर्ड-फोर्थ ग्रेड के कर्मियों के कुल स्वीकृत पद करीब पौने पांच लाख हैं. इन पदों के विरुद्ध 1.87 लाख स्थायी कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जबकि लगभग 2.87 लाख पद रिक्त पड़े हैं.

रिक्त पदों में से आधे से अधिक पर अनुबंध, आउटसोर्स या दैनिक वेतन भोगी कर्मियों के सहारे ही काम चलाया जा रहा है. समय-समय पर अनुबंध या आउटसोर्स कंपनियों के कर्मियों के काम की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े होते रहे हैं. यों कहा जाए कि स्थायी कर्मचारी अपनी जिम्मेवारियां जितनी गंभीरता से पूरी करते हैं, उतनी गंभीरता से अनुबंध, आउटसोर्स या दैनिक वेतनभोगी कर्मी अपना कामकाज नहीं निबटा पाते हैं, जिसका खामियाजा कई दफा सरकार को भी भुगतना पड़ जाता है. यानी कमकाज में लेट हो जाता है और बेवजह सरकार की किरकिरी होती है.

- रिक्त पदों में से आधे से अधिक पर अनुबंध, आउटसोर्स या दैनिक वेतनभोगी कर्मियों के सहारे ही काम चलाया जा रहा, हो रही है परेशानी

रिक्त पदों में से 50% पर अनुबंध व आउटसोर्स कर्मियों से चलाया जा रहा काम

राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में भी हो रही हैं दिक्कतें

किन-किन विभागों में सबसे ज्यादा अनुबंध और आउटसोर्स कर्मी

जानकारी के अनुसार, झारखंड विधानसभा, राज्य सचिवालय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, ऊर्जा विभाग, जीबीवीएनएल से लेकर जिला व प्रखंड कार्यालयों तक में हजारों की संख्या में अनुबंध और आउटसोर्स कर्मी राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मनरेगा, बीआरपी-सीआरपी, डीआरडीए, शिक्षा परियोजना, यक्ष्मा विभाग, कृषक मित्र, ऊर्जा विभाग, उद्यान मित्र, मत्स्य मित्र, श्रमिक मित्र, आत्माकर्मी, होमगार्ड्स, जल सहिया, रसोईया, घंटी आधारित शिक्षक, समावेशी शिक्षा कर्मी, 14 वें वित्त कर्मी, आयुष विभाग में बड़ी संख्या में अनुबंध और आउटसोर्स कर्मी कार्यरत हैं. नगर निकाय, डीटीओ कार्यालय, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, रिम्स से लेकर सदर अस्पताल तक में लैब टेक्निशियन से लेकर कंप्यूटर ऑपरेटर तक की जिम्मेवारी अनुबंध व आउटसोर्स कर्मी संभाल रहे हैं. इसके अलावा सरकार सहायक पुलिस, तेजस्विनी व पंचायती राज जैसे विभागों में अनुबंध व आउटसोर्स कर्मी ही काम कर रहे हैं.

अनुबंध और आउटसोर्स कर्मियों को भी किया जाना है नियमित

राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में 2.87 लाख थर्ड-फोर्थ कर्मियों के पद रिक्त पड़े हैं, जिनमें से आधे से अधिक पर अनुबंध व आउटसोर्स कर्मियों से काम लिया जा रहा है. राज्य सरकार के ऊर्जा विभाग सहित कई अन्य विभागों में लाख से अधिक पदों पर कार्यरत अनुबंध और आउटसोर्स कर्मियों को हाईकोर्ट के निर्देश पर नियमित किया जाना है. इसे लेकर सरकार ने राजस्थान और अडिशा की तर्ज पर झारखंड के संविदा कर्मियों को नियमित करने को लेकर संविदा भर्ती-2023 लागू करने का विचार किया है. अनुबंध कर्मियों को भी नियमित होने का इंतजार है.

दिमाग दुरुस्त रखना है तो सोशल मीडिया छोड़ें

नयी दिल्ली। सोशल मीडिया का उपयोग 30 मिनट तक कम करके मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के साथ ही नौकरी के प्रति संतुष्टि की भावना में सुधार लाने में मदद मिलती है, जबकि इसका लगातार उपयोग करने वाले लोगों को अपने काम पर ध्यान लगाने में मुश्किल होती है. नए अध्ययन में यह पाया गया है कि सोशल मीडिया का कम इस्तेमाल करने से उपयोगकर्ताओं को काम का दबाव कम महसूस होता है और उनमें बेचैनी या घबराहट भी कम होती है. जर्मनी में रुर यूनिवर्सिटी, बोचम और जर्मन सेंटर फॉर मेंटल हेल्थ के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सोशल मीडिया से दूरी बनाने से लोगों को काम करने का अधिक वक्त मिलता है और उन्हें ध्यान भटकने की समस्या भी कम होती है. साइंस पत्रिका 'बिहेवियर एंड इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी' में यह अध्ययन छपा है.

एक साथ चार टार्गेट ढेर, गरजा 'आकाश'

नयी दिल्ली। भारतीय वायु सेना ने रविवार को एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है. वायु सेना ने आकाश वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली का सफलतापूर्वक परीक्षण किया. इस मिसाइल ने एक साथ चार टॉर्गेट को ढेर कर दिया. रक्षा अधिकारियों ने बताया कि भारत ऐसा पहला देश बन गया है, जिसने ऐसी क्षमता हासिल की है, जिससे सिंगल फायरिंग यूनिट के जरिए उस रेंज पर कमांड गाइडेंस के जरिए 4 लक्ष्यों को ढेर कर दिया. हाल के अभ्यास अस्त्रशक्ति 2023 के दौरान भारत ने स्वदेशी आकाश मिसाइल प्रणाली की मारक क्षमता का प्रदर्शन किया, जहां एक ही आकाश फायरिंग यूनिट द्वारा एक साथ चार लक्ष्यों को निशाना बनाया गया. यह प्रदर्शन 12 दिसंबर को सूर्यलंका वायु सेना स्टेशन में अस्त्रशक्ति के दौरान भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित किया गया था.

मिशन 2024 : इंडिया की बैठक में शामिल होगा झामुमो

सीएम हेमंत सोरेन की भागीदारी पर संशय

विशेष संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव को लेकर 19 को दिल्ली में आयोजित इंडिया गठबंधन की बैठक में झामुमो अवश्य शामिल होगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस बैठक में शामिल होने लेकर अभी स्पष्ट नहीं हो पायी है. अभी विधानसभा का शीतकालीन सत्र चल रहा है. ऐसे में मुख्यमंत्री के हिस्सा लेने की संभावना कम ही है. अब हेमंत सोरेन अपने प्रतिनिधि के तौर पर किसी मंत्री या पार्टी पदाधिकारी को भेज सकते हैं. मगर वह कौन होगा, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है. 18 दिसंबर को यह स्पष्ट हो पाएगा. इस संबंध में पूछे जाने पर झामुमो केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि झामुमो इस बैठक में शामिल होगा. मगर कौन जाएंगे, यह 18 को ही तय हो पाएगा. -शेष पेज 13 पर

इंडिया की बैठक कल, कांग्रेस की बड़ी तैयारी

21 को सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई, हार पर मंथन या चुनावी तैयारी

एजेंसिया। नयी दिल्ली

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस अब लोकसभा चुनाव की तैयारी में जोर-शोर से जुट गई है. केंद्र की सत्ता से नरेंद्र मोदी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए बने विपक्षी इंडिया गठबंधन के साथ शीट शेयरिंग समेत अन्य मुद्दों के समाधान और सहमति के लिए मंगलवार को बैठक होगी. इसके ठीक एक दिन बाद 21 को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक होने जा रही है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह बैठक बुलायी है. इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सारे नेताओं को आना है. इंडिया की इस बैठक में मुख्य एजेंडा बनाने, सीट के बंटवारे और संयुक्त रैलियां आयोजित करने के कार्यक्रम पर चर्चा हो सकती है. विपक्षी दलों का इरादा एकजुटता बनाये रखते हुए मैं नहीं, हम नारे के साथ आगे बढ़ने का है.

भारत जोड़ो यात्रा-2 पर विचार

इस बीच, सूत्रों ने बताया कि सीडब्ल्यूसी बैठक में 2024 के चुनाव से पहले बेरोजगारी और महंगाई को मुख्य मुद्दा बना कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की यात्रा की संभावना पर भी चर्चा हो सकती है. सूत्रों ने कहा कि पार्टी भारत यात्रा-2 में पैदल सहित 'हाइब्रिड मोड' (अलग-अलग माध्यमों से) में पूर्व से पश्चिम की यात्रा करने पर विचार कर रही है और इस संबंध में जल्द ही अंतिम निर्णय लिए जाने की संभावना है.

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र

धीरज के मुद्दे पर आज हंगामे के आसार

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान सोमवार को भी इसकी बैठक में भारी हंगामा होने के आसार हैं. भाजपा के एक नेता ने रविवार को कहा कि पार्टी के नेतृत्व वाला विपक्ष ईडी द्वारा सीएम को तलब किये जाने और कांग्रेस सांसद के परिसर से 350 करोड़ से अधिक की नकदी जब्त होने सहित विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरने की योजना बना रहा है.

हालांकि, सत्तारूढ़ गठबंधन ने कहा कि वह सदन में विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार है. बता दें कि विधानसभा का पांच दिवसीय शीतकालीन सत्र शुक्रवार से शुरू हुआ. सदन की कार्यवाही शुक्रवार को थोड़े समय तक चली और फिर इसे 18 दिसंबर पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया.

हम दो मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेंगे: बिरंची

विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण ने कहा, हम सोमवार को दो मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेंगे, पहला सीएम द्वारा ईडी के समन को बार-बार नजरअंदाज करना और दूसरा कांग्रेस सांसद से जुड़े परिसर से नकदी की जब्ती. हम अंदर और बाहर इन मुद्दों पर विरोध प्रदर्शन करेंगे. लोग जानना चाहते हैं कि सीएम ईडी की पूछताछ से क्यों भाग रहे हैं? सीएम पाक साफ हैं, तो उन्हें सवालों का सामना करना चाहिए. हम कांग्रेस सांसद धीरज साहू से जुड़े परिसरों से बड़ी मात्रा में नकदी की जब्ती के मुद्दे पर भी सरकार को घेरेंगे.

सरकार सभी सवालों का सकारात्मक जवाब देगी

संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने कहा, 14 दिसंबर को सीएम के नेतृत्व में गठबंधन के विधायक दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सरकार सभी सकारात्मक सवालों का जवाब देगी. सरकार चाहती है कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, ताकि वास्तविक मुद्दों पर चर्चा हो सके. मंत्री ने कहा, विपक्ष से उम्मीद की जाती है कि वह विकास के मुद्दे पर जनहित को लेकर सरकार से सवाल करे. हम सभी सवालों का जवाब सदन में देंगे.

पारिवारिक क्लेश एक महीने में सिर्फ दो बार ही पति से मिलने अपनी ससुराल आती थी पत्नी

पति ने कर दिया मुकदमा, तो पत्नी भी पहुंची हाईकोर्ट

एजेंसियां। सूरत

एक नौकरीपेशा महिला ने अपने पति की याचिका और दावे का जवाब देने के लिए गुजरात हाईकोर्ट की शरण ली है. पत्नी ने कोर्ट को बताया है कि वह महीने में दो वीकेंड पति से मिलने जाती है. पत्नी ने कोर्ट से जानना चाहा है कि यह उसके वैवाहिक दायित्वों को पूरा करने के बराबर है या नहीं. एक रिपोर्ट के मुताबिक, महिला ने इस महीने हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जब पति ने सूरत की एक फैमिली कोर्ट में उस पर दाम्पत्य अधिकारों की बहाली के लिए हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 का इस्तेमाल करते हुए मुकदमा दायर किया था. पति ने अपनी पत्नी को हर रोज उसके साथ आने और रहने के लिए निर्देश देने का आग्रह किया था. पति ने फैमिली कोर्ट के समक्ष कहा कि उसकी पत्नी दैनिक आधार पर उसके साथ नहीं रहती है. - शेष पेज 13 पर

माता-पिता के साथ मायके में रहने पर बताई परेशानी

पति ने कहा कि वह इस बात को लेकर परेशान है कि पत्नी महीने में केवल दूसरे और चौथे वीकेंड के दौरान ही उनसे मिलने के लिए आती है. महीने के बाकी दिनों में वह अपने माता-पिता के साथ अपने पैतृक घर यानी मायके में ही रहती है. पति ने यह भी शिकायत की कि उनकी पत्नी ने बेटे के स्वास्थ्य की अनदेखी और पति को वैवाहिक अधिकारों से वंचित करते हुए अपनी नौकरी को जारी रखा है.

पत्नी का दावा- हर माह दो वीकेंड पर नियमित जाती हैं ससुराल

पति के आरोपों के जवाब में पत्नी ने सिविल प्रक्रिया संहिता के नियम 7 आदेश 11 के तहत फैमिली कोर्ट में एक आवेदन दायर किया. कोर्ट से आग्रह किया कि पति के मुकदमे को सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए इसको खारिज कर दिया जाए. आवेदन में यह भी कहा कि वह हर माह दो वीकेंड पर नियमित तौर पर वैवाहिक घर (ससुराल) जाती है. जबकि पति का दावा है कि उसने उसे छोड़ दिया है और उसे उसके साथ रहने के लिए निर्देशित करने की आवश्यकता है, इसलिए यह सही नहीं है.

फैमिली कोर्ट में आपत्ति खारिज

फैमिली कोर्ट ने गत 25 सितंबर को पत्नी की आपत्ति को खारिज कर दिया था. कोर्ट ने इस मामले में पत्नी की ओर से किए गए दावों के लिए पूरी सुनवाई की जरूरत पर बल दिया था और यह भी कहा कि मामले का फैसला पूर्व-ट्रायल फेज में नहीं किया जा सकता है.

हाईकोर्ट में महिला के वकील ने दी ये दलील

हाईकोर्ट में जिरह के दौरान महिला के वकील ने तर्क दिया कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 कहती है कि किसी व्यक्ति को वैवाहिक दायित्व को पूरा करने के लिए निर्देशित किया जा सकता है, अगर वह अपने पति या पत्नी के समाज से अलग हो गई है. वकील ने कोर्ट में दलील देते हुए कहा कि इस मामले में पत्नी हर दूसरे सप्ताहांत में अपने वैवाहिक घर जाती है. ऐसे में पति यह दावा नहीं कर सकता कि वह (पत्नी) उसके समाज से अलग हो गई है.

स्नातकों की बेरोजगारी दर घट कर 13.4% पर पहुंची

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश में 15 साल और उससे अधिक उम्र के स्नातकों के बीच बेरोजगारी की दर 2022-23 में घट कर 13.4% रह गई है, जो इससे पिछले साल में 14.9% थी. सांख्यिकी मंत्रालय के आवधिक श्रमबल सर्वे के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के स्नातकों के बीच सबसे कम बेरोजगारी दर (5.6%) चंडीगढ़ में रही. इसके बाद 5.7% के साथ दिल्ली का स्थान रहा.

आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में सबसे ऊंची बेरोजगारी दर (33%) अंडमान और निकोबार द्वीप में रही. इसके बाद लद्दाख में यह दर 26.5% और आंध्र में 24% रही. बड़े राज्यों की बात करें, तो राजस्थान में बेरोजगारी दर 23.1% और ओडिशा में 21.9% थी. बेरोजगारी या बेरोजगारी दर को श्रमबल में बेरोजगारों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया गया. श्रमबल के आंकड़ों पर निगाह रखने के लिए अप्रैल, 2017 में सर्वेक्षण शुरू किया गया था. यहां संदर्भ की अवधि जुलाई, 2022 से जून, 2023 तक है. इससे पहले जुलाई 2017-जून 2018, जुलाई 2018-जून 2019, जुलाई 2019-जून 2020, जुलाई 2020-जून और जुलाई 2021-जून 2022 के दौरान मिले आंकड़ों के आधार पर वार्षिक रिपोर्टें जारी की गई हैं.

खास बातें

- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण की छठी वार्षिक रिपोर्ट जारी
- चंडीगढ़ में सबसे कम व अंडमान में सबसे अधिक बेरोजगारी

ब्रीफ खबरें

शीतकालीन सत्र के दौरान धरना कल

रांची । एमएसीपी संघर्ष मोर्चा की बैठक अरगोड़ा कैपस कार्यालय में अमरनाथ झा की अध्यक्षता में हुई. इसमें तय किया गया कि विधान सभा के समक्ष 19 दिसंबर को दिन के 11 बजे से विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान एक दिवसीय धरना की तैयारी की गयी है. बैठक में तीनों संवर्ग के शिक्षक प्रतिनिधि गंगा प्रसाद यादव, अमीन अहमद, नरेंद्र कुमार यादव, अरुण कुमार दास, आशुतोष कुमार, विजय बहादुर सिंह समेत कई शिक्षक प्रतिनिधि शामिल थे. 18 को राज्य के सभी विधायको को धरना स्थल पर आने के लिये आग्रह पत्र दिये जाएंगे.

झारखंड गर्ल्स बटालियन ने की भाषण प्रतियोगिता

रांची। मारवाड़ी कॉलेज में झारखंड गर्ल्स बटालियन एनसीसी ने भ्रष्टाचार विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित किया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. मनोज कुमार रहे. एनसीसी कैडेटों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और अपनी प्रस्तुति दी. डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि एनसीसी के कैडेट हर क्षेत्र में आगे रहते हैं. इसलिए भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए आपलोगों को ही आगे आना है. केयर टेकर अधिकारी डॉ. अवध बिहारी महतो ने कहा कि भ्रष्टाचार को समाप्त करने की शुरूआत अपने से करनी होगी.

श्रमिक नेताओं के निधन पर शोक की लहर

रांची। हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के महामंत्री सह इंटक के राष्ट्रीय वरीय सचिव राणा संग्राम सिंह ने यूनियन के दो कार्यकारिणी सदस्य नर्मदेश्वर त्रिपाठी और रामकलेवर सिंह के निधन पर शोक जताया है. कहा कि इन दो श्रमिक नेताओं कि मौत सामाजिक क्षति है. शोकसभा में लीलाधर सिंह, गिरीश कुमार चौहान, राणा प्रताप सिंह, कर्ण सिंह राठौड़, भोला साव,सरजू सिंह, रामजी सिंह, दिलीप कुमार सिंह, राममोहन बैठा, जगन्नाथ राम,बादल, सुनील कुमार मांझी, धनंजय श्रीवास्तव, दिलीप सिंह, एफ.एफ.पी.मुंतकीम अंसारी, नौशाद, जब्बार ने शोक जताया.

भाजपा के मिलन समारोह में पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी ने कहा-

कांग्रेस ने सिर्फ बोली लगाई भाजपा ने बनाया झारखंड

- भाजपा के मिलन समारोह में नामकुम के कई पंचायत प्रतिनिधि हुए भाजपा में शामिल

विशेष संवाददाता। रांची

भाजपा का मिलन समारोह रविवार को नामकुम में आयोजित हुआ. इस कार्यक्रम में नामकुम जिला परिषद सदस्य रामावतार केरकेट्टा और खिजरी ग्राम पंचायत की मुखिया कर्मेला कच्छप के नेतृत्व में कई लोगों ने भाजपा में शामिल हुए. ये लोग पार्टी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में सदस्यता ग्रहण की. इस अवसर पर महामंत्री, डॉ प्रदीप वर्मा, सांसद संजय सेठ, आरती कुजूर, रामकुमार पाहन, ग्रामीण जिलाध्यक्ष सुरेंद्र महतो सहित पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे. इस मौके पर मरांडी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति के पथ पर अग्रसर है.

मोदी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने गरीबों के घर तक शौचालय देकर गरीब बहनों का इज्जत बढ़ाया, गरीबों को जनधन खाता से जोड़कर बैंक के दरवाजे पर पहुंचाया, पक्के मकान,गैस कनेक्शन,नल से जल ये सब गरीब के घरों की पहचान बन गए .आयुष्मान योजना ने 5 लाख तक के इलाज की गारंटी दी. प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज ने किसी को भूखा नही सोने दिया. पीएम विश्वकर्मा योजना गांव के हुनरमंद पारंपरिक कारीगरों को मजबूत करेगी. भाजपा जनभावनाओं को समझती है. 50 वर्षों तक कांग्रेस पार्टी ने अलग राज्य आंदोलन को दबाया. कमजोर किया. उसकी बोली लगाई. लेकिन अटल के नेतृत्व में बनी भाजपा सरकार ने अलग झारखंड राज्य का सपना साकार किया.

सेल के नए विजन पर कार्यशाला आयोजित

संवाददाता। रांची

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के विजन पर फिर से विचार करने के उद्देश्य से एक श्रृंखला के हिस्से के रूप में रविवार को प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान में एक कार्यशाला हुई. इस कार्यशाला में सेल-रांची स्थित विभिन्न इकाइयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया और इसे एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (एएससीआई) हैदराबाद के सहयोग से आयोजित किया गया. कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य सेल के विज़न स्टेटमेंट पर फिर से विचार करना और वर्तमान औद्योगिक परिदृश्य में इसके महत्व को रेखांकित करना था. संगठन के विभिन्न स्तरों और विभिन्न इकाइयों में कार्यशालाओं की इस श्रृंखला को सुविधाजनक बनाने के लिए सेल द्वारा एएससीआई को एक सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया है. वेद प्रकाश कार्यपालक निदेशक (एसडीटीडी) और संदीप कुमार कर कार्यपालक निदेशक (आरडीसीआईएस), अन्य वरिष्ठ मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) और अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे. वेद प्रकाश ने सेल के दृष्टिकोण को फिर से परिभाषित करने पर व्यापक कार्यशाला की सराहना की.

आपकी बात

समाजसेवा से बढ़ कर कोई परोपकार नहीं हैं. गरीब व असहाय लोगों की सेवा भगवान की पूजा के समान है.

नाम : संजय कु. अग्रवाल
पद : समाजसेवी
जन्मस्थल : झुमरी तिलैया
कार्यक्षेत्र : कोडरमा

समाजसेवा के क्षेत्र में संजय कुमार अग्रवाल जाने माने नाम हैं. उनका जन्म वर्ष 1971 में कोडरमा जिले के झुमरी तिलैया शहर में हुआ था. उन्होंने 10वीं की पढ़ाई सीएच प्लस टू हाई स्कूल से की. वहीं, 12वीं और ग्रेजुएशन की डिग्री जेजे कॉलेज से प्राप्त की है. संजय कुमार अग्रवाल का पूरा परिवार हमेशा से समाज सेवा में अपना योगदान देता रहा है. इनके दादाजी श्रीगोशाला के मंत्री भी रह चुके हैं. बचपन से ही परिवार के बड़ों के समाजिक कार्य करते देख संजय की रूचि भी सेवा से जुड़ती चली गई और बड़े होकर इन्होंने भी परिवार की परंपरा को कायम रखते हुए समासजेवा के क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने लगे और वर्तमान में भी सामाजिक कार्यों में चढ़-बढ़ कर भाग लेते हैं. वह श्रीगोशाला से काफी वर्षों से जुड़े हैं. वह रोटरी क्लब के कोषाध्यक्ष, जेसीज (जूनियर चेंबर), झुमरी तिलैया के सचिव, रेड क्रॉस और सड़क सुरक्षा के सदस्य होने के साथ-साथ अग्रवाल युवा मंच के अध्यक्ष भी रह चुके हैं. वर्तमान में संजय कुमार अग्रवाल भारत विकास परिषद के कोषाध्यक्ष और श्री गोशाला के कार्यकर्ता हैं. वह कहते हैं कि समाजसेवा से बढ़ कर कोई परोपकार नहीं हैं. गरीब व असहाय लोगों की सेवा भगवान की पूजा के समान है.

विजय शंकर नायक बने संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव

संवाददाता। रांची

संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित कुमार साहू ने रविवार को झारखंड के दलित, आदिवासी, मूलवासी पिछड़ा वर्ग के हक और अधिकार की लड़ाई लड़ने वाले विजय शंकर नायक को संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव एवं झारखंड, छत्तीसगढ़ का प्रभारी नियुक्त किया है.

इसका मनोनयन पत्र रविवार को उन्हें दे दिया गया है. विजय शंकर नायक के संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सह झारखंड, छत्तीसगढ़ प्रभारी बनाए जाने पर झारखंडी समाज खासकर दलित, आदिवासी, पिछड़ा अल्पसंख्यक मूलवासी समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है. हर्ष व्यक्त करने वालों में संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सबरीना श्वेता टोप्पो, नील आगस्टीन बेक, प्रदेश महासचिव परवीन एक्का, विनय कुमार दुबे, अजय नाग, शफीक अंसारी, परवीन कुमार, इजराहुल हक, मंटू राम, दीपक पासवान, अशोक रवि, महानंद महतो, बैजनाथ महतो, रॉबिन मुंडा, कुंदन कुमार सिन्हा, सुनील कुमार मालाकार, उपेंद्र कुमार, अजीत कुमार , छोटू, भरत गोशाई, इकबाल अंसारी, विक्की नायक, सिद्धार्थ नायक, अनजय नायक अशोक राम शामिल हैं. सभी ने उम्मीद जतायी है कि नायक गरीब, पिछड़ों और दलितों के लिए पहले की तरह ही संघर्षरत रहेंगे.

अधिकारों की रक्षा एकजुट होकर करें : खान

राष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस का आयोजन, स्टेट सचिव ने कर्मचारियों को दिया संदेश

संवाददाता। रांची

रांची जीपीओ में राष्ट्रीय आह्वान पर पोस्टल/आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन की ओर से रविवार को राष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस मनाया गया. इसकी अध्यक्षता केडी राय व्यथित ने की. मालूम हो प्रत्येक वर्ष 17 दिसंबर को डीएस नकारा की स्मृति में यह दिवस मनाया जाता है. ऑल इंडिया पोस्टल/आर एम एस पेंशनर्स एसोसिएशन के स्टेट सचिव एमजेड खान ने कहा कि अपने संवैधानिक अधिकार की रक्षा हम एकजुट होकर ही कर सकते हैं. आज पेंशन मिल रही है, इसकी कोई गारंटी नहीं है कि कल भी मिलेगी. सरकार इसे बोझ समझने लगी है. इसे खत्म करने की साजिश रची जा रही है.

'पेंशन संवैधानिक अधिकार है, सेवा अवधि के बदले के लिए दिया जाता है'

17 दिसंबर 1982 को वाईवी चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में संविधान पीठ ने पेंशन को लेकर एक एतिहासिक निर्णय देते हुए कहा था कि पेंशन कोई भीख, एक्सग्रेशिया नहीं है, जो नियुक्ता की मर्जी पर निर्भर करता हो, बल्कि यह एक संवैधानिक अधिकार है, जो सेवा अवधि के बदले सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के तहत जीवन यापन के लिए दिया जाता है. आज पेंशन पर पहले से अधिक खतरे बढ़ गए हैं. एनपीएस की वापसी को लेकर देश भर में जोरदार विरोध हो रहा है. आज के राष्ट्रीय पेंशनर्स दिवस में साधन कुमार सिन्हा, विमल किशोर, पूर्व वरीय डाक अधीक्षक,रंगनाथ पांडे, बी बारा, हसीना ग्रेस तिग्गा, जेठू बड़ाइक, रमेश सिंह, त्रिलोकीनाथ साहू, त्रिवेणी ठाकुर, गौतम विश्वास, रामचंद्र प्रसाद, सुखदेव राम, राजेंद्र महतो, राम नरेश पांडे, डीएन साहू आदि शामिल थे.

आज दूसरा अनुपूरक बजट लाएगी सरकार

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सरकार सोमवार को वित्तीय वर्ष 2023 – 24 के द्वितीय अनुपूरक व्यय विवरणी को उपस्थापित करेगी. वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव अनुपूरक बजट पेश करेंगे इसके अलावा प्रश्नकाल और शून्यकाल भी होंगे. 15 दिसंबर से शुरू हुए विधानसभा के शीतकालीन के पहले दिन सदन शोक प्रकाश के बाद सदन को स्थगित कर दिया गया था. हालांकि सदन के बाहर भाजपा विधायकों ने धीरज साहू कैश कांड को लेकर प्रदर्शन किया था. भाजपा की तैयारी अब इस मामले में सदन के अंदर सरकार को घेरने की है, जिसकी रणनीति पिछली बैठक में बनायी गयी है. हालांकि सरकार की ओर से कहा गया है कि वह विपक्ष के किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है.

आदिवासी डीलिस्टिंग महारैली

मैदान बुकिंग की नहीं मिली अनुमति

विशेष संवाददाता। रांची

आरएसएस से जुड़े आदिवासी संगठन जनजातीय सुरक्षा मंच आगामी 24 दिसंबर को उलगुलान आदिवासी डीलिस्टिंग महारैली का आयोजन किया है. रैली आयोजित करने को लेकर आयोजकों ने रांची के मोरहाबादी मैदान बुकिंग के लिए जिला प्रशासन के पास आवेदन दे रखा है. मगर अब तक रांची जिला प्रशासन की ओर से रैली स्थल को लेकर आधिकारिक अनुमति प्रदान नहीं की है. मगर आयोजकों द्वारा महारैली की तैयारी जोरों पर है. इधर रविवार को आयोजकों ने झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिले और उन्हें शामिल होने का न्योता दिया.

जनजातीय सुरक्षा मंच के मीडिया प्रभारी सोमा उरांव ने बताया कि वे लोग राज्यपाल को शामिल होने के लिए आमंत्रण दिया है साथ ही साथ महारैली के उद्देश्यों के बारे में बताया है. राज्यपाल ने कार्यक्रम की तारिफ की और शामिल होने को लेकर हामी भरी है. उन्होंने बताया कि वे लोग नियम पूर्वक मैदान को लेकर आवेदन देख रखा है. मगर अभी तक अनुमति नहीं मिली है. मगर मौखिक तौर कार्यक्रम करने को कहा गया है.

राज्यपाल होंगे शामिल!

कायर्यक्रम के लिए मैदान लेने का नियम

अगर कोई राजनीतिक या अन्य संगठन किसी मैदान में कार्यक्रम करना चाहता है तो अलग-अलग मैदान के लिए अधिकृत संस्था में आवेदन देना पड़ता है. इसके साथ ही मैदान बुक करने के लिए एक निर्धारित शुल्क जमा करना पड़ता है. इसके बाद एसडीओ स्तर से इसकी अनुमति दी जाती है और कार्यक्रम के स्वरूप के अनुसार जिला प्रशासन वहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस-प्रशासन मुहैया कराता है. चूंकि मैदान एलॉट करने को लेकर अधिकारिक अनुमति अब तक प्रदान नहीं गयी है. वहीं आयोजकों का दावा है कि राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने रैली में शामिल होने की सहमति जता दी है.

कड़िया मुंडा समेत देश के कई नेता होंगे शामिल

रविवार को जनजाति सुरक्षा मंच का एक प्रतिनिधि मंडल राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की. जिसमें संगठन ने आगामी 24 दिसंबर को रांची के ऐतिहासिक मोराबादी मैदान में उलगुलान आदिवासी डीलिस्टिंग महारैली के बारे में विस्तार से बताया और राज्यपाल को आमंत्रित किया. राज्यपाल को बताया गया कि जनजातीय सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक सह पूर्व मंत्री छत्तीसगढ़ गणेश राम भगत, मंच के सहसंयोजक डॉक्टर राजकिशोर हांसदा और पूर्व न्यायाधीश मध्य प्रदेश के प्रकाश सिंह वीके होंगे.

सरना कोड को लेकर 30 दिसंबर को भारत बंद

रांची। सरना कोड की मांग को लेकर 30 दिसंबर को भारत बंद होगा. इसके लिए केंद्रीय सरना समिति एवं अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के प्रतिनिधिमंडल हजारीबाग जिला का दौरा किया. इसमें हजारीबाग के सरहुल मैदान धुमकुड़िया में बैठक की गयी. बैठक की अध्यक्षता हजारीबाग जिला सरना समिति के अध्यक्ष महेंद्र बेक ने की. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की उपस्थित हुए. केंद्रीय अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि 30 दिसंबर 2023 को भारत बंद को सफल बनाने को लेकर आदिवासी सेंगेल अभियान सालखन मुर्मू के अगुवाई में सरना कोड लागू करने के लिए लोग एकजुट हो रहे हैं. सालखन मुर्मू के नेतृत्व पर लोगों को विश्वास बढ़ा है लोग अपनी धर्म संस्कृति बचाने और एकजुट दिखाने के लिए आगे आ रहे हैं. हजारीबाग जिला सरना समिति के अध्यक्ष महेंद्र बेक ने कहा कि सरना कोड आदिवासियों का अस्तित्व से जुड़ा हुआ है. बहुत लंबे अरसे से आदिवासी सरना कोड की लड़ाई लड़ रहे हैं. 1951 तक आदिवासी का धार्मिक कालम था. इसे षड्यंत्र के तहत हटाया गया है.

दिया संदेश राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कश्मीरी युवाओं से की मुलाकात

भारत जीते-जागते राष्ट्रपुरुष की तरह : राज्यपाल

संवाददाता। रांची

हमारा देश वैश्विक मंच पर विविधता में एकता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है. विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बीच भाषा और संस्कृति में विविधता के बावजूद, हम सभी एक हैं और एक रहेंगे. उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम एक-दूसरे को जानने व समझने को बढ़ावा देता है और आपसी एकता की भावना को सशक्त करता है. उन्होंने कहा कि हमें अपनी भाषा-संस्कृति को जानना-समझना चाहिए और दूसरों की भाषा व संस्कृति का सम्मान करना चाहिए. उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की कविता भारत जमीन का टुकड़ा नहीं है, जीता जागता राष्ट्रपुरुष है. हम जिएंगे तो इसके लिए, मरेंगे तो इसके लिए को पढ़ा. उपरोक्त बातें राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कश्मीरी युवाओं से बात करते हुए कहा. आगे उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर अपनी समृद्ध संस्कृति और खूबसूरत परिदृश्यों के लिए जाना जाता है। हिमालय की गोद में स्थित पृथ्वी का स्वर्ग के रूप में जाना जाने वाला यह स्थान अपनी प्राकृतिक सुंदरता से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर देता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जम्मू और कश्मीर में विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर विभिन्न पहल की गई है. प्रधानमंत्री ने जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए समान अधिकार और कर्तव्य सुनिश्चित करेने के लिए अनुच्छेद 370 को हटाने का निर्णय लिया गया। हाल ही में, अनुच्छेद 370 से संबंधित याचिका पर भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में सर्वोच्च न्यायालय की पीठ द्वारा संवैधानिक रूप से सही ठहराया गया. दरअसल नेहरू युवा केंद्र द्वारा आयोजित वतन को जानो कार्यक्रम में कश्मीर से 122 युवा झारखंड आए है. जिसमें कश्मीर युवा झारखंड की संस्कृति और खान पान को सिख रहे है. वहीं झारखंड के युवा कश्मीर संस्कृती को सिख रहे है. सभी 122 युवा पुलवामा, अनंतनाग, बड़गांव, कुपवाड़ा, बारामुला और श्रीनगर जिले से है.

खास बातें

- जम्मू-कश्मीर के युवाओं को राज्यपाल ने दिया संदेश
- कश्मीर से 122 युवा राज्य में कार्यक्रम के लिए आए हैं

CLASSIFIED

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 14

www.lagatar.in | सोमवार, 18 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष 06, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 240 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

लोयाबाद बांसजोड़ा मुख्य सड़क के किनारे आग की लपटें तेजी से निकल रही हैं

कभी भी धंस सकती है

राहुल कुमार । लोयाबाद

लोयाबाद-बांसजोड़ा मुख्य सड़क पर आग का खतरा बढ़ गया है. यह सड़क कभी भी धंस सकती है. लोयाबाद बांसजोड़ा मुख्य सड़क के किनारे आग की लपटें निकल रही हैं. आग सड़क के नीचे भी फैल गई है. यहां से गुजरने वाले राहगीर कभी भी इसकी चपेट मे आ सकते हैं. बताया जाता है कि सिजुआ क्षेत्र के सेन्द्रा बांसजोड़ा कोलियरी अंतर्गत बांसजोड़ा छह नंबर के समीप घनी आबादी के बीचोंबीच आग धधक रही है. जमीन कई जगह फट गई है. बड़ी-बड़ी दरारें उभर आई हैं. आलम यह है कि अब वहां आग और गैस की दुर्गंध के कारण लोगों का जीना दुभर हो गया है. आग का दायरा दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है. जिससे किसी दिन भी बड़ा हादसा हो सकता है. चिंता की बात यह है कि बांसजोड़ा कोलियरी प्रबंधन इसको रोकने के लिए कोई ठोस कदम नही उठा रही है. शायद किसी बड़े हादसे के बाद ही प्रबंधन की नींद खुलेगी. बीसीसीएल प्रबंधन सिर्फ कागजों में ही आग बुझाने की तैयारी कर रहा है.

कोयलांचल मे ऐसे मामले देखने को मिल चुके हैं, जिसमे जमीन धंसने के कारण कई लोग आग में समा चुके हैं फिर भी बीसीसीएल प्रबंधन इन सबसे सबक नहीं ले रहा है. बांसजोड़ा छह नंबर और 12 नंबर के बीच 150 मीटर लंबे व 120 मीटर चौड़े एरिया मे आग फैली है. आग एक गहरेनुमा गड्ढे मे फैली है. जिसके चारों तरफ करीब 25 सौ की आबादी बसी है. बस्ती के बीचोंबीच आग व धुंए की लपटें निकलती हैं. रात में तो आग की लपटें ऐसे धधकती दिखाई पड़ती हैं कि मानो आग का दरिया हो. यहां लगी आग के कारण यहां की जमीन नीचे से खोखली हो चुकी है. करीब एक वर्ष पूर्व यहां आग पर काबू पाने को लेकर बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा एक सर्वे करवाया गया था. जिसमें बताया गया था कि यहां 13 सीम में आग है. सीम नंबर 12, सीम नंबर 10 सभी सीम एक दूसरे से जुड़े हैं. आग कहां तक होगा, यह पता लगाना मुश्किल है. आग लोयाबाद-बांसजोड़ा मुख्य सड़क के नीचे भी फैल गई है. इस पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो यह पूरे क्षेत्र को अपने जद में ले लेगी. जिससे आसपास के लोग भी डरे सहमे रहते हैं. उन्हें आए दिन किसी बड़ी अनहोनी की चिंता सताए रहती है.

बताया जाता है कि बांसजोड़ा छह नंबर मे लगी आग को बुझाने के लिए बीसीसीएल ने योजना बना रखी है. परंतु इसको कब धरातल पर लाया जाएगा ये कोई नहीं बता पा रहा है. बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा इस आग को बुझाने के लिए कई बार सर्वे भी किया गया. कुछ माह पूर्व सिजुआ एरिया महाप्रबंधक अनूप कुमार रॉय ने इस क्षेत्र का निरीक्षण किया था. इस आग पर काबू पाने के लिए टेंडर निकालकर आग पर मिट्टी, बालू की भराई कर आग बुझाने की बात कही थी. उन्होंने कटिंग, डिंगिंग व फिलिंग करा कर आग पर काबू पाने की बात कही थी. बीसीसीएल की योजना है कि ओबी व कोयले मे लगी आग को कटिंग कर मिट्टी व बालू से भराई कर देने से आग में ऑक्सीजन की आपूर्ति बंद हो जाएगी. इससे धीरे-धीरे आग पर काबू पाया जा सकेगा. इसके लिए काफी मात्रा में मिट्टी की आवश्यकता होगी. जिसे टेंडर निकालकर वाहनों के जरिए मिट्टी की ढुलाई व भराई कराई जाएगी. लेकिन यह सब प्रक्रिया अब तक सिर्फ कागजों में ही सीमित है.

बांसजोड़ा में घनी आबादी के बीच आग धधक रही है

- आग और गैस के कारण लोगों का जीना हुआ मुश्किल
- प्रबंधन कागजों पर ही आग बुझाने की तैयारी कर रहा है
- बस्ती के बीचोंबीच आग और धुंए की लपटें निकलती हैं

कार्बोमोनोक्साइड गैस को खूनी गैस कहा जाता है: रंजय

बीसीसीएल सेफ्टी बोर्ड के सदस्य रंजय कुमार का मानना है कि यहां की स्थिति काफी भयावह है. लगातार रात दिन गैस व आग निकल रहा है. आग से निकलने वाले धुआं सीओ और सीओटू गैस है. कार्बोमोनोक्साइड गैस को खूनी गैस कहा जाता है. यह इंसान के लिए काफी खतरनाक है. जहां भी यह गैस का रिसाव होती है, वहां आसपास ऑक्सीजन की कमी होने लगती है. इससे फेफड़ा खराब हो जाता है.

जल्द कराई जाएगी उक्त स्थल की भराई: पीओ

बांसजोड़ा कोलियरी परियोजना पदाधिकारी एके झा से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि टेंडर की राशि बहुत ज्यादा हो गई थी. इस कारण अब डिपार्टमेंट खुद से भराई का काम करेगी. वाहन का जुगाड़ कर जल्द ही ओबी भराई का काम शुरू कर आग पर काबू पाया जाएगा. सावधानी के लिए उक्त स्थल पर कुछ मिट्टी भराई की गई है.

कोचिंग संचालक की पंडिपुरिंग जलप्रपात में डूबने से मौत

रांची। कोचिंग सेंटर संचालक की खूंटी जिला स्थित पंडिपुरिंग जलप्रपात में डूबने से मौत हो गई. कोचिंग संचालक संतोष कुमार मेहता का रातू रोड में अध्ययन केंद्र नामक कोचिंग सेंटर है. वह लातेहार जिले के टोरी-चंदवा के रहने वाले थे. बताया जाता है कि अध्ययन केंद्र रांची से करीब 40 लोग पिकनिक मनाने पंडिपुरिंग जलप्रपात पहुंचे थे. इनमें केंद्र के छात्र व शिक्षक शामिल थे. सभी बस से पंडिपुरिंग जलप्रपात पहुंचे थे. सेंटर के शिक्षकों ने बताया कि यहां कुछ लोग खाना बनाने में व्यस्त हो गए. कुछ लोग नदी में नहाने चले गए. संतोष मेहता और सेंटर के दो छात्र रितेश व अमन भी नदी में नहाने चले गए. इसी बीच संतोष अचानक पानी में डूबने लगे, यह देख रितेश व अमन उन्हें बचाने के लिए आगे बढ़े. उन्होंने संतोष का हाथ पकड़कर बाहर निकालने की कोशिश की, परंतु इस क्रम में रितेश व अमन भी डूबने लगे. वहां नहा रहे अन्य लोगों ने दोनों को बचाया. लोगों ने संतोष को भी बचाने की कोशिश की,परन्तु वे पानी में अंदर डूब गए. सूचना पाकर पर्यटन मित्र वहां पहुंचे. उन्होंने पानी के अंदर जाकर संतोष को बाहर निकाला. उन्हें बस से रेफरल अस्पताल तोरपा लाया गया, परन्तु अस्पताल पहुंचने के पूर्व ही उनकी मौत हो गयी थी.

ब्रीफ खबरें

सीएम हेमंत सोरेन आज हजारीबाग में

हजारीबाग। आपकी योजना-आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन सोमवार को इचाक में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे. कार्यक्रम स्थल बोधी मैदान में सीएम लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण करेंगे. साथ ही कई योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन भी करेंगे. इसे लेकर तैयारी पूरी कर ली गई थी. डीसी नैंसी सहाय व एसपी मनोज रतन चौथे ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया.

नदी किनारे महिला का शव मिलने से सनसनी

निरसा। पंचेत ओपी क्षेत्र के चांच लाइन पार मुंडा धौड़ा महतो पाड़ा स्थित मैदान के पास रविवार को अज्ञात महिला का शव मिला. शव मिलने से सनसनी फैल गई. अर्धनग्न अवस्था में खुदिया नदी के किनारे जंगल में महिला का शव पड़ा था. उसकी उम्र 30 से 35 साल के बीच होगी. अर्धनग्न स्थिति में शव मिलने से कई तरह की चर्चा है. लोगों कहना है कि महिला विक्षिप्त थी और कुछ दिनों से यहां वहां घूम रही थी.

होटल संचालक पर ब्लेड से हमला कर घायल कर दिया

मैथन। पतलाबाड़ी के होटल संचालक को चाँच पोटरी के युवकों ने ब्लेड से वार कर घायल कर दिया. घटना बीती रात की है. सूचना मिलते ही पंचेत ओपी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गौरव सिंह नाम के युवक को गिरफ्तार कर लिया. घटना में शामिल दो युवकों की पुलिस तलाश कर रही है. होटल संचालक ने बताया की देर रात्रि तीन युवक होटल आए और खाने की मांग की. कुछ देर बाद गौरव ब्लैड लेकर आया और मुझ पर वार कर दिया.

3 से शुरू होगी यूजी सेम-5 की परीक्षाएं

धनबाद। बीबीएमकेयू में सीबीसीएस कोर्स के अंतर्गत संचालित यूजी सेमेस्टर-5 सत्र 2021-24 और 2020-23 की परीक्षाएं 3 जनवरी से शुरू होंगी. वोकेशनल कोर्स की परीक्षाएं भी साथ-साथ संचालित की जाएंगी. परीक्षा नियंत्रक ने नोटिफिकेशन जारी कर दिया है. इसके अनुसार परीक्षाएं रविवार व छुट्टियों को छोड़ कर 12 जनवरी तक दोनों पालियों में 10 बजे से एक बजे तक जबकि दोपहर दो बजे तक 5 बजे तक आयोजित की जाएंगी.

जमुआटांड़ में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का बहिष्कार

नहीं पहुंचे जन प्रतिनिधि, भटकते रहे लाभुक

संवाददाता । कतरास

निर्धारित कार्यक्रम से पूर्व रविवार को जमुआटांड़ पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के आयोजन से नाराज मुखिया सहित पंचायत प्रतिनिधियों ने बहिष्कार कर दिया. तब अधिकारियों व कर्मियों ने शिविर का आयोजन किया, जहां लोगों की भीड़ कम देखी गई. साथ ही विभिन्न योजनाओं के लिए बनाए गए स्टॉल पर ऑपरेटर नहीं रहने से शिविर में पहुंचे लोगों की समस्या का समाधान नहीं हो सका.

इस दौरान योजनाओं को लेकर दस्तावेज के साथ लोग इधर-उधर भाग दौड़ करते दिखे. इसके साथ ही अबुआ आवास योजना स्टॉल में पदाधिकारी कंप्यूटर न होने की वजह से मोबाइल से एंट्री करते देखे गए. उन्होंने बताया कि हम लोगों को व्यवस्था नहीं दी गई है, तो हम क्या कर सकते हैं. मोबाइल से ही जितना हो पा रहा है, हम एंट्री कर रहे हैं. ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार आपके द्वार के कार्यक्रम से सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ आम लोगों को कितना मिलेगा. पंचायत प्रतिनिधियों ने मुखिया कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर अधिकारियों पर तानाशाही का आरोप लगाया. मुखिया निरंजन गोप ने कहा कि हमारी पंचायत में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के लिए 19 दिसंबर की तारीख तय की गई थी. नोटिफिकेशन जारी किया गया था, लेकिन अचानक तय कार्यक्रम से पहले कार्यक्रम होना खानापूर्ति होगी. क्योंकि कार्यक्रम को लेकर तैयारी नहीं हो सकती थी. प्रचार प्रसार नहीं हुआ.

दिव्यांग बेटी के साथ पहुंची वृद्धा बोली- कोई सुननेवाला नहीं

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में एक वृद्ध महिला अपनी दिव्यांग बेटी लेकर पहुंची थी. बेटी का दस्तावेज लेकर शिविर में लगे विभिन्न स्टॉलों का चक्कर काट कर वह हताश होकर अपनी दिव्यांग बेटी के साथ जमीन पर बैठ गई. जब शुभम संदेश की टीम ने उस वृद्धा से बातचीत की, उसने बताया कि वह अपनी दिव्यांग बेटी रोशनी की पेंशन बंद होने की समस्या को लेकर पहुंची है. करीब 9 महीना से उसे पेंशन नहीं मिल रही है, लेकिन शिविर में आने पर कोई भी कुछ बताने को तैयार नहीं है. वृद्ध महिला डबडबाई आंखो में आंसू लेकर बोली- बाबू जहां जाते हैं, कोई कहता है मशीन नहीं है, तो कोई कहता है उसके पास जाओ. ब्लॉक में आकर करवा लेना, मेरी यहां कोई सुनने वाला नहीं है.

खास बातें

- तय तिथि से दो दिन पहले ही आयोजन पर भड़के जन प्रतिनिधि
- शिविर में पर्याप्त संसाधन नहीं रहने से लोग दिन भर रहे परेशान

तिथि में फेरबदल सीएम के कार्यक्रम को लेकर हुआ: बीडीओ : बाघमारा बीडीओ सुषमा आनंद से जब बात की गई, तो उन्होंने कहा कि इसका कोई असर नहीं पड़ा. पंचायत से कुल 1133 आवेदन प्राप्त हुए हैं. लोगों को लाभ मिलेगा, पंचायत प्रतिनिधियों के कार्यक्रम का बहिष्कार करने के सवाल पर कहा कि उनके बहिष्कार से कार्यक्रम पर कोई असर नहीं पड़ा. तिथि में फेर बदल सीएम के कार्यक्रम को लेकर किया गया था.

बार एसो. चुनाव की मतगणना हो-हंगामे के कारण स्थगित हुई

पलामू। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव का मतगणना कार्य अंतिम चरण में हो-हंगामा के बीच स्थगित हो गया. जनरल सेक्रेटरी अजय पांडेय व राजीव रंजन के बीच कांटे की टक्कर चल रही थी. अंतिम राउंड के कुल 26 बैलट की गिनती बाकी थी. इसी बीच पांडेय के समर्थकों ने वोटों की गिनती रुकवा दी कि बैलेट पेपर पर तीन की जगह एक ही चुनाव अधिकारी के हस्ताक्षर क्यों हैं, पुनः चुनाव हो.

चुनाव कमेटी के सदस्य एससी मेहता ने कहा कि सभी को बैलेट पेपर दिखाकर अनुमति ले ली गयी थी. एक ही पदाधिकारी के हस्ताक्षर पर किसी की आपत्ति नहीं थी. लेकिन अब ऐसा आरोप लगाकर हंगामा क्यों खड़ा किया गया. समझ से परे है. इधर विरोध का मुख्य चुनाव आयुक्त बीएन चौबे पर कुछ असर नहीं हुआ, तो अधिवक्ता प्रत्याशी हो-हंगामे पर उतर आए व मतगणना नहीं होने दी. मुख्य चुनाव आयुक्त बीएन चौबे ने सारे बैलेट को बाक्स में सुरक्षित रखवा दिया. इस बीच पुलिस पदाधिकारियों के साथ मजिस्ट्रेट मतगणना स्थल पर पहुंचे व स्थिति का जायजा लिया.

मजदूरों को गुलाम बनाने की साजिश रच रहा केंद्र

संवाददाता । मैथन

डीवीसी श्रमिक यूनियन मैथन शाखा की वार्षिक सभा यूनियन कार्यालय मैथन में रविवार को संपन्न हुई. सभा की शुरुआत झंडोत्तोलन करने से हुई. मौके पर यूनियन के केंद्रीय उपाध्यक्ष जीवन आईच एवं सह सचिव शुभाशीष गुप्ता पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे. मुख्य अतिथि सीटू के झारखंड राज्य सचिव एसके घोष ने देश के मौजूदा राजनीति स्थिति पर बोलते हुए कहा कि केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ आने वाले दिनों में मजदूर आंदोलन को और तेज करना आवश्यक हो गया है. केंद्र सरकार की औद्योगिक एवं विद्युत नीति तथा मजदूरों को गुलाम बनाने की जो साजिश चल रही है, उसका एकजुट होकर आंदोलन करना जरूरी है. मैथन शाखा के सचिव निशीथ मुखर्जी ने पूरे साल का कामकाज एवं यूनियन के उपलब्धियों को प्रस्तुत किया. सभा में कई प्रस्ताव पारित कर डीवीसी प्रबंधन के खिलाफ आंदोलन करने का निर्णय लिया गया. सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव में असंगठित मजदूरों को समान काम में समान वेतन देने, पेंशन सिस्टम को दूसरे के हाथों में हस्तांतरण नहीं देने, कर्मचारियों की पदोन्नति, स्थानांतरण पॉलिसी, रिक्त पदों में बहाली, आवास का किराया, स्मार्ट मीटर के तहत बिजली बिल का भुगतान, समय से मेडिकल बिल का भुगतान आदि शामिल है.

नयी तरकीब अब बातचीत के लिए सोशल मीडिया के ऐप का खुलकर उपयोग कर रहे हैं अपराधी

फेसबुक, इंस्टा, व्हाट्सएप अब अपराधियों के नए हथियार

मोहम्मद रिजवान । धनबाद

समय के साथ भले ही पुलिस अपडेट न हो, लेकिन अपराधी अपडेट हो रहे हैं. सूचनाओं और मनोरंजन के लिए बने विभिन्न ऐप का प्रयोग अपराधी अपनी शिनाख्त छिपाने में आसानी से कर रहे हैं. पुलिस को भी जद्दोजहद करनी पड़ रही है. फेसबुक मैसेंजर, व्हाट्सएप कालिंग- इंस्टाग्राम जैसे ऐप अपराधियों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं.

जेल में बंद अमन सिंह की हत्या में पकड़े गए सभी शातिरों ने जेल से खूब बात की. लेकिन पकड़े नहीं जा सके. क्योंकि इन्होंने फोन कालिंग का नार्मल तरीका छोड़ कर ऐप से बातचीत की. फर्जी आइडी बना कर फेसबुक का प्रयोग किया और मैसेंजर से बात की.

वारदात में नामजद विकास बजरंगी, सतीश गांधी ने कबूल किया कि न सिर्फ वे बल्कि अमन भी जेल में फेसबुक मैसेंजर से बात करता था. वहीं नेपाल में बैठा आशीष रंजन भी फेसबुक से बातचीत कर पूरी वारदात की फील्डिंग सजाई और अमन को मौत के घाट उतरवा दिया. वाट्स अप कालिंग भी काफी सुरक्षित मानी जाती है क्योंकि इसमें बातचीत रिकार्ड नहीं होती है.

इन ऐप पर अपराधियों को ट्रेस करना बेहद मुश्किल

अब बढ़ रहा इंस्टाग्राम का उपयोग

इंस्टाग्राम का इस्तेमाल इस लिए बढ़ रहा है क्योंकि इसे पुलिस द्वारा इस ऐप के चलाने वालों को ट्रेस करना ज्यादा कठिन है. साथ ही एक मोबाइल नंबर से इंस्टा के कई एकाउंट बनाये जा सकते हैं. इस माध्यम से किसी पर भी आसानी से नजर भी रख सकते हैं. इस ऐप से कालिंग और वीडियो कालिंग दोनों सुविधाओं का खूब उपयोग होने लगा है. वहीं वर्चुअल नंबर वाले ऐप के प्रयोग से भी मोबाइल नंबर नहीं आते हैं, हर बार अलग-अलग नंबरों से कॉल जाती है, इन नंबरों का भी लोकेशन निकालना लगभग नामुमकिन सा होता है. अपराधियों के लिए इस पर बात करना काफी आसान होता जा रहा है.

कारोबारियों को धमकी देने में इंस्टा का इस्तेमाल

दुबई में बैठे गैंगस्टर प्रिंस खान ने वासेपुर के अगरबत्ती कारोबारी के साथ एक अन्य कारोबारी को रंगदारी के लिए धमकी देने के लिए इंस्टाग्राम का ही इस्तेमाल किया है. प्रिंस ने इंस्टा के माध्यम से बात कराने के बाद दोनों कारोबारियों से 10 लाख की रंगदारी मांगी.

अपराधियों ने क्यों बदला सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

एक ही प्लेटफार्म के इस्तेमाल से पकड़े जाने का डर बना रहता है. इसलिए अपराधी हमेशा आगे की सोच के साथ काम करते हैं. खासकर संदेश आदान-प्रदान के माध्यम लगातार बदलते रहते हैं. इन दिनों इंस्टाग्राम के बढ़ते क्रेज ने अपराधियों को भी अपनी ओर मोड़ लिया है. सिर्फ इतना ही नहीं वे लोग अपने टॉर्गेट को भी इन सोशल प्लेटफार्म में ट्रेस करते रहते हैं. फेक आईडी के माध्यम से बड़े कारोबारियों पर भी नजर रखने में आसानी हो जाती है.

छात्र की संदिग्ध मौत पर परिजनों ने डीजीपी से की निष्पक्ष जांच की मांग

संवाददाता । रांची

मांडर थाना क्षेत्र के नवाटांड़ स्थित संत जॉन्स हाईस्कूल के हॉस्टल में छात्र, युवराज पासवान की संदिग्ध मौत हो गयी. युवराज की मौत 19 नवंबर की शाम हुई थी. इस मामले में परिजनों ने डीजीपी से निष्पक्ष जांच की मांग की है. बता दें कि युवराज चतरा जिला के हंटरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत कांशीकेवाल का रहने वाला था. वह आठवीं का छात्र था. छात्र की मौत पर स्कूल प्रबंधन ने कहा था कि युवराज ने हॉस्टल परिसर स्थित कुएं में कूद कर आत्महत्या की है. जबकि परिजनों का आरोप है कि युवराज पासवान की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया जा रहा है.

युवराज की मौत पर स्कूल प्रबंधन के रवैये को देखते हुए ही परिजनों ने डीजीपी से निष्पक्ष जांच की मां की है. वहीं मृतक के भाई विवेकानंद कुमार के अनुसार, उसने भी संत जॉन्स स्कूल के हॉस्टल में ही रहकर ही मैट्रिक तक की पढ़ाई की थी. हॉस्टल परिसर स्थित जिस कुएं में कूदकर आत्महत्या करने की बात कही जा रही है, वह लोहे की मोटी जाली से ढंकी रहती है. कहा कि दुर्गापूजा के बाद ही भाई को घर से लाकर हॉस्टल में छोड़ा गया था. वहीं मामले की जांच कर रही मांडर पुलिस ने भी हॉस्टल के कुएं की लोहे की जाली से ढंके होने की पुष्टि की है.

ब्रीफ खबरें

क्रिसमस गैदरिंग से पूर्व निकाली गई प्रचार रथ

जमशेदपुर। ऑल क्रिश्चियन एसोसिएशन किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को हैप्पी क्रिसमस गैदरिंग कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक भवन मेघाहातुबुरु प्रांगण में हुआ. इससे पूर्व बैंक मोड़, किरीबुरु स्थित अम्बेडकर चौक प्रांगण से भव्य शोभा यात्रा निकाली गयी.शोभा यात्रा किरीबुरु-मेघाहातुबुरु शहर का भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पर पहुंची.शोभा यात्रा व कार्यक्रम में शहर के आरसी चर्च, सीएनएन चर्च, एजी चर्च, एसडीए चर्च, जीईएल चर्च के प्रायः लोग शामिल हुए.

बाइक की चपेट में आने से साइकिल सवार घायल

मनोहरपुर। मनोहरपुर-राउरकेला मुख्य मार्ग मनीपुर के समीप दोपहर तीन बजे अज्ञात बाइक की चपेट में आने से साइकिल सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल युवक 40 वर्षीय बिनोद लोहार मनोहरपुर थाना अंर्तगत साइडिंग पूरनापानी का रहने वाला है. गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए मनोहरपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया. वहां स्थानीय चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए राउरकेला रेफर कर दिया है.

जेकेआई झारखंड सीनियर कराटे बेल्ट ग्रेडिंग प्रतियोगिता 24 को

चाईबासा। जेकेएआई झारखंड चाईबासा ब्रांच की एक दिवसीय सीनियर ब्राउन बेल्ट कराटे परीक्षा 24 दिसंबर रविवार को होगी. प्रतियोगिता चाईबासा जापान कराटे एसोसिएशन ऑफ इंडिया झारखंड प. सिंहभूम के तत्वावधान में होगी. मुख्य कराटे प्रशिक्षण केंद्र संत जेवियर कल्याण केंद्र के कम्युनिटी हॉल में 24 को सुबह 10:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक होगी. कराटे बेल्ट ग्रेडिंग परीक्षा में मुख्य रूप से किहोन,काता,कुमीते एवं शारीरिक परीक्षा के साथ मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी.

महिला कॉलेज एनएसएस यूनिट ने किया होम विजिट

चाईबासा। महिला कॉलेज चाईबासा एनएसएस बीएड यूनिट की ओर से एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अंतर्गत झींकपानी स्थित संचार सीनियर सिटिजन रविवार को होम विजिट किया गया. इस कार्यक्रम का नाम वयो-वंदनम रखा गया. इस अवसर पर प्राचार्या डॉ प्रीतिबाला सिन्हा, डॉ सुचिता बाड़ा , मोबारक करीम हाशमी, धनंजय कुमार, शांतनु मधेशिया समेत एनएसएस सेमेस्टर 1 और सेमेस्टर 2 के वोलंटियर्स शामिल हुई. संता के द्वारा केक कटिंग किया गया .

मगदा गौड़ समाज की फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित

मनोहरपुर। आनंदपुर मगदा गौड़ समाज के तत्वाधान में रविवार को आनंदपुर ठियाटांगर फुटबॉल मैदान में एक दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. आयोजन के मुख्यकर्त्ता अरुण गोप ने बताया कि यह प्रतियोगिता समाज के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खेल के प्रति बढ़ावा देने के उद्देश्य आयोजित किया गया है. प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने हिस्सा लिया. मुख्य अतिथि जिप सदस्य मनोहरपुर उपाध्यक्ष रंजित यादव ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर खेल का उद्घाटन किया.

चाईबासा के चौक चौराहा में जलाए गये अलाव

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत बढ़ती ठंड के मद्देनजर जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त के निर्देशानुसार सभी प्रखंड क्षेत्र एवं नगर परिषद क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग चौक चौराहों, बस पढ़ाव, रेलवे स्टेशन आदि स्थानों पर अंचल अधिकारी व कार्यपालक पदाधिकारी नप की देखरेख में अलाव की व्यवस्था किया गया है. इसके अलावा उपायुक्त के द्वारा सभी बीडीओ एवं एसडीओ को रात्रि में क्षेत्र अंतर्गत भ्रमण कर बेसहारा लोगों के बीच कंबल वितरण करने के लिए भी निर्देशित किया गया है.

पूर्ववर्ती छात्रों ने पूर्व छात्र संघ का किया गठन

जमशेदपुर। काशीडीह हाई स्कूल के मल्टीपर्पज हॉल में रविवार को पूर्व छात्रों की पहली बैठक आयोजित हुई. इसमें पूर्व छात्रों के साथ-साथ शिक्षक भी उपस्थित थे. सभी ने मिलकर पूर्व छात्र संघ का गठन किया, जिसका नाम "अख्स" रखा गया. इसके लिए पूर्व छात्रों ने एक प्रारंभिक बोर्ड का भी चयन किया. इसका अध्यक्ष शांत गहलौत, उपाध्यक्ष देवाशीष शर्मा, सचिव विकाश कुमार, कोषाध्यक्ष आदित्य कुमार और स्कूल प्रतिनिधि ट्विंकल जग्गी को बनाया गया.

आधुनिक युग में भी पाषाण काल में जीने को विवश हैं सुदूरवर्ती चेंडेया के गांव के ग्रामीण

सुविधाओं के अभाव में खटिया बन जाती एंबुलेंस

संवाददाता। चाईबासा

सुदूरवर्ती जंगली इलाकों में आज भी ऐसे गांव मौजूद हैं. जहां की नारकीय जिंदगी सरकारी सुविधाओं के अभाव में पाषाण काल की याद दिलाती है. ऐसे ही गांवों में शुमार है खूंटपानी प्रखंड का चेंडेया गांव. ये गांव है तो जिला मुख्यालय से महज दस किलोमीटर दूर. लेकिन यहां की जिंदगी सुविधाओं के अभाव में कराह रही है. ग्रामीण बताते है कि यह गांव प्रशासनिक तथा राजनीतिक रूप से उपेक्षित है. न तो सरकारी पदाधिकारी सुधि लेने आते हैं और न ही कोई जनप्रतिनिधि. नतीजतन गांव में मूलभूत समस्याएं मुंह बायें खड़ी हो गयी हैं. इधर, रविवार को खूंटपानी प्रखंड के प्रमुख सिद्धार्थ होनहागा ने इस गांव का दौरा किया और सरकारी सुविधाओं का जायजा लिया. तत्पश्चात उन्होंने कहा कि वाकई इस गांव में चहुंओर समस्या ही समस्या है. आने-जाने के लिये सड़क तक नहीं है. इस कारण बीमार पड़ने पर रोगी को खटिया पर लिटाकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है.

श्री होनहागा ने बताया कि गांव में आंगनबाड़ी केंद्र भी नहीं है. इस कारण उससे मिलनेवाले लाभ से भी बच्चे, धात्री, गर्भवती, किशोरी वंचित हैं. गांव तथा प्राथमिक विद्यालय के बीच दूरी अत्यधिक होने के कारण ड्रॉपआउट बच्चों की संख्या बढ़ रही है. इसके अलावे रोजगार, पेयजल, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी यहां गंभीर है. पक्के तथा कच्चे मकानों के अभाव में ग्रामीण घास-फूस से बनी झोपड़ियों में रहने को विवश हैं. उन्होंने बताया कि पड़ोसी गांव जम्बुई तथा नचरिया गांव का हाल भी कमोवेश ऐसा ही है. उन्होंने ग्रामीणों को गाँव की समस्या से जिला प्रशासन को अवगत कराने का आश्वासन दिया.

खास बातें

- गांव आज भी प्रशासनिक व राजनीतिक रूप से उपेक्षित है
- आंगनबाड़ी केंद्र भी नहीं है, ड्रॉपआउट बच्चे है अधिक

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- देश में सूरजताल झील कहां है – **हिमाचल प्रदेश**
- नारियल का वैज्ञानिक नाम क्या है – **कोको न्यूसीफेरा**
- भारत का सिलिकान वैली किसे कहा जाता है – **बेंगलुरु**
- अष्टप्रधान किस प्रशासन का अंग था – **मराठा**
- नाटो का मुख्यालय कहां है – **ब्रुसेल्स**
- झारखंड का कितना प्रतिशत भाग कृषि कार्य के योग्य है – **77**
- किस नेता को जननायक के नाम से जाना जाता है – **कर्पूरी ठाकुर**
- रॉकेट की गति पर कौन सा संरक्षण सिद्धांत लागू होता है – **संवेग का संरक्षण**
- संयुक्त राष्ट्र के चार्टर कहां स्वीकार किए गए थे – **सैन फ्रांसिस्को**
- ट्रेफलगार के युद्ध में नेपोलियन किस देश से हारा था – **इंग्लैंड**

राज्यपाल व रास उपसभापति ने किया शिखर को छूते ट्राइबल्स-4 का लोकार्पण

संवाददाता। जमशेदपुर

डॉ. राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा चतुर्थ राष्ट्रीय विचार मंथन का उदघाटन रांची के ऑड्रे हाउस में हुआ. खरसावां शहीद दिवस की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ. उदघाटन के अवसर पर अतिथियों के रुप में झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने पुस्तक ''शिखर को छूटे ट्राइबल्स'' के चतुर्थ भाग का लोकार्पण किया. समारोह में जैविक खेती अभियान के संस्थापक क्रांति प्रकाश, राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह, सेवानिवृत न्यायाधीश टी गोपाल सिंह, रांची विश्वविद्यालय के कुलपति अजीत कुमार सिन्हा, पूर्व मंत्री व समाजवादी रामचंद्र केसरी एवं दिनेश षाड़ंगी उपस्थित थे.

अंकुआ कम्पार्टमेंट के जंगलों की कटाई के मास्टरमाइंड को है राजनीतिक संरक्षण

आनंदपुर के कांडी गांव से चल रहा है जंगल कटाई का नेटवर्क

संवाददाता। किरीबुरु

सारंडा वन प्रमंडल के अंकुवा कम्पार्टमेंट संख्या-48 में कोलभंगा गांव से लगभग 3 किलोमीटर पूर्व दिशा के जंगलों को काटकर मैदान, खेत व घर बनाकर बाहरी लोगों को कब्जा दिलाने का मास्टरमाइंट आनंदपुर प्रखंड के हरता पंचायत अन्तर्गत कांडी गांव निवासी एक वृद्ध है. कांडी गांव से ही इस अवैध जंगल कटाई का पूरा नेटवर्क चल रहा है. इसी वृद्ध के संरक्षण व आदेशानुसार सारंडा के हरे-भरे जंगलों को काटकर न सिर्फ मैदान बनाकर पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है, बल्कि वन भूमि पर अवैध कब्जा जमाने का कार्य किया जा रहा है. हालांकि वन विभाग, पुलिस व सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई के बाद इस कार्य पर तो तात्कालिक विराम लगा है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि यह स्थायी विराम नहीं है. कांडी गांव निवासी उक्त वृद्ध के ऊपर एक बडे.व प्रभावशाली राजनीतिक नेता का संरक्षण प्राप्त है. जिस वजह से उसे ऐसा कृत्य करने के प्रति कानून का थोड़ा भी भय नहीं है.

ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधानः उल्लेखनीय है कि सरकार ने वर्ष 2005 से जंगलों को काटकर बसे लोगों को वनाधिकार कानून के तहत वन भूमि का पट्टा जीविकोपार्जन हेतु देने का प्रावधान किया है. वर्ष 2005 के बाद अगर कोई जंगल काट व वन भूमि पर कब्जा करता है तो उसे इसका लाभ नहीं मिलेगा, बल्कि वन विभाग के कडे.कानूनों के तहत ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का प्रावधान है. वन अधिकार अधिनियम में यह भी प्रावधान किया गया है कि वर्ष 2005 से पहले जंगल काट कर बसे गांव के ग्रामीण और वनों की कटाई नहीं करेंगे. वह आसपास के जंगलों की खुद रक्षा करेंगे एवं बाहरी माफियाओं से जंगलों को काटने से बचायेंगे, उन्हें भगायेंगे. अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ भी जवाबदेही तय करते हुये उन्हें दी गई .

आसपास के ग्रामीणों में भारी आक्रोश

दूसरी तरफ कोलभंगा के जंगलों को बाहर से आये लोगों द्वारा काटे जाने से आसपास के गांवों जैसे गिंडुंग, कोलभंगा, लाईलोर आदि के ग्रामीणों में भारी आक्रोश है. ग्रामीण सूत्रों का कहना है कि यह जंगल हमारे सीमाना में है, जिसपर पहला अधिकार हमारा है. भविष्य में हमारा परिवार, बाल-बच्चों की संख्या बढेगी. हम कहां जायेंगे. ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग जंगल काटने वाले लोगों पर सीधे कार्रवाई नहीं कर उनके साथ बैठकर वार्ता कर सिर्फ हटाने काम की. इससे ऐसे तत्वों का मनोबल बढेगा. वन विभाग जंगल जंगल वनों को काटने वालों की खोज करती है. जब एक साथ काटने वाले लोग पारम्परिक औजार, मोटरसाईकल दि के साथ पकडे. गये तो उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया. यह दुर्भाग्य की बात है. कोई अगर एक पेड़ काट देता है तो वन विभाग पकड़ जेल भेज देती है. इस जंगल कटाई का मास्टरमाइंड समेत इसमें शामिल सभी को नामजद आरोपी बनाकर कानूनी कार्रवाई करे. अन्यथा सारंडा जंगल की कटाई की घटना विभिन्न कम्पार्टमेंट व हिस्सों में बढ़ सकती है. ग्रामीणों ने कहा कि वन अधिकार समिति का गठन गांव गांव स्तर पर सरकार करवा रही है.

खास बातें

- वृद्ध के संरक्षण में चल रहा जंगल की अंधाधुंध कटाई
- मैदान बनाकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया जा रहा है

ग्रामीणों को गुमराह कर जंगल कटवाया

कांडी गांव के उक्त वृद्ध जिसने व्यक्तिगत लोभ के कारण दर्जनों भोले भाले ग्रामीण को गुमराह कर जंगल कटाई के अपराध में झोंककर उनका आर्थिक व श्रम शक्ति का भारी नुकसान करा रहा है, क्या वह गारंटी लेगा कि इन ग्रामीणों को वह वर्ष 2005 के बाद जंगल काटने के एवज में काटे गये वन भूमि पर कब्जा अथवा वनाधिकार का पट्टा दिला देगा! ऐसा किसी भी स्थिति में संभव नहीं होगा, क्योंकि सरकार व वन विभाग सेटेलाइट इमेजरी व जीपीएस आदि तकनीक के माध्यम से पहले ही सारंडा समेत सारे जंगलों का सर्वे कर चुकी है. सरकार व वन विभाग के पास पूरा आंकड़ा है कि वर्ष 2005 से पहले कितना जंगल काटे गये, जंगल में कहां-कहां अवैध बस्ती बसाये गये हैं.

गोपीपुर स्टेडियम में विंटर कैंप आयोजित

मनोहरपुर। फिजिकल अकादमी मनोहरपुर के तत्वावधान में रविवार को गोपीपुर स्टेडियम में विंटर कैंप का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में बीआरपी सह युवा समाज सेवी यशवंत कटियार उपस्थित थे. जिसमें प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र सारंडा अंर्तगत विभिन्न गांवों के युवाओं को डिफेंस आर्मी, पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ, आरपीएफ, रेलवे ग्रुप डी,एसएससी जीडी आदि सभी प्रकार के अर्धसैनिक बल में तैयारी करने के लिए एक विशेष कैंप लगाकर नामांकन किया गया. इसमें कुल 60 युवाओं ने अपना नामांकन कराया. मुख्य अतिथि यशवंत कटियार ने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए देश सेवा के लिए प्रेरित किया.

4 करोड़ की लागत से बनेगी पंपड़ा-तिरिलबुटा सड़क

संवाददाता। चाईबासा

सदर प्रखंड अंतर्गत पंपड़ा चौक से तिरिलबुटा तक करीब पांच किलोमीटर सड़क राइडिंग क्वालिटी में सुधार कार्य होगा.इससे ग्रामीणों में काफी हर्ष है.रविवार को विधायक दीपक बिरुवा ने इसका भूमिपूजन के बाद निर्माण कार्य का शुभारंभ किया. इस मौके पर उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और समाधान की दिशा में सार्थक प्रयास का भरोसा दिया. ग्रामीणों ने भी सड़क का निर्माण कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए विधायक के प्रति आभार जताया. विधायक ने ग्रामीणों की मौजूदगी में विधिवत पूजा-अर्चना के बाद नारियल फोड़कर कर करीब 4 करोड़ 22 लाख रुपए की लागत से बनने वाली इस सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ किया. विधायक ने कहा कि इस सड़क के बन जाने से आने-जाने में काफी सहूलियत होगी. ग्रामीणों को सीधे तौर पर इसका लाभ मिलेगा. मौके पर मौजूद ग्रामीणों से कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार विकास कार्यों में काफी गंभीर है. मौके पर ग्रामीण मुंडा लक्ष्मी नारायण देवगम, भारत भूषण देवगम, झामुमो पंचायत अध्यक्ष बागुन सावैया, पूर्ण चंद्र गोप, जगदीश चंद्र गोप, सुभाष चंद्र भांज, बल्लू दास, नारायण देवगम, मैकलिन देवगम, मिस्टर देवगम, अविनाश देवगम, पिंटू देवगम, प्रदीप होनहागा, मानकी होनहागा, विजेंद्र देवगम समेत अन्य उपस्थित थे.

खास बातें

- विधायक ने भूमिपूजन कर निर्माण कार्य शुरू कराया
- सड़क बनने से लोगों की समस्या का होगा समाधान

बीएमएस मजदूरों की लड़ाई लड़ने में सक्षम है: रंजय कुमार

संवाददाता। किरीबुरु

अखबारों से जानकारी प्राप्त हुई है कि एनजेसीएस के चारों यूनियन हड़ताल में जा रहें हैं. इसकी कोई सूचना या संपर्क बैठक में शामिल होने हेतु भारतीय मज़दूर संघ (बीएमएस) से नहीं की गई है. यद्यपि बीएमएस मजदूरों की लड़ाई अपने स्तर से लड़ने में सक्षम है. उक्त बातें बीएमएस के महामंत्री सह एनजेसीएस के सदस्य रंजय कुमार ने कहीं. उन्होंने कहा कि मजदूरों को बिना क्षति पहुंचाये जो कार्य हो सकता है, बीएमएस उस कार्य को कर रहा है और मजदूरों का पूरा समर्थन प्राप्त हो रहा है. अभी सेल के मजदूर मानसिक रूप से हड़ताल के लिए तैयार नहीं हैं, क्योंकि पिछले हड़ताल का अनुभव अच्छा नहीं रहा है. अभी तक हमारे कई कर्मचारी स्थानांतरण और आर्थिक दंड का दंश झेल रहे हैं.भारतीय मजदूर संघ उन कर्मचारियों की घर वापसी का प्रयास कर रहा है, परन्तु बाकी के यूनियन इसके विरोध में हैं. इस कारण अभी तक हड़ताल का दंश झेल रहे कर्मचारियों की घर वापसी नहीं हो पाई है. भारतीय मजदूर संघ संवाद और संघर्ष के द्वारा ही आज देश का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन हैं.संवाद जहां समाप्त होता है, संघर्ष की शुरुआत भारतीय मजदूर संघ वहीं से करता है. भारतीय मजदूर संघ सदैव उनके साथ है.भारतीय मजदूर संघ का जो अभियान प्रत्येक यूनिट में चल रहा है, उसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें. भारतीय मजदूर संघ लोकतान्त्रिक तरीके से मजदूरों को न्याय दिला कर रहेगा.

संथाली लोगों का धर्मांतरण चिंता की बात है : रुई दास

किरीबुरू। सारंडा पीढ़ के दुबिल गांव में 9 मौजा संथाल समाज के लोगों की महत्वपूर्ण बैठक रुई दास सोरेन की अध्यक्षता में संपन्न हुई. बैठक में इस बात को लेकर गंभीर रुप से चिंता जाहिर किया गया कि संथाली समाज के लोग अपना धर्म को छोड़ दूसरे धर्म में शामिल हो रहे है. इसके पीछे की वजह क्या है, वह तो पता नहीं लेकिन शायद प्रलोभन में आकर ऐसा कर रहे हैं. ऐसा करना गलत है. अगर भविष्य में संथाली समाज के लोग अपना धर्म छोड़कर दूसरे धर्म में जाते हैं तो उनके खिलाफ सामाजिक व कानूनी कार्रवाई किया जायेगा. इस बैठक में सोनाराम माझी, मोहन हंसदा, पूर्व जीप सदस्य बामिया माझी, कृष्णा हंसदा, मंगल हंसदा, गुरा मुरमू, सुरेन टुडू, वीर सिंह हंसदा मंगल टुडू, गोपाल टुडू, प्रदीप माझी आदि दर्जनों महिलाएं व पुरुष मौजूद थे.

एमसीसी की लगातार दूसरी जीत

संवाददाता। चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे एसआर रूंगटा ए-डिवीजन लीग के अंतर्गत रविवार को खेले गए मैच में मिडिलसेक्स क्रिकेट क्लब चाईबासा ने टॉउन क्लब चाईबासा को एकतरफा मुकाबले में 95 रनों से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए. एमसीसी चाईबासा की यह लगातार दूसरी जीत है. आज की जीत के साथ ही इस टीम के कुल आठ अंक हो गए हैं और अंक तालिका में ये दूसरे स्थान पर पहूँच गया है. जबकि अपने सभी चार मैच जीतकर सोलह अंकों के साथ यंग झारखण्ड क्रिकेट क्लब चाईबासा की टीम पहले स्थान पर बनी हुई है. स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए आज के मैच में टॉस टॉउन क्लब चाईबासा के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया. उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ. जब एमसीसी चाईबासा के दोनों उद्घाटक बल्लेबाजों ने पहले चार ओवर में ही 60 रन ठोक कर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए. एमसीसी के बल्लेबाजों ने निर्धारित 35 ओवर में 7 विकेट खोकर 258 रन बनाए. बल्लेबाज शिवम कुमार ने सात चौकों एवं छह छक्कों की मदद से मात्र 63 गेंदों पर 94 रनों की शानदार पारी खेली और मात्र 6 रन के अंतर से शतक बनाने से चूक गया.

खास बातें

- एसआर रूंगटा ए-डिवीजन लीग मैच
- टॉउन क्लब चाईबासा की टीम को हराया

लोकसभा स्तरीय मिलन समारोह को लेकर बैठक

चाईबासा। चक्रधरपुर में 24 दिसंबर को होने वाले लोकसभा स्तरीय मिलन समारोह को लेकर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने प्रीतम बांकिरा द्वारा प्रखंडवार बैठक में शुरू कर दी है. इसी क्रम में आज युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रीतम बांकिरा ने खूंटपानी प्रखंड में युवा कांग्रेस और कांग्रेस प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया और 24 तारीख को होने वाले मिलन समारोह को लेकर सभी पदाधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया. युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रीतम बांकिरा ने कहा कि 24 तारीख को होने वाला मिलन समारोह सिंहभूम लोकसभा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक होगा. मालूम हो कि सिंहभूम लोकसभा में युवा कांग्रेस का मिलन समारोह पहली बार हो रहा है और इस कार्यक्रम में 2000 से लेकर 2020 तक के युवा कांग्रेस के पदाधिकारी रहे सभी लोगों को आमंत्रित किया गया है.

खुलासा मंच के सर्वेक्षण रिपोर्ट पर जन चर्चा में उजागर हुआ स्कूलों के एमडीएम सच्चाई

मध्याह्न भोजन में केंद्रीकृत किचन व्यवस्था फेल

संवाददाता। चाईबासा

ज़िले के चार प्रखंडों सदर, झिंकपानी, खुंटपानी, तांतनगर के सभी सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए लागू केंद्रीकृत किचन व्यवस्था पर खाद्य सुरक्षा जन अधिकार मंच, पश्चिमी सिंहभूम द्वारा किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट पर रविवार जन चर्चा का आयोजन कर जारी की गयी. सर्वेक्षण में पाया गया कि बच्चे इस नयी व्यवस्था से त्रस्त हैं और पुरानी मध्याह्न भोजन व्यवस्था को पुनः लागू करने की मांग कर रहे हैं. कार्यक्रम में चारों प्रखंड से अनेक अभिभावक, बच्चे, रसोईया व सामाजिक कार्यकर्ता भाग लिए व अपने अनुभवों को रखे. जन चर्चा में शिक्षा विभाग के मध्याह्न भोजन के नोडल पदाधिकारी एवं राज्य के कई सामाजिक कार्यकर्ता भाग लिए. चारो प्रखण्ड के 370 सरकारी विद्यालयों (अधिकांश ग्रामीण क्षेत्र में हैं) में जनवरी-अप्रैल 2023 से मध्याह्न भोजन में केंद्रीकृत किचन व्यवस्था लागू की गयी है. यह किचन अन्नामृत फ़ाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा है, जो इस्कॉन मंदिर की संस्था है. चाईबासा में केंद्रीकृत किचन की स्थापना टाटा स्टील व ज़िला प्रशासन के सहयोग से की गई है.जिसमें खाना बन के गाड़ी के माध्यम से विद्यालयों में भेजा जाता है.

सर्वेक्षण के नतीजे चौंकाने वाले हैं

सर्वेक्षण के नतीजे चौकाने वाले हैं. सभी 42 विद्यालयों के छात्रों ने कहा कि पहले जो विद्यालय में ही रसोईये द्वारा मध्याह्न भोजन बनता था. वह सेंट्रल किचन से मिल रहे भोजन से बेहतर था. 92% विद्यालयों के शिक्षकों ने भी कहा कि विद्यालयों में ही बन रहे भोजन की गुणवत्ता व स्वाद सेंट्रल किचन के भोजन से बेहतर था. 90% विद्यालयों के शिक्षकों ने कहा कि अभी की तुलना में बच्चे पहले ज़्यादा खाते थे. जब विद्यालय में ही खाना बनता था. गुणवत्ता और स्वाद पसंद ना आने के कारण बच्चों द्वारा भोजन फेंकना आम बात हो गयी है.

सेंट्रल किचन के खाने में एक महक रहती है

लेकिन सेंट्रल किचन के खाने में एक अजीब महक रहती है. स्वाद घर के खाने से बिलकुल अलग होता है. सर्दी में खाना जल्दी ठंडा हो जाता है. हरा साग कभी नहीं मिलता है. सब्जी में केवल आलू-पटल रहता है, जिसका बड़ा-बड़ा) टुकड़ा रहता है जो कभी-कभी पूरा सीझता भी नहीं है. कई बार चावल लस-लस (बासी) हो जाता है. दाल पानी-जैसी रहती है और कई बार तो पूरी उबली भी नहीं होती। कई बार दाल खट्टा भी हो जाती है. अधिकांश शिक्षकों और रसोईयों ने ऐसी ही टिप्पणियाँ की.

डालसा का कार्यक्रम, मंडल कारा में जेल अदालत लगी

संवाददाता। चाईबासा

नालसा दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार चाईबासा के तत्वावधान में मंडल कारा में रविवार को जेल अदालत का आयोजन किया गया.जेल अदालत हेतु गठित राजश्री अपर्णा कुजूर, न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी के बेंच के द्वारा कुल पांच मामलों का निष्पादन कर 7 बंदियों को रिहा करने का आदेश दिया गया. कार्यक्रम में प्राधिकार के सचिव राजीव कुमार सिंह, सदस्य विकास दोदराजका, रेल पी पी आलोक पांडेय, डालसा के सहायक अमित कुमार, कारा अधीक्षक सुनील कुमार और जेलर लवकुश भी उपस्थित थे.

ब्रीफ खबरें

नेत्र जांच शिविर में 116 लोगों की हुई जांच

जमशेदपुर। झारखंड शिक्षित बेरोजगार संघ की ओर से रविवार को रेलवे गुदड़ी मार्केट स्थित हरिजन बस्ती में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया. इस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में बागबेड़ा के पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर यादव एवं पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता उपस्थित थे. मौके पर कुल 116 लोगों की निःशुल्क नेत्र जांच की गई. जिसमें पांच लोगों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया. सभी का 23 दिसंबर को ब्रह्मानंद अस्पताल में निःशुल्क ऑपरेशन किया.

नेताजी जयंती को लेकर प्रतियोगिता आयोजित

घाटशिला। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती समारोह समिति की ओर से नेताजी की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को जगदीश चंद्र उच्च विद्यालय परिसर में चित्रांकन सहित खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. चित्रांकन प्रतियोगिता में क्षेत्र के लगभग विभिन्न विद्यालयों से 1700 से अधिक छात्र-छात्राएं विभिन्न वर्ग में शामिल हुए. तापस चटर्जी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष में नेताजी की जयंती के उपलक्ष्य में चित्रांकन तथा प्रतियोगिता आयोजित हुई.

कार्यालय परिसर में जागरूकता कार्यक्रम

बहरागोड़ा। झालसा द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव् के उपलक्ष्य में चल रहे 17 सितम्बर से 25 दिसंबर तक 100 डे जागरूकता कार्यक्रम के तहत आज रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर एवम अनुमंडल विधिक सेवा समिति, घाटशिला द्वारा बहरागोरा प्रखंड कार्यालय में मेगा विधिक सेवा सह सशक्ति शिविर का आयोजन किया गया. शुभारंभ कार्यक्रम एसडीजीएम सह सचिव अनुमंडल विधिक सेवा समिति घाटशिला के अमित हलदार द्वारा किया गया.

लड़कियों को जरूर शिक्षित करें: इंद्रजीत

चांडिल। गोराई तेली समाज के लोगों में अंधविश्वास व्याप्त है, जिसे दूर किए बिना समाज की प्रगति नहीं हो सकती हैं. समाज के लोगों को जागरूक होने की जरूरत है. राजनीतिक एवं सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की जरूरत है. उक्त बातें झारखंड आंदोलनकारी भुट्टो गोराई ने कहीं.वे रविवार को चांडिल डैम रिसोर्ट में गोराई तेली परिवार समिति द्वारा आयोजित वनभोज सह वार्षिक मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे.

आत्महत्या की रोकथाम पर संगोष्ठी आयोजित

आदित्यपुर। समाज में आये दिन हो रही आत्महत्या की घटनाओं से उद्वेलित कोल्हान मानवाधिकार संगठन इसकी रोकथाम और उपाय व जागरूकता के लिए संगोष्ठी का आयोजन करेगा. संगठन इसकी तैयारी में जुट गया है. विशेष कर युवाओं में बढ़ रही इस प्रवृति को कैसे लगाम लगायी जाय, इसके लेकर आयोजन के पहले चरण में जिले के पुलिस पदाधिकारियों से मिलकर विचार-विमर्श किया जा रहा है. अध्यक्ष जेपी सिंह व प्रवक्ता अनिल कुमार आरआइटी थाना प्रभारी सागर से मिले.

शहीद गणेश मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मानुसमुड़िया गांव में चल रहे सात दिवसीय शहीद गणेश हंसदा मेमोरियल की और क्रिकेट प्रतियोगिता का रविवार शाम को समापन समारोह आयोजित किया गया. उक्त प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के तौर पर जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी चाईबासा के कर्नल किशोर सिंह व विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रदेश अध्यक्ष यूनाइटेड फ्रंट ऑफ एक्स-सर्विसमैन सुशील सिंह और जिला संयोजक राजीव रंजन मौजूद थे.

युवकों में बकझक के बाद हुई फायरिंग

आदित्यपुर। आदित्यपुर थाना क्षेत्र के आशियाना चौक पर रविवार की शाम कुछ युवकों में बकझक होने के बाद फायरिंग की घटना घटी है. घटना बिरजू गैरेज के पास घटित हुई है. इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन फायरिंग होने से आशियाना चौक पर अफरा तफरी मच गई. स्थानीय लोगों के अनुसार आशियाना चौक स्थित बिरजू गैरेज के पास रविवार शाम करीब 5 बजे स्थानीय कुछ युवक बैठे थे, जिनके बीच युवकों में विवाद उत्पन्न हो गया.

इंस्टीट्यूट में आईटीआई, डिप्लोमा और डिग्री धारक युवा पा रहे हैं प्रशिक्षक की ट्रेनिंग

जल्द होगा इंस्टीट्यूट का अपना भवन, प्रक्रिया शुरू होगी

संवाददाता। आदित्यपुर

फोरमैन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट से नेशनल स्किल्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में बदल चुके आदित्यपुर का दिन अब बहुरने वाले हैं. यह इंस्टीट्यूट अब अपने यहां आईटीआई, डिप्लोमा और डिग्री धारक युवक को प्रशिक्षक (इंट्रक्टर) का ट्रेनिंग देने का काम कर रही है. आदित्यपुर स्थित इस नेशनल स्किल्ड ट्रेनिंग सेंटर में आईटीआई, डिप्लोमा और डिग्री धारक युवा चेन्नई के एनआइएमआई संस्थान द्वारा आयोजित इंट्रेंस परीक्षा पास कर यहां एडमिशन पाते हैं. वर्तमान में इस

इंस्टीट्यूट में 50 सीटें रिज़र्व है. लेकिन दुर्भाग्य एफटीआई के समय से ही यह इंस्टीट्यूट अपना भवन के लिए जद्दोजहद कर रहा है.

होगा सुधार

- इंट्रेंस परीक्षा पास कर यहां पाते हैं एडमिशन
- बहुरेंगे स्किल्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के दिन : विनोद कुमार

करीब 10 वर्ष पूर्व इस इंस्टीट्यूट को 15 एकड़ भूमि टाटा कांड्रा मुख्य मार्ग के बीको मोड़ के पास सरकार ने उपलब्ध कराई है लेकिन चूंकि यह वन भूमि थी जिससे क्लियरेंस लेने में संस्थान को 10 वर्ष लग गए. लेकिन अब इस इंस्टीट्यूट को जल्द ही अपना भवन मिलने वाला है. इंस्टीट्यूट के संयुक्त निदेशक विनोद कुमार दुबे बताते हैं कि वनभूमि का सभी तरह का क्लियरनेंस मिल चुका है, भवन निर्माण के लिए सीपीडब्ल्यूडी डीपीआर भी बना चुका है बस फंड मिलने का इंतजार है. शीघ्र भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी. संयुक्त निदेशक ने बताया कि यहां इस प्रशिक्षण के साथ सरकारी अधिकारियों के लिए कई शार्ट टर्म कोर्स भी कराए जाते हैं. जब संस्थान का अपना भवन हो जाएगा तो यहां करीब 60 तरह के कोर्स पढ़ाये जाएंगे.

सामुदायिक भवन मेघाहातुबुरु में हुआ क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन

येशु ने लोगों से प्रेम करने का संदेश दिया था : महाप्रबंधक

संवाददाता। किरीबुरु

ऑल क्रिश्चियन एसोसिएशन किरीबुरु-मेघाहातुबुरु के संयुक्त तत्वावधान में 17 दिसम्बर को क्रिसमस मिलन समारोह का आयोजन सामुदायिक भवन मेघाहातुबुरु प्रांगण में किया गया. कार्यक्रम का शुभारम्भ जीइएल चर्च से प्रार्थना के बाद शोभा यात्रा निकालकर की गई. शोभा यात्रा चर्च से बैंक मोड़, एसडीपीओ कार्यालय, प्रोस्पेक्टिंग, मीना बाजार होते मेघाहातुबुरु सामुदायिक भवन पहुंचा. सामुदायिक भवन में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि मेघाहातुबुरु के महाप्रबंधक (जीएम) योगेश प्रसाद राम, विशिष्ट अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोरेन आदि ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. तत्पश्चात सीएनआई के प्रचारक नरेश लुगुन द्वारा सभी की खुशहाली, भारत व विश्व में शांति व आपसी प्रेम व भाईचारे के लिये प्रार्थना सभा आयोजित की गई.

येशु मसीह संसार को पाप से मुक्त करने आये थे: रौशन तिर्की

रौशन तिर्की ने येशु मसीह का संदेश सुनाते हुये कहा कि येशु मसीह पापमय संसार को पाप से मुक्त करने के लिए इस पृथ्वी पर पिता परमेश्वर के द्वारा भेजे गए ईश्वर के पुत्र थे. वे सारे जहां के उद्धार के लिए जन्म लिए, सूली पर कुर्बान हुए, ताकि हम सबका उद्धार हो और हम बहुतायत का जीवन पाएं. वे प्रेम और शांति को फैलाने के लिए इस पृथ्वी पर जन्म लिए, शांति के दूत हम बनें, शांति फैलाएं, दे जगत को प्रेम का संदेश, प्रेम फैलाएं.

आपस में मिलकर खुशियां मनायें : लक्ष्मी सोरेन

एसोसिएशन के अध्यक्ष एस होरो ने कहा कि हम सभी चर्चों से जुड़े मसीही समुदाय के लोगों को एकजूट करने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है. इसमें सफलता भी मिल रही है. सभी आपस में मिलकर खुशियां मनायें, यहीं हमारा उद्देश्य है. इस दौरान बच्चे, महिला व पुरुषों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, संगीत, नाटक आदि प्रस्तुत किया गया. कार्यक्रम स्थल पर येशु मसीह का चरनी बनाया गया था. इस शोभायात्रा व कार्यक्रम में जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोरेन, औल क्रिश्चियन एसोसिएशन के अध्यक्ष एस होरो, उपाध्यक्ष संजय तिग्गा, सचिव अनिल कुमार तोपनो, सह सचिव रौशन तिर्की, कोषाध्यक्ष निर्मल टुडू, मुखिया पार्वती किडो, गोश्नर तिग्गा, बोआस बोदरा, अजय पुरती, पूर्व मुखिया आलोक तोपनो, दुर्गा देवगम, रीमु बहादुर, जयपाल हस्सा पुरती, राजकुमार कालिंदी, संतोष कालिंदी, धीरज केरकेट्टा, संजू, प्रभात मिंज, गोडवीन, सुशांत केरकेट्टा, डेनिस हेरेंज, थॉमस सोय, नूतन तिग्गा, नेहा हेम्ब्रोम, हरदुगन बारला, सेवेयन कन्डुलना शामिल थे.

जलाडो का वनभोज 25 को मनाने का निर्णय

आदित्यपुर। जलाडो (झारखंड लीगल एडवाइजरी एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन) की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को ऑर्गेनाइजेशन की अस्थायी कार्यालय में अध्यक्ष अधिवक्ता ओम प्रकाश की अध्यक्षता में हुई. बैठक में 25 दिसंबर को ऑर्गेनाइजेशन का वार्षिक वनभोज करने समेत जनहित में कई अहम निर्णय लिए गए. बैठक में चांडिल में अनुमंडल कोर्ट होने के बाद वहां जेल नहीं से हो रही परेशानी को देखते हुए कार्यकारिणी ने चांडिल में जेल बनाने का प्रस्ताव पारित किया. वहीं आदित्यपुर के व्यस्ततम खरकई पुल से फल वाले ठेला को हटाने, खरसावां पथ में 7वें किलोमीटर पर अवस्थित पुल का निर्माण होने के बावजूद पहुंच पथ नहीं होने से परेशानी होने को देखते हुए पहुंच पथ बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- देश में कहां नयी गेको प्रजाति की खोज की गयी – **मिजोरम**
- झारखंड का प्रमुख पर्व कौन है – **सरहुल**
- किसने महाद सत्याग्रह का नेतृत्व था – **डॉ. भीमराव अंबेडकर**
- क्लोरोफ्लोरोकार्बन को किस और नाम से भी जाना जाता है – **फ्रीऑन**
- किसे पहला लाइफटाइम डिस्टर्बिंग द पीस अवार्ड मिला – **सलमान रुश्दी**
- भारत में तवावोहर झील कहां पर है – **मध्यप्रदेश**
- भारत में मूंगफली का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य – **गुजरात**
- चेचक किसके कारण होता है – **वायरस**
- सार्क देशों का मुख्यालय कहां है – **काठमांडू**
- चाय में मौजूद उत्तेजक का नाम – **कैफिन**

आदित्यपुर पहुंचे अर्जुन मुंडा का ढोल नगाड़ों से स्वागत

संवाददाता। आदित्यपुर

नए कृषि मंत्री बने जनजातीय कल्याण केंद्रीय मंत्री माननीय अर्जुन मुंडा का रविवार को आदित्यपुर आगमन पर भाजपाइयों ने ढोल नगाड़ों के साथ फूल माला पहनाकर स्वागत किया. बता दें कि केंद्रीय कृषि कृषि मंत्री का अतिरिक्त प्रभार मिलने के बाद पहली बार आदित्यपुर आगमन हुआ था. इस मौके पर आदित्यपुर मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह, सिमडेगा जिला प्रभारी शैलेन्द्र सिंह, मंडल प्रभारी सुनील श्रीवास्तव, अमरनाथ ठाकुर, गुरजीत सिंह, बबलू शर्मा, कृष्ण मुरारी झा आदि ने मुंडा को गुलदस्ता भेंट किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं.

टुसू परब को लेकर घोड़ानेगी में बैठक

संवाददाता। चांडिल

जमशेदपुर के डिमना से साकची तक सात जनवरी को आयोजित होने वाले डहरे टुसू को लेकर रविवार को चांडिल प्रखंड के घोड़ानेगी में रविवार को बैठक हुई. मौके पर उपस्थित लोगों ने बड़ी संख्या में परब में शामिल होने की सहमति दी. इसको लेकर लोगों ने अपनी-अपनी राय और सुझाव भी दिया. मौके पर तय हुआ कि प्रखंड से एक झांकी भी शामिल किया जाएगा. बैठक में शशोधर महतो, अजीत महतो, भूतनाथ महतो, कमल महतो, कृष्ण महतो, अमीन महतो, संजय महतो, सुभाष महतो, देवाशीष महतो, राकेश महतो, मनीष महतो समेत समाज के गण्यमान्य मौजूद थे.

पिछले साल भी निकला था डहरे टुसू : बृहद झारखंड कला संस्कृति मंच द्वारा बीते वर्ष भी डिमना से साकची आम बगान मैदान तक डहरे टुसू परब का आयोजन किया गया था. डहरे टुसू में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए. लोगों की भीड़ को देखते हुए इस वर्ष मंच की ओर से पांच सौ वोलिंटियर तैनात करने की व्यवस्था की जा रही है. सबसे अहम बात है कि इसके लिए कहीं से किसी प्रकार का चंदा नहीं लिया जा रहा है. लोगों से अपील की जा रही हे कि सहयोग करने के इच्छुक लोग अपने स्तर से पानी-शर्बत व चना-गुड़ का स्टॉल लगाएं. आने-जाने की व्यवस्था करें व विधि-व्यवस्था सुचारू रखने में मदद करें.

बनी सहमति

- लोगों ने बैठक में अपनी-अपनी राय भी दी
- इस वर्ष पांच सौ वोलिंटियर तैनत किए जाएंगे

एसपी समेत पुलिसकर्मियों ने चलाया सफाई अभियान

संवाददाता। जमशेदपुर

जिला का पर्यटन स्थल माना जाने वाले डिमना झील के आसपास साफ सफाई अभियान चलाया गया. रविवार को ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने के के बोड़ाम, पटमदा थाना के पुलिस पदाधिकारी, कर्मियों और सफाईकर्मियों के साथ मिलकर डिमना झील के चारों तरफ सफाई अभियान चलाया. साथ ही सफाई वहां पर बनी रहे, इसके लिए स्थानीय जनता को जागरूक भी किया. लगभग 4 घंटे तक सफाई अभियान चला. एसपी खुद झील में उतरे और जवानों के साथ मिलकर गंदगी झील से बाहर निकाली.

अबुआ आवास के लिए आज जमा हुआ आवेदन

घाटशिला। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत घाटशिला प्रखंड क्षेत्र में अब तक हुए शिविर के बचे हुए कुल 380 लोगों के अबुआ आवास का प्रखंड मुख्यालय में रविवार को आवेदन जमा किया गया. हेमंत सरकार की लोक कल्याणकारी योजना से लोगों को लाभान्वित करने के लिए विभिन्न पंचायत में शिविर का आयोजन किया जा रहा है. सरकार का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति आवास विभिन्न ना हो इसके लिए रविवार को भी सरकारी कर्मचारियों को कार्य में लगाया गया है. अबुआ आवास के को-ऑर्डिनेटर सुनील हांसदा ने बताया कि रविवार को भी बैकलॉग के लिए पोर्टल खोला गया है जो रात लगभग 12 बजे तक खुला रहेगा. सरकार का निर्देश है कि आयोजित शिविर में जो भी लाभुक अबुआ आवास के लिए आवेदन जमा नहीं कर पाए थे वैसे लोगों का पंचायत प्रतिनिधियों के माध्यम से आवेदन जमा लिया गया है.

तेजी से बढ़ रही है पार्टी की लोकप्रियता : काशिफ

संवाददाता। जमशेदपुर

आजाद समाज पार्टी की लोकप्रियता जमशेदपुर एवं झारखंड के नौजवानों के बीच तेजी से बढ़ रही है. यह कहना है आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष काशिफ रजा का. रविवार को जुगसलाई में पार्टी की सदस्यता ग्रहण समारोह में कई नौजवानों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. बाबा साहब अम्बेडकर, वीर शहीद बिरसा मुंडा, सिद्धो-कान्हू और शेख भिखारी की विचारधारा पर बात करते हुए काशिफ रजा ने बताया कि झारखंड के महापुरुषों ने एक समृद्ध झारखंड का ख्वाब देखा था. इन सपनों को पूरा नहीं कर झारखंड अलग होने के बाद सत्ता पर काबिज पार्टियों ने यहां के आदिवासी और मूलवासियों को धोखा दिया है. कहा कि झारखंड के मुसलमानों और पिछड़ों को उनकी जनसंख्या के अनुसार प्रतिनिधित्व नहीं मिला. ना ही इसपर कोई बात हुई.

बढ़े समर्थक

- आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं काशिफ
- समारोह में कई नौजवानों ने थामा पार्टी का दामन
- दलों ने यहां के आदिवासियों को धोखा दिया है

शोषित वंचितों को प्रतिनिधित्व देने का प्रयास

पिछले 10 सालों से झारखंड में एक भी मुसलमान को सांसद का टिकट नहीं मिला. झारखंड के 15 प्रतिशत मुसलमानों को यहां की तथाकथित सेक्युलर पार्टियों ने भाजपा का डर दिखा कर सत्ता से दूर किया. 23 सालों में यहां के मुसलमान आज बेबस नजर आते हैं, इसका कारण उनके अंदर राजनीतिक चेतना की कमी है. आजाद समाज पार्टी यहां के आदिवासी, दलित, पिछड़े, मुसलमान, ईसाई, सिख और शोषित वंचितों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने के लिए जनता के बीच जा रही है और युवाओं और महिलाओं को इसके लिए तैयार कर रही है. सदस्यता ग्रहण समारोह में मुख्य रूप से पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव नईम, जिला उपाध्यक्ष मुहम्मद शमीम, जिला कोषाध्यक्ष मुहम्मद दिलशाद मौजूद थे. पार्टी की सदस्यता लेने वालों में मुख्य रूप से मुहम्मद यूसुफ, तौसीफ अहमद, मुहम्मद शाहिद, अल्तमश, शाहरुख खान, मुहम्मद अनस, जुनैद, शहजाद और कई युवा शामिल हैं.

कार्यक्रम अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के महिला आयाम ने किया विचार गोष्ठी का आयोजन

बच्चों में भारतीय खाद्य संस्कृति के संस्कार डालें : डॉली

संवाददाता। जमशेदपुर

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत झारखंड प्रांत के महिला आयाम की ओर से रविवार को सोनारी में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. विचार गोष्ठी में परिवार के बच्चों में भारतीय खाद्य संस्कृति के संस्कार डालने की बात की गई. साथ ही सबों को पाश्चात्य खाद्य संस्कृति के दुष्परिणामों से अवगत कराया गया.

कार्यक्रम की शुरुआत प्रचार-प्रसार टोली की सदस्य डॉली परिहार ने ग्राहक गीत से की. तत्पश्चात मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित दीप प्रज्वलित किया गया.

सात्विक भोजन की जरूरत : कृष्णा सिन्हा

विषय प्रवेश संगठन की पूर्वी सिंहभूम उपाध्यक्ष कृष्णा सिन्हा जी कराया .उन्होंने कहा कि हम महिलाओं को सबसे पहले अपनी मूल प्रवृति सात्विक भोजन को अपने परिवार में अवश्य प्रयोग में लाने की जरूरत है. सरिता सिंह ने कहा कि भारतीय खाद्य को अपनाना बुद्धिमानी है, क्योंकि यह स्वास्थ्य संबधी कई गुणों से भरपूर है. इसलिए इस पर ध्यान देना चाहिए.

खाद्य सामग्रियों की गुणवत्ता प्रमाणित : डॉ अनीता शर्मा

भारतीय खाद्य संस्कृति की विशेषता और इसके प्रयोग पर बल देते हुए डॉ अनीता शर्मा ने कहा कि कोविड के दौरान सारे विश्व ने भारतीय खाद्य संस्कृति का अनुपालन किया है. इसकी गुणवत्ता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रमाणित है. भारतीय खाद्य पदार्थ भारत की जलवायु के अनुरूप व अनुकूल भी है. सदस्य रूबी लाल ने कहा कि बच्चों को जब हम भारतीय संस्कृति को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करेंगे, तो स्वाभाविक तौर पर भारतीय खाद्य संस्कृति भी अपना लेंगे.

महिलाओं को जागरूक होने की जरूरत : प्रकाश

विधि आयाम प्रमुख रवि प्रकाश ने कहा कि महिलाओं को स्वयं भी जागरूक होना पड़ेगा. तभी परिवार के लोगों में भी भारत की भोजन परंपरा के प्रति रुझान बढ़ेगी. रीना ने कहा कि भारत की जो खाद्य सामग्रियां हैं वे सात्विक विचार को बढ़ाती हैं, जबकि पाश्चात्य खाद्य पदार्थ मन और तन पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं. विचार गोष्ठी का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन प्रांत सचिव डॉ कल्याणी कबीर ने किया. कार्यक्रम में विधि आयाम प्रमुख रवि प्रकाश सिंह मौजूद थे.

पुलिया पर बने गड्ढे कर रहे हैं दुर्घटना को आमंत्रित

संवाददाता। बहरागोड़ा

बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के गम्हरिया पंचायत अंतर्गत ईशानिया गांव में टूटे पुलिया दुर्घटना को कर रहा आमंत्रित. ग्रामीणों का कहना है कि टूटे पुलिया का मरम्मत न करने के कारण आए दिन कोई ना कोई व्यक्ति पुलिया में गिरकर घायल हो रहे हैं.साथ ही दो पहिया वाहन छोड़कर कोई भी चार पहिया वाहन गांव के अंदर प्रवेश नहीं कर पता है. जिसके चलते मरीज को पुलिया पार तक ढोके लाना पड़ता है. पुलिया मरम्मत के लिए कई बार ग्रामीण संबंधित विभाग तथा पंचायत में लिखित आवेदन कर चुके हैं फिर भी कोई ठोस पहल नहीं होने से ग्रामीणों में काफी आक्रोश है. इससे उनमें आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है.

ब्रीफ खबरें

बालीडीह में मिला 42 वर्षीय व्यक्ति का शव

जरीडीह। बोकारो जिले के जरीडीह थाना क्षेत्र के टांड़ बालीडीह शांति नगर के समीप झाड़ी में 42 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद हुआ है. ग्रामीणों की सूचना पर जरीडीह पुलिस ने घटनास्थल में पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया. अज्ञात शव की खबर की सूचना मिलने पर आस-पास के टोला से ग्रामीणों की भीड़ लग गई. ग्रामीणों के अनुसार शव की पहचान धनबाद जिला के छोटी नगड़ी निवासी जाहलु सिंह के रूप में हुई. जो टांड़ बालीडीह में कई घरों व होटल में दिहाड़ी मजदूरी कर रहा था.

वाहन की चपेट में बाइक सवार की मौत

गुमला। लोहरदगा रोड स्थित पुराना बस पड़ाव के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तुलसी महतो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. घटना शनिवार रात की है. मृतक तुलसी सिसई थाना क्षेत्र के मुर्गू गांव का रहने वाला था. सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटना की जानकारी उसके परिजनों को दी और शव अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल भेज दिया. रविवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया.

जामताड़ा में तीन साइबर ठग गिरफ्तार

जामताड़ा। पुलिस ने करमाटांड़ थाना क्षेत्र के हीरापुर और देवीडीह गांव के साइबर ठगी के अड्डे पर छापेमारी की, जहां दो सगे भाईयों को गिरफ्तार किया. इनके अलावा देवडीह गांव में एक शातिर पकड़ा गया. गिरफ्तार आरोपितों के पास से पुलिस ने 12 मोबाइल, 18 सिम और एक आईपैड बरामद किया है. गिरफ्तार अपराधियों के नाम महफूज अंसारी, खुर्शीद अंसारी और सद्दाम हुसैन बताया गया है. बताया जाता है कि पकड़े गए साइबर अपराधी यूपी समेत अन्य राज्यों में लोगों को चूना लगाते थे.

नाबालिग हुई लापता सुबह मिली सुरक्षित

जमशेदपुर। पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के हसना थाना क्षेत्र से अपने परिजनों और अन्य परिचितों के साथ शनिवार को जमशेदपुर के जुबली पार्क पिकनिक मनाने आई 13 वर्षीय नाबालिग अचानक लापता हो गई. हालांकि रविवार सुबह पार्क से ही उसे बरामद कर लिया गया. पुलिस उसे थाना ले गई वहां उससे पूछताछ की गई. पूछताछ में नाबालिग ने पुलिस को बताया कि वह शाम को अपने परिजनों से बिछड़ गई थी. उसका मोबाइल बंद हो गया था.

दुकान के बाहर खड़े ट्रैक्टर से बैटरी की चोरी

डुमरिया। डुमरिया थाना क्षेत्र के डुमरिया भागाबांदी मुख्य सड़क पर स्थित मां रंकिणी ट्रेडिंग के सामने खड़ी ट्रेक्टर से बैटरी की चोरी हो गई है. ट्रैक्टर के मालिक लालबाबु महतो ने इसकी शिकायत थाने में की है. सीसीटीवी फुटेज में घटना रिकॉर्ड हुई है. घटना 15 दिसंबर की रात 12 बजे हुई है. चोरों ने ट्रैक्टर की बैटरी की चोरी क्लेंप काटकर की. सीसीटीवी फुटेज में चोर घटना को अंजाम देते नजर आ रहे हैं. एक कार में आये चोरों ने घटना को अंजाम दिया है.

अज्ञात वाहन के धक्के से दो व्यक्ति घायल

बहरागोड़ा। बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के एन एच 49 में माटिहाना फ्लाईअवर पर अज्ञात वाहन के धक्के से एक बाइक में सवार घाटशिला प्रखंड के मुड़ाकाटि गांव निवासी बीरबल किस्कू (30), बाबूराम हंसदा(28) बुरी तरह से घायल हो गए. स्थानीय लोगों की सहायता से 108 एंबुलेंस द्वारा दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरागोड़ा लाया गया. जहां दोनों अभी चिकित्साधीन है तथा खतरे से बाहर हैं. नेंढरा गम्हरिया से लौटते वक्त ये दुर्घटना का शिकार हो गए.

मजदूर की हत्या कर शव को जंगल में फेंका

जमशेदपुर। जमशेदपुर के एमजीएम थाना अंतर्गत हरमाडीह निवासी 45 वर्षीय निरोध महतो का शव उसके घर से 200 मीटर की दूरी पर झाड़ियों में मिला. लोगों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. निरोध महतो के शरीर में चोट के निशान भी पाए गए है. पुलिस ने पत्नी वंदना महतो के बयान पर अज्ञात के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरु कर दी है.

ग्रामसभा में पेश होने के लिए आरोपी को दो बार नोटिस भेजा गया, फिर भी वह नहीं आया

कथित पत्रकार पर लगा उगाही और छेड़खानी का आरोप

संवाददाता। चाईबासा

हाटगम्हरिया प्रखंड के करसाकोला गांव में रविवार को ईलाकाई मानकी बुधराम गागराई की अध्यक्षता में रविवार को ग्रामसभा हुई. आसपास गांवों के तीन ग्राम मुंडा भी ग्रामसभा में शामिल हुए. ग्रामसभा में एक कथित पत्रकार द्वारा राशन डीलर अवंति देवी (महिला मंडल डुमरिया) के साथ कथित रूप से दुर्व्यवहार किये जाने की घटना की निंदा की गयी. मानकी बुधराम गागराई ने कहा कि ग्रामसभा में पेश होने के लिये आरोपी को दो बार नोटिस भेजा गया था. उसने रिसीव भी किया था. फिर भी वह नहीं आया. यह ग्रामसभा की अवहेलना है. अब पीड़िता को न्याय दिलाने के लिये ग्रामसभा कानून की मदद लेगी. पीड़िता अवंति देवी ने कहा कि सरायकेला-खरसावां जिले के भोलाईडीह के रहनेवाले कथित पत्रकार अनुप श्रीवास्तव ने कुछ दिन पहले मेरे साथ दुर्व्यवहार किया था. साथ ही उन्होंने मेरी डीलरशिप के खिलाफ झूठी शिकायत भी वरीय अधिकारियों से की थी. अब वह शिकायत वापस लेने के एवज के एवज में 40 हजार रुपये मांग रहा है. जबकि यह गैकानूनी है. यदि वह निर्दोष है तो ग्रामसभा में आकर अपना पक्ष रखने में कैसा डर, अब कानून का दरवाजा खटखटाना होगा. ग्रामसभा में पीड़िता अवंती देवी तथा उनके गवाहों के बयान मानकी के समक्ष कलमबद्ध किया गया.

मौके पर ग्रामीण मुंडा कमलकिशोर गागराई, ग्रामीण मुंडा संजीव गागराई, ग्राम मुंडा हेमंत सिंह गागराई, राजू गागराई, शंभू गागराई, रोशन गागराई, विक्रम सिंकु, राऊतु मुंदुइया, राजेंद्र गागराई, विनोद पिंगुवा, बुधन गागराई, देवानंद सामंत, शेखर सामंत, मनमोहन बानरा समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे.

खास बातें

- ग्रामसभा में कानून की मदद लेने का हुआ निर्णय
- मानकी तथा तीन मुंडाओं के समक्ष पीड़िता का बयान दर्ज

पुलिस ने किया खुलासा, संजय पाहन का दूसरी महिला से था अवैध संबंध

पत्नी व साले ने रची थी हत्या की साजिश, आठ गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

जिले के सदर थाना क्षेत्र के बूटी बस्ती में बीते 30 नवंबर को संजय पाहन की हत्या कर दी गई थी. इस हत्याकांड का रांची पुलिस ने खुलासा कर लिया है. संजय पाहन का दूसरी महिला से अवैध संबंध था. इसे लेकर उसकी पत्नी ने अन्य लोगों के साथ मिल कर संजय की हत्या की साजिश रची थी. एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए हुए संजय पाहन की पत्नी, साला समेत कुल आठ लोगों को गिरफ्तार किया है. जिनमें सालो देवी, आशीष नेपाली, मानवेल खलखो, कमरू नाग, सूरज कुमार ठाकुर, अजहर अंसारी, धनेश्वर भगत और दाऊद एक्का शामिल हैं. इनके पास से पुलिस ने एक देसी पिस्तौल, दो जिंदा गोली, हथौड़ा सहित कई अन्य समान बरामद किया है.

दूसरी महिला के साथ संबंध को लेकर घर में चल रहा था विवाद: संजय पाहन की किसी दूसरी महिला के साथ संबंध था. इसे लेकर घर में विवाद चल रहा था. इस पारिवारिक विवाद में पत्नी सहित परिवार के अन्य सदस्यों ने मिलकर संजय पाहन की हत्या की साजिश रची. जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई.

खास बातें

- सिटी एसपी राजकुमार मेहता के नेतृत्व में टीम ने की कार्रवाई
- पुलिस ने एक देसी पिस्तौल दो जिंदा गोली किया बरामद
- संजय पाहन की गोली मारकर हुई थी हत्या

देसी कट्टा और गोली के साथ दो अपराधी गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा जेल

गोड्डा। जिले के नक्सल प्रभावित गांव कटहलडीह से पुलिस ले देसी कट्टा और तीन जिंदा गोली के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया. मामला सुंदरपहाड़ी थाना क्षेत्र का है. एसडीपीओ जेपीएन चौधरी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव में दो युवक हथियार लहराते हुए ग्रामीणों के बीच भय पैदा कर रहे हैं. पुलिस ने त्वरित संज्ञान लेते हुए दोनों आरोपियों को कटहलडीह गांव पहुंचकर गिरफ्तार कर लिया. दोनों अपराधी सड़क किनारे एक झोपड़ीनुमा ढाबा में छुपे हुए थे. गिरफ्तार अपराधियों की पहचान बेनाडिक हेंब्रम पिता स्व. मुंशी हेंब्रम ग्राम कटहलडीह एवं सिमोन हांसदा पिता गांधी हांसदा ग्राम चिलगो अमड़ापाड़ा जिला पाकुड़ के रूप में की गई. गिरफ्तार किए गए दोनों अपराधी इस क्षेत्र के शातिर अपराधी पतरस मरांडी गुट से जुड़ कर आपराधिक वारदात को अंजाम दे रहे थे. गिरफ्तार युवकों के पास से एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस एवं एक खोखा बरामद किया गया है. गिरफ्तार किए गए अपराधियों ने पूछताछ बताया कि हथियार की आपूर्ति पतरस मरांडी ही किया करता है. उसी ने यह हथियार मुहैया कराया है. पुलिस ने इस मामले में पूछताछ के बाद अन्य अपराधियों की भी तलाश शुरू कर दी है. गिरफ्तार दोनों अपराधियों को पुलिस ने जेल भेज दिया है. टास्क फोर्स में सुंदरपहाड़ी थाना प्रभारी कृष्णा कुमार, एएसआई राजनाथ यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी थे.

होटल संचालक पर ब्लेड से जानलेवा हमला

मैथन। पंचेत ओपी क्षेत्र के पतलाबाड़ी स्थित एक होटल संचालक पर चॉंच पोटरी के तीन युवकों ने शनिवार के रात धारदार ब्लेड से जानलेवा हमला कर दिया, हालांकि होटल संचालक बच गया, उसे मामूली चोटें आईं हैं. होटल संचालक काजल गोप ने पंचेत ओपी में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने त्वरित कारवाईकरते हुए आरोपी गौरव सिंह को गिरफ्तार कर लिया है. बाकी दो युवकों की तलाश जारी है. होटल संचालक काजल ने बताया कि शनिवार की देर रात तीन युवक होटल आए थे. रात्रि होने के कारण उन्हें बताया गया कि होटल में कुछ भी नहीं है. यह सुनते ही तीनों युवक भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे. किसी तरह उन्हें समझा बूझाकर वापस भेज दिया गया लेकिन कुछ देर बाद युवक फिर होटल आ गये.

आओ जानें

झारखंड में अभी तक 544 जवान हुए शहीद

2000	03	2013	28
2001	44	2014	14
2002	77	2015	05
2003	19	2016	08
2004	36	2017	04
2005	28	2018	10
2006	48	2019	13
2007	08	2020	02
2008	38	2021	06
2009	71	2022	02
2010	25	2023 (15अगस्त तक)	03
2011	29		
2012	25	**कुल :**	**544**

रिंग रोड के ढाबा में बैठ डकैती की योजना बना रहे थे पांच अपराधी

संवाददाता। रांची

डकैती की योजना बना रहे पांच अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. सभी अपराधियों की गिरफ्तारी धुर्वा थाना क्षेत्र रिंगरोड में स्थित जग्गू ढाबा से हुई है. गिरफ्तार अपराधियों में जुनेद अंसारी, मोहम्मद शाहिद, लालू महतो, मो. सलीम और आजाद अंसारी शामिल हैं. इनके पास से पुलिस ने एक देशी पिस्टल, एक जिंदा गोली, दो बाइक और पांच मोबाइल फोन बरामद किया है.

ढाबा

सभी अपराधी रिंग रोड में होटल में बैठकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे. पकड़े गए लालू महतो और मो. शाहिद होटल में ही हथियार लहरा रहे थे. इसकी सूचना हटिया डीएसपी राजा कुमार मित्रा को मिली. इसके बाद धुर्वा थाना, तुपुदाना थाना और पुंदाग थाना प्रभारी के नेतृत्व में उक्त होटल की घेराबंदी की गई.

श्मशानघाट में मारपीट, आधा दर्जन घायल

संवाददाता। मैथन

चिरकुंडा थाना क्षेत्र के सुंदरनगर स्थित शमशान घाट पर रविवार शाम पांच बजे शव जलाने गए युवकों और स्थानीय दुकानदारों के बीच बाइक पार्किंग को लेकर जमकर मारपीट हुई. जिसमें दोनों पक्ष के करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए. इधर घटना की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई. जिसके बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग जुट गए. स्थानीय लोगों को आक्रोशित होते देख मारपीट करने वाले युवकों का एक ग्रुप वहां से भाग खड़ा हुआ. घटना की खबर पाकर चिरकुण्डा पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझा बूझाकर शांत कराया. पुलिस ने लोगों को आश्वस्त किया कि कारवाई की जाएगी.

गाड़ी खड़ी करने पर बहस : पुलिस घटना की जांच कर रही है. जानकारी के अनुसार नेहरू रोड स्थित रेलवे फाटक के समीप रहने वाले कुछ युवक चिरकुंडा सुंदरनगर स्थित शमशान घाट शव का दाह संस्कार में शामिल होने बाइक से पहुंचे थे. युवकों ने वहां पास के दुकान के समीप अपनी बाइक लगा दी. वहां के स्थानीय दुकानदारों ने बाइक लगाने के लिए मना किया. जिसको लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई. मारपीट में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए. जिससे स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और स्थिति बिगड़ती देख दूसरे पक्ष के लोग अपनी बाइक छोड़ कर वहां से भाग खड़े हुए. चिरकुंडा पुलिस ने मामले को शांत कराया और घायलों को स्थानीय नर्सिंग होम में भर्ती कराया.

छात्रावास में बिगड़ी छात्रा की तबीयत, इलाज के दौरान मौत

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के मानगो हिल व्यू कॉलोनी स्थित सिदो-कान्हो स्कूल के छात्रावास में रहने वाली 10वीं की छात्रा पूजा सोरेन की तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई. घटना शनिवार देर शाम की है. इधर, रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया. पूजा के पिता श्यामचंद्र सोरेन टाटा मोटर्स में ठेका कर्मी है. उन्होंने बताया कि उनका एक बेटा भी स्कूल में पढ़ता है.

दोनों भाई बहन स्कूल के छात्रावास में ही रहते है. शनिवार सुबह ही वे दोनों से मिलकर लौटे थे. देर शाम स्कूल से फोन आया कि पूजा की तबीयत खराब हो गई है. अस्पताल पहुंचे तो पता चला की उसकी मौत हो गई है. इधर मामले को लेकर स्कूल प्रबंधन का कहना है कि दोपहर को पूजा ने परीक्षा दी और छात्रावास चली गई. देर शाम उसने ठंड लगने की शिकायत की.

खास बातें

- पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा
- पूजा के पिता श्यामचंद्र सोरेन टाटा मोटर्स में हैं ठेका कर्मी

हाईवा मालिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पलामू। जिले के मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र स्थित जोरकट बाबा होटल के पास हाईवा टेलर के मालिक ईश्वर सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी. ईश्वर सिंह का का शव हाईवा टेलर में ही मिला है. मूल रूप से हरियाणा के रहने वाले ईश्वर सिंह की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई है, यह जांच का विषय है. सूचना पाकर सदर थाना के एएसआई अभिमन्यु कुमार मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच भेज दिया है और मामले की छानबीन में जुट गये. जानकारी के अनुसार, जोरकट बाबा होटल के पास देर रात करीब आठ बजे हाईवा टेलर लेकर ईश्वर सिंह अपने ड्राइवर के साथ पहुंचे थे. रात में होटल में भोजन करने के बाद गाड़ी में सोने चला गये. वहीं अहले सुबह ईश्वर सिंह का शव संदिग्ध परिस्थिति में गाड़ी में पड़ा मिला. सदर थाना प्रभारी दिवाकर कुमार ने बताया कि मौत किन परिस्थितियों में हुई है, इसका पता अभी नहीं चल पाया है.

नगदी समेत लाखों का सामान लेकर फरार

संवाददाता। बोकारो

जिले के सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर 2 बी आवास संख्या 2-184 में दो बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया. दोनों बदमाश बॉउंड्री फांद कर अंदर घुस कर घर में अकेली महिला के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया. पिटाई के बाद महिला बेहोश हो गयी तो घर के आलमारी में रखे नकदी और जेवरात लेकर चलते बने. पीड़ित महिला सखा देवी (55) के पति बिनोद प्रसाद पिछले माह बोकारो जनरल अस्पताल से रिटायर हुए हैं.

घटना की सूचना पाकर पुलिस पीड़िता के घर पहुंची और जांच शुरू कर दी. बिनोद प्रसाद ने बताया कि घटना शनिवार शाम करीब 6 बजे की है. जब उनकी पत्नी घर में अकेली थी और वे मंदिर गए थे. लौट के घर आने पर उन्होंने दरवाजा खटखटाया तो काफी देर बाद खुला. उनकी पत्नी बदहवाश अवस्था में मिली. बताया कि घर में दो बदमाश घुसे और नकद-जेवर लूट कर भाग गये.

पीड़िता सखा देवी ने बताया कि वह मुख्य दरवाजा बंद कर के पीछे आंगन में बैठी थी. तभी अचानक दो युवक बाउंड्री फांद कर अंदर घुसे और महिला पर हमला बोल दिया. जिससे वह बेसुध होकर गिर गयी. उसके बाद बदमाश घर में घुसकर अलमारी के अंदर रखे दस हजार रुपये नकद, सोने की एक अंगूठी, एक सोने की सिक्का एक कान की बाली व अन्य सामान लेकर फरार हो गये.

छिनतई मामले में पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी

धनबाद। चावल व्यवसायी से ढाई लाख की छिनतई मामले में धनसार पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है. धनसार थाना प्रभारी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज को पुलिस खंगाल रही है, जल्द ही अपराधी गिरफ्त में होंगे. बता दें कि शनिवार को बाजार समिति बरवाअड्डा के व्यवसायी शिवकुमार यादव से जोड़ाफाटक रोड में अपराधियों ने 2.50 लाख की छिनतई कर ली थी. शिवकुमार यादव ने धनसार थाने में इसकी शिकायत दर्ज करवाई है. शिवकुमार बाजार समिति से अपने घर जोड़ाफाटक कब्रिस्तान जा रहे थे. इसी बीच छोटा गुरुद्वारा जोड़ाफाटक के पास लगभग पौने 8 बजे दो बाइक सवार अपराधियों ने पहले उनकी बाइक में टक्कर मारी, जिससे वो गिर पड़े.

रिपोर्ट मादक पदार्थ जब्ती मामले में झारखंड का 2020 में आठवां, 2021 में चौथा व 2022 में तीसरा स्थान

झारखंड में अफीम की हो रही बेखौफ तस्करी

संवाददाता। रांची

झारखंड अफीम तस्करी का गढ़ माना जा रहा है. तस्कर कुरियर ब्वॉय के रूप में युवाओं को लालच देकर इसमें लिप्त कर रहे हैं. कम समय में अधिक रुपये कमाने व मौज-मस्ती के साथ शौक पूरे करने का सपना लेकर युवा तस्करों के संपर्क में आ रहे हैं. एक से दूसरे तस्कर तक मादक पदार्थ पहुंचाने के लिए युवा कुरियर के रूप में काम करते हैं. तस्करी का नेटवर्क राजस्थान, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य राज्यों तक फैला हुआ है. राज्य में अफीम की बेखौफ तस्करी हो रही है. अफीम के अलावा गांजा से लेकर अन्य नशीली पदार्थ की तस्करी इस कदर बढ़ी हुई है कि आए दिन नशे के सामानों की जब्ती पुलिस कर रही है. इसका खुलासा तब हुआ जब लोकसभा में एक सवाल के जवाब में गृह मंत्री ने नेशनल क्राइम ब्यूरो की रिपोर्ट का हवाला दिया. 2020 में 6622.982 किग्रा, 2021 में 16158.318 किग्रा और 2022 में 32376.732 किग्रा अफीम आधारित मादक पदार्थ जब्त किया गया. जब्ती मामले में देश में झारखंड का वर्ष 2020 में आठवां, 2021 में चौथा और 2022 में तीसरा स्थान था.

एक खेप पहुंचाने के बदले पांच से 10 हजार रुपये

झारखंड से तस्करी का नेटवर्क राजस्थान, पंजाब, हरियाणा सहित अन्य राज्यों तक फैला हुआ है. पुलिस आज तक इसकी जड़ तक नहीं पहुंच सकी है. बीते तीन साल में करीब ग्यारह अरब के करीब 55 हजार किलोग्राम अफीम जब्त किया गया है. बीते तीन साल के दौरान झारखंड के अलग-अलग क्षेत्रों में 55 हजार किलोग्राम अफीम की जब्ती पुलिस ने बनाई है. जब्ती किए गए अफीम की बाजार में अनुमानित कीमत ग्यारह अरब के करीब तय किया है. इस संबंध में रांची रेंज के डीआईजी अनूप बिरथरे ने बताया कि एक तस्कर अफीम या डोडाचूरा दूसरे राज्य के तस्कर तक पहुंचाने के लिए युवाओं को कोरियर बनाते हैं. इन्हें एक खेप पहुंचाने के बदले पांच से 10 हजार रुपये मिल जाते हैं. इस कारण तस्करों के संपर्क में आकर युवा इस काम में शामिल हो जाते हैं. इसमें पुरुष और महिलाएं भी शामिल हो रही हैं. हालांकि, पुलिस इसको रोकने के लिए कई मोर्चा पर एक साथ काम कर रही है. ग्रामीण इलाकों में तैनात चौकीदारों तक को अलर्ट किया गया है. सभी को यह पता लगाने का निर्देश दिया गया कि अफीम के बीज का वितरण कौन कर रहा है. पुलिस को निर्देश दिया गया है कि ऐसे लोगों को चिह्नित कर उन पर कार्रवाई करें.

शिकायत लेकर लड़की पहुंची थाना, दर्ज नहीं हुआ मामला

संवाददाता। धनबाद

झरिया की रहने वाली महिला अपनी बेटी को लेकर साइबर थाना पहुंची, जहां उससे यह कहा गया कि आप झरिया थाना में मामला दर्ज करवाइये. दरअसल चार नंबर बस स्टैंड झरिया की रहने वाली युवती को एक व्यक्ति के द्वारा फेसबुक और मोबाइल फोन के माध्यम से परेशान किया जा रहा है.

गंदी आईडी बनाकर उसके परिजनों और उसका फोटो और वीडियो फेसबुक में अपलोड कर भद्दी-भद्दी गालियां लिखकर वायरल किया जा रहा है. इसी मामले की शिकायत लेकर महिला और उनकी बेटी तथा पड़ोसी शिकायत करने थाना पहुंचे थे. लड़की का कहना है कि जो व्यक्ति ऐसा कर रहा है, वो मेरे पड़ोसी के घर का रिश्तेदार है.

साइबर क्राइम

- फेक आईडी बनाकर लड़की को परेशान करने का आरोप
- संदीप दे रहा है फोन कॉल पर जान से मारने की धमकी

संदीप सिंह नाम का व्यक्ति बिना किसी कारण के हमारे पूरे परिवार के पीछे पड़ा हुआ है. हमारे व्हाट्सएप और फोन कॉल पर जान से मारने की धमकी भी दी है. लड़की का कहना है कि पढ़ाई करती हूं, कॉलेज और ट्यूशन जाती हूं. बीते 15 दिसंबर को कुछ लड़कों ने मुझे घेर लिया. कहा- बाप-चाचा और भाई को समझा लो घर से बाहर नहीं निकले, यह आखरी चेतावनी है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष एकादश चंद्र है. आय होगी. साथ ही धार्मिक स्थल जाने का अवसर मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होंगे. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे.

वृषभ ससुराल से लाभ होगा. किसी अपने ही व्यक्ति से बिना कारण विवाद को हो सकता है. दौड़धूप अधिक रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. असमंजस की स्थिति बन सकती है.

मिथुन मानसिक तनाव होगा. जीवनसाथी के साथ आनंद का समय बीतेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार ठीक चलेगा. लाभार्जन होगा. परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा.

कर्क विवाद से बचें. पर पेट रोग से बचें. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. बेकार बातों पर ध्यान न दें. भोजन सोच विचार कर लें.

सिंह जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड लाभ देंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. जल्दबाजी न करें.

कन्या स्वास्थ्य पर ध्यान दें. किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें. बोलचाल में हल्केपन को न अपनाएं. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. परिवार में तनाव रह सकता है. यथासंभव यात्रा टालें. जल्दबाजी न करें. अन्न दान करें.

तुला माता से विवाद हो सकता है. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. रुके कामों में गति आएगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कुसंगति से हानि होगी. किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी.

वृश्चिक कार्य होगा और जिसके प्रभाव से आय होगी. योजना फलीभूत होगी. मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें.

धनु व्यावसायिक कार्य मनोनुकूल रहेगी. बेरोजगारी दूर होगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट तथा म्युचुअल फंड लाभदायक रहेंगे. दुष्टजन तथा ईर्ष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

मकर समय उत्तम फल प्रदान करेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कुंभ जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य के नजरअंदाज न करें. समय अनुकूल है. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे.

मीन खर्च होगा. किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. कार्य होने से सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी.

लेखिका रेणुका तिवारी के उपन्यास अलविदा लाल सलाम का लोकार्पण

लाल सलाम अलविदा होने के कगार पर : बाबूलाल मरांडी

संवाददाता। रांची

झारखंड की लेखिका रेणुका तिवारी के उपन्यास अलविदा लाल सलाम का लोकार्पण प्रेस क्लब में संपन्न हुआ. मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बाबू लाल मरांडी ने इस पुस्तक का लोकार्पण किया. सामयिक प्रकाशन द्वारा प्रकाशित इस उपन्यास की लेखिका रेणुका तिवारी ने बताया कि इस उपन्यास में गांव के एक लड़के करमजोत मुर्मू की कहानी है, जिसे बहला कर नक्सलवाद से जोड़ा जाता है और वह उसकी विचारधारा से प्रभावित भी होता है.उसे लगता है कि आमलोगों के मुक्तिदाता यही हैं, लेकिन आगे चलकर उसे एहसास होता है कि संगठन अपने मूल उद्देश्य के लिए काम नहीं कर रही है बल्कि वह इससे भटक कर सिर्फ खून-खराबा करने, लेवी वसूलने और अपनी जेबें भरने का ही काम कर रही है. इससे उसका मोहभंग हो जाता है और उसे एहसास होता है कि लोकतंत्र के माध्यम से ही बदलाव लाया जा सकता है.

नक्सल समस्या को नजदीक से महसूस किया है

मुख्य अतिथि बाबूलाल मरांडी ने कहा कि वे खुद नक्सल प्रभावित गांव से आते हैं और उन्होंने इसे बहुत नजदीक से महसूस किया है. उपन्यास के शीर्षक पर उन्होने कहा कि लाल सलाम अभी पूरी तरह से तो अलविदा नहीं हुआ है, लेकिन पूरी दुनिया से अब अलविदा होने के कगार पर है. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा का कोई स्थान नहीं है, विचारधारा को विचारधारा से ही मारा जा सकता है बंदूक से नहीं. उन्होंने व्यवस्था में शामिल अधिकारियों और मंत्रियों से भी कहा कि आम लोगों और खास कर ग्रामीणों को नजरअंदाज ना किया जाए अगर व्यवस्था इनकी सुधि लेगी, तो ऐसे हालात नहीं बन पाएंगे. लोकार्पण समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर झारखंड के पूर्व पुलिस महानिरीक्षक अरुण कुमार सिंह, सिटीजन फोरम के अध्यक्ष दीपेश निराला मौजूद रहे. समारोह की अध्यक्षता साहित्यकार अशोक प्रियदर्शी ने और मंच संचालन संतोष मृदुला ने किया.

आओ जानें

झारखंड के खनिज संसाधन

- झारखंड ऐसा प्रांत है, जिसे कुदरत की ओर से कई वरदान मिले हैं. उनमें प्रमुख है खनिज संपदा की समृद्धि.
- झारखंड में भारत के कुल खनिज भंडार का लगभग 40% हिस्सा है, जो इसे प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा प्रदान करता है.
- राज्य भारत में कुछ खनिजों का एकमात्र उत्पादक है, जैसे खाना पकाने का कोयला, यूरेनियम और पाइराइट. धनबाद जिले के झरिया में कोकिंग कोल का बड़ा भंडार है.
- भारत में कोयला, अभ्रक, कायनाइट और तांबे के उत्पादन में झारखंड सभी राज्यों में पहले स्थान पर है, जो इन खनिजों में इसके प्रभुत्व को उजागर करता है.
- लौह अयस्क और बॉक्साइट जैसे अन्य आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण खनिजों के बड़े भंडार भी झारखंड में पाए जाते हैं.
- राज्य में भविष्य में कीमती खनिजों और धातुओं जैसे सोना, चांदी और आधार धातुओं के साथ-साथ कीमती पत्थरों की खोज और दोहन की क्षमता है. ऐसे खनिजीकरण के लिए भूवैज्ञानिक परिस्थितियां अनुकूल हैं.

'वतन को जानो' के तहत विस अध्यक्ष से मिले कश्मीर के 122 युवा-युवती

विशेष संवाददाता। रांची

'वतन को जानो' कार्यक्रम के तहत कश्मीर के छह जिलों के 122 युवा एवं युवतियां रविवार को विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो से उनके कांके रोड स्थित आवास पर मिले. कार्यक्रम में भाग ले रहे युवक-युवतियों के साथ महतो ने झारखंड की राजनीतिक पृष्ठभूमि एवं स्वतंत्रता आंदोलन में झारखंड के योगदान, भगवान बिरसा मुंडा एवं संथाल विद्रोह आदि विषयों पर चर्चा की. अध्यक्ष ने उन्हें झारखंड की पृष्ठभूमि तथा यहां के जल, जंगल और ज़मीन से लेकर झारखंड की आर्थिक सुदृढ़ता एवं देश के विकास में झारखंड का योगदान से सम्बंधित विभिन्न विषयों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी. कश्मीर से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर चर्चाओं के माध्यम से समझने का प्रयास भी किया. कश्मीर से आए यह प्रतिनिधिमंडल 14 दिसंबर से 19 दिसंबर तक झारखंड यात्रा पर हैं. प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष से मिलने के उपरांत यात्रा को सफल बताया.

कश्मीर कार्यक्रम

अखरा में झारखंडी संस्कृति की झलक

रांची । कश्मीर से 122 युवा के झारखंड दौरे के तीसरे दिन रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के अखाड़ा में झारखंडी संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंडी संगीत और नृत्य की प्रस्तुति की गई. वहीं मुख्य रूप से उलगुलान नाटक प्रस्तुत किया गया. संताली, नागपुरी, खोरठा व अन्य गीतों की भी प्रस्तुति की गयी. झारखंडी संस्कृति को देखकर कश्मीर से आए युवा झूम-झूम कर नाचते दिखे. कश्मीरी युवकों ने कश्मीरी संगीत पेश किया एक के बाद एक युवक ने कश्मीरी भाषा के गानों को प्रस्तुत किया और हिंदी गाना भी गाएं. कार्यक्रम में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, कुलसचिव डॉ. विनोद नारायण, डीएसडब्ल्यू डॉ. सुदेश कुमार साहू, डिप्टी रजिस्ट्रार वन डॉ. प्रीतम कुमार, सीसीडीसी डॉ. प्रकाश झा, वोकेशनल की डिप्टी डायरेक्टर डॉ. स्मृति आदि मौजूद रहे.

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की आर्थिक नाकेबंदी का दूसरा दिन

बड़ी संख्या में रोकी गईं माल वाहक गाड़ियां

संवाददाता। रांची

झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में आहुत आर्थिक नाकेबंदी के दूसरे दिन रविवार को पूरे राज्य के आंदोलनकारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में सड़कों पर उतरकर बड़ी संख्या में मालवाहक वाहनों को जाम प्रदर्शन किया. मोर्चा के आंदोलनकरियों ने झारखंड आंदोलनकारी ने जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर राज्य गठन की तिथि से राजकीय मान सम्मान अलग पहचान, नियोजन आश्रितों को सीधी नियुक्ति एवं सम्मान राशि 50-50 हजार रुपये देने, रोजी रोजगार में 100 फीसदी झारखंड आंदोलनकारियों, जेपीएससी की बहाली में 100 फीसदी झारखंडियों एवं थर्ड ग्रेड फोर्थ ग्रेड की नियुक्तियों में झारखंडियों के लिए 100 फीसदी बहाली एवं राज्य में समता जजमेंट लागू कर 26 परसेंट लॉयल्टी का अधिकार आदिवासियों एवं झारखंडियों को देने की मांग को लेकर नारेबाजी की गई. सफल बनाने के लिए सहयोगी संगठन झारखंड आंदोलनकारी युवा मोर्चा, सीपीआई व जय आदिवासी केंद्रीय परिषद अपनी अहम भूमिका निभाई. मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी अब अपने राज्य में किसी प्रकार की हकमारी नहीं होने देंगे. अपने मान सम्मान अलग पहचान नियोजनों में 100 फीसदी गारंटी को लेकर सीधी लड़ाई लड़ेंगे. सीधा संघर्ष होगा इसके लिए आंदोलनकारी तैयार हैं. उन्होंने कहा कि मांगों के प्रति सरकार का रुख सकारात्मक नहीं हुआ तो आने वाले 2024 के मार्च में अनिश्चितकालीन झारखंड बंद किया जायेगा. अब झारखंड अलग राज्य के आंदोलनकारी अपने राजकीय मान सम्मान एवं अलग पहचान के सवाल पर कोई समझौता नहीं करेंगे. पलायन, भुखमरी, गरीबी, विस्थापन अब बर्दास्त नहीं होगी. आर्थिक नाकेबंदी में इजहार राही, जितेन्द्र सिंह, सरोजनी कच्छप, भुवनेश्वर केवट, रोजलीन तिर्की, कार्तिक महथा, सीता राम उरांव, अलेक्जेंडर मिंज, सुनील कुमार भगत, जोसेफ, अभास मिंस, जिदन कोल, आनंद महतो, चीतो महतो, जावेद इस्लाम, ध्रुदेव पासवान, रामनंदन साहू, कालिंद्र उरांव, बुधन कोल, शाहिद अंसारी, ताहिर अंसारी, छेदी अंसारी, मानबोध महतो, बालकुशुन उरांव, दाऊद केरकेट्टा, अली हसन अंसारी, चंद्रधन महतो, मोईनुद्दीन अंसारी आदि शामिल थे.

खास बातें

- सड़कों पर बड़ी संख्या में उतरे आंदोलनकारी, सड़क की जाम
- मांगें पूरी नहीं होने पर सीधा संघर्ष पर उतर जाने की दी चेतावनी

आर्च बिशप टोप्पो ने किया संत मारिया महागिरजाघर के नए गेट का उद्घाटन

रांची। रांची के पुरुलिया रोड स्थित संत मारिया महा गिरजाघर के नये गेट का उद्घाटन रविवार को आर्च बिशप फेलिक्स टोप्पो ने किया. उद्घाटन से पहले प्रार्थना की गयी. इस अवसर पर पल्ली के विश्वासी समेत थियोडोर मुस्करेंहस, मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व विधायक बंधु तिर्की, पल्ली पुरोहित आनंद डेविड, अजय टोप्पो व पेत्रुस एक्का और अन्य लोग उपस्थित रहे.

जमशेदपुर में श्रद्धाभाव से मना गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस

जमशेदपुर। मनीफीट गुरुद्वारा में सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर सिंह जी साहिब का शहादत दिवस सिख नौजवान सभा द्वारा मनाया गया. दो दिवसीय इस कार्यक्रम में पंजाब से आए कथावाचक मनदीप सिंह "मुरीद" एवं ताड़ी जत्था हरदीप सिंह "गानोवाल" एवं जमशेदपुर के कीर्तनी हरमीत सिंह ने गुरबाणी का गायन किया. रविवार को समागम का समापन हो गया. इसे सफल बनाने में गुरुद्वारा के प्रधान अमरीक सिंह, सिख नौजवान सभा के सदस्य हरपाल, तरसेम सिंह, गुरुदयाल सिंह, अमरीक सिंह, मंजीत सिंह, सुरेंद्र सिंह, अमरेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, मनप्रीत सिंह, जगराज सिंह, गुरमीत सिंह, निशान सिंह आदि का अहम योगदान रहा.

28,000 बच्चों ने किया गीता का गायन

संवाददाता। रांची

चिन्मय मिशन रांची आश्रम के तत्वावधान में रविवार को अंतर विद्यालय स्तर पर आयोजित चिन्मय गीता गायन प्रतियोगिता का समापन हो गया. प्रतियोगिता में 51 विद्यालयों के 28000 बच्चों ने भाग लिया. प्रतियोगिता में कक्षा प्रेप से कक्षा 12 तक 4 ग्रुपों में बच्चों ने भाग लिया.विद्यालय स्तर पर सर्वप्रथम प्रतिभागियों का चयन किया गया. द्वितीय स्तर पर 14 ग्रुपों में नगर स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न हुई. नगर स्तर के सफल प्रतिभागियों को अंतर नगरीय के अन्तिम स्तर के लिए चयन किया गया, जिसमें चारों ग्रुप के 150 बच्चों का चयन किया गया. रविवार को अंतर विद्यालय प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया. चिन्मय मिशन के स्वामी परिपूर्णानंद, स्वामी राघवानंद जी और स्वामिनी संयुक्तानंद ने कार्यक्रम के सफ़लता पूर्वक संचालन में सहयोग किया. इस अवसर पर बच्चों के अभिभावक शिक्षक और बढ़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहें. कार्यक्रम के संयोजक प्रमोद कुमार, धामरोकर, आरएस अग्रवाल, श्याम तोरका, राजकुमार टिबड़ेवाल, अशोक मंगल, अशोक अग्रवाल, बैजनाथ सिंह, संजय सुल्तानिया, जीपी त्रिवेदी तथा राजीव रंजन का विशेष सहयोग रहा.

चिन्मय गीता गायन प्रतियोगिता का परिणाम

स्कूल	विद्यार्थी	डिवीजन	ग्रुप
ब्रिजफोर्ड जीपी जालान	रिया मुंडा	प्रथम	ए
सरला बिरला स्कूल	अक्षिता पंडित	द्वितीय	ए
ब्रिजफोर्ड प्राइमरी विंग	सृष्टि पांडे	तृतीय	ए
डीपीएस स्कूल	पी कश्यप	प्रथम	बी
ब्रिजफोर्ड जीपी जालान	सूर्य कुमार	द्वितीय	बी
कैंबरियन पब्लिक स्कूल कां	लखिया गुरु मूर्ति	तृतीय	बी
डीएवी हेहल	सृष्टि मिश्रा	प्रथम	सी
ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल	एस चटर्जी	द्वितीय	सी
लोयला कानवेंट स्कूल	ऊर्जा चटर्जी	तृतीया	सी
डीएवी हेहल	पलक यश	प्रथम	डी
ब्रिजफोर्ड स्कूल	भार्गव केसरी	द्वितीय	डी
ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल	सूरज सिंह	तृतीय	डी
ओक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल	सूरज सिंह	तृतीय	डी

दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी वामपद सेन की धर्मपत्नी नेतालीवाला सेन का निधन

संवाददाता। जामताड़ा

स्वतंत्रता सेनानी की विधवा नेतालीवाला सेन ने रविवार की सुबह अपने जामताड़ा बाजार स्थित आवास पर अंतिम सांस ली. इस दरम्यान जिला पुलिस बल की ओर से स्वतंत्रता सेनानी की विधवा पत्नी के पार्थिव शव को अंतिम सलामी दी गई. विदित हो कि 1942 भारत छोड़ो आंदोलन के दरम्यान स्वतंत्रता संग्राम में संथाल परगना में सक्रिय भूमिका निभाने वाले वामपद सेन का साल 1990 में निधन हो गया था. रविवार को प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी वामापद सेन की विधवा नेतालीवाला सेन के निधन की सूचना पाकर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग इकट्ठा हो गए. मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता बिरेंद्र मंडल, एसडीपीओ आनंद ज्योति मिंज, सीओ अविश्वर मुर्मु सहित अन्य मौजूद रहे. इनलोगों ने नेतालीवाला सेन के पैतृक आवास जामताड़ा नगर पंचायत अंतर्गत हीराशार मोहल्ला में पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनके परिजनों के प्रति गहरी शौक संवेदना प्रकट किया.

ऋषिकेश की चरित्र निर्माण बैठक में झारखंड के पांच सदस्य भाग लेंगे

संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय सैनिक संस्था युवा कमांड के तत्वावधान में आगामी 28 दिसंबर को उत्तराखंड के ऋषिकेश में चरित्र निर्माण एवं राष्ट्रीय एकीकरण की बैठक होगी. बैठक में झारखंड के पांच सदस्य भाग लेंगे. उनमें संस्था के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार(पुटू),ऋषभ कुमार,अभिषेक कुमार,सत्यम कुमार ठाकुर तथा मुन्ना कुमार शामिल हैं. इसकी तैयारियों के संबंध में राष्ट्रीय सैनिक संस्था युवा कमांड रांची यूनिट की बैठक राँची देवी मंडप रोड हेसल सरोवरनगर सूर्य मंदिर के सभागार में हुई. बैठक की अध्यक्षता युवा कमांड राँची यूनिट के अध्यक्ष आयुष कुमार अग्रवाल ने की. बैठक में विशेष रूप से राष्ट्रीय सैनिक संस्था के झारखण्ड प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार पुटू भी उपस्थित थे. मनोज कुमार पुटू ने बताया कि उत्तराखंड के ऋषिकेश में परमार्थ निकेतन आश्रम के संस्थापक आचार्य स्वामी चिदानंद सरस्वती द्वारा आमंत्रित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, झारखंड, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, मणिपुर एवं अन्य प्रदेशों से राष्ट्रीय सैनिक संस्था के पदाधिकारी पहुंच रहे हैं, जिनमें झारखंड के पांच सदस्य भी शामिल हैं. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह होंगे. बैठक में अभिषेक कुमार, मुन्ना कुमार, नीतीश कुमार, जय कृष्णा मिश्रा, अमित पाठक, कृष कुमार, ऋषभ कुमार, सत्यम कुमार ठाकुर, महिला विंग की स्वेता आर्या, शिल्पा कुमारी, लवली कुमारी, स्वेता कुमारी उपस्थित थीं.

विचार गोष्ठी जमशेदपुर में आयोजित अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के महिला आयाम का निष्कर्ष

सर्वोत्तम और स्वास्थ्यवर्द्धक है भारतीय खाद्य संस्कृति

संवाददाता।रांची/जमशेदपुर

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत झारखंड प्रांत के महिला आयाम के तत्वावधान में रविवार को सोनारी में उपाध्यक्ष कृष्णा सिन्हा के आवास पर विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें परिवार के बच्चों में भारतीय खाद्य संस्कृति के संस्कार डालने की बात की गई और साथ ही सबों को पाश्चात्य खाद्य संस्कृति के दुष्परिणामों से भी अवगत कराया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ प्रचार-प्रसार टोली की सदस्य डॉली परिहार ने ग्राहक गीत गाकर किया . तत्पश्चात मां भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया और दीप प्रज्वलित किया गया. विषय प्रवेश कराते हुए पूर्वी सिंहभूम की उपाध्यक्ष कृष्णा सिन्हा ने कहा कि हम महिलाओं को चाहिए कि अपनी मूल प्रवृति के अनुरूप सात्विक भोजन को प्राथमिकता दें.

महिला आयाम की प्रमुख सरिता सिंह ने कहा कि भारतीय खाद्य को अपनाना बुद्धिमानी है, क्योंकि यह स्वास्थ्य संबधी कई गुणों से भरपूर है. डॉ. अनीता शर्मा ने कहा कि कोविड के दौरान सारे विश्व ने भारतीय खाद्य संस्कृति का अनुपालन किया था. इसकी गुणवत्ता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रमाणित है और भारतीय खाद्य पदार्थ भारत की जलवायु के भी अनुरूप तथा अनुकूल है. सदस्य रूबी लाल ने कहा कि बच्चों को जब हम भारतीय संस्कृति को स्वीकार करने के लिए प्रेरित करेंगे तो स्वाभाविक तौर पर वे भारतीय खाद्य संस्कृति भी अपना लेंगे.

समाजसेवी सुष्मिता जी ने कहा कि यदि हम बच्चों में सूर्य नमस्कार और योग मेडिटेशन की समझ डालेंगे तो उन्हें जिम जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और न ही मोटापे की समस्या होगी. विधि आयाम प्रमुख रवि प्रकाश ने कहा कि महिलाओं को स्वयं भी जागरूक होना पड़ेगा. तभी परिवार के लोगों में भी भारत की भोजन परंपरा के प्रति रुझान बढ़ेगी. रीना ने कहा कि भारत की जो खाद्य वस्तुएं हैं, वे सात्विक विचार को बढ़ाते हैं, जबकि पाश्चात्य खाद्य पदार्थ मन और तन पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं. संचालन और धन्यवाद ज्ञापन प्रांतीय सचिव डॉक्टर कल्याणी कबीर ने किया. कार्यक्रम में विधि आयाम प्रमुख रवि प्रकाश सिंह, समाजसेवी सुष्मिता, रीना आदि की भी उपस्थिति रही और इन्होंने भी अपने विचार साझा किये.

खास बातें

- दीप प्रज्वलन और ग्राहक गीत से हुआ संगोष्ठी का शुभारंभ
- दी गयी पाश्चात्य खाद्य संस्कृति के दुष्परिणामों की भी जानकारी

भ्रष्टाचार की लड़ाई तेज करने का निर्णय

संवाददाता । जमशेदपुर

आरटीआई कार्यकर्ता संघ की केन्द्रीय समिति की बैठक में रविवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन तेज करने का निर्णय किया गया. यह बैठक साकची पुराना कोर्ट स्थित बाल मजदूर मुक्ति सेवा संस्थान कार्यालय परिसर में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष दिल बहादुर ने की. संबोधित करते हुए दिल बहादुर ने कहा कि झारखंड सरकार को अब अविलंब गंभीरता लेते हुए मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त, लोकायुक्त, मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग जैसे संवैधानिक पदों पर नियुक्ति करनी चाहिए, क्योंकि अब विपक्ष के नेता भी हो गए है. उन्होंने कहा कि आरटीआई कार्यकर्ताओं को भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है. इसके लिए हर आरटीआई कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए.

केन्द्रीय महासचिव कृतिवास मंडल ने कहा कि जन सूचना अधिकारी सूचना नहीं देने के लिए हजार बहाने बनाते हैं. प्रथम अपीलीय प्राधिकारी भी अपने जन सूचना अधिकारी को बचाने के लिए प्रथम अपील की सुनवाई तक नहीं करते. इससे भी आरटीआई कार्यकर्ता को विचलित होने की जरूरत नहीं है. भ्रष्टाचार की लड़ाई और तेजी से लड़ने की जरूरत है, न कि चुपचाप बैठना है.सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी चार फरवरी को वनभोज सह मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा. बैठक में मुख्य रूप से केन्द्रीय उपाध्यक्ष सदन कुमार ठाकुर, मुस्ताक अहमद, कांग्रेस महतो, सत्येन्द्र सिंह, सुसेन गोप, राधेश्याम कर्मकार आदि मौजूद थे.

आरटीआई कार्यकर्ता संघ की बैठक में मौजूद लोग.

झामुमो-कांग्रेस और भाजपा के नेताओं में जुबानी जंग हुई तेज

सीएम हेमंत सोरेन और सुप्रियो के निशाने पर रहे मोदी और भाजपा

रांची। नवंबर महीने में झामुमो ने भाजपा को कई मुद्दों पर घेरा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे पर सवाल उठाए. कहा पीएम झारखंड को डिस्टर्ब करने आये थे. पार्टी केंद्र से झारखंड का बकाया पैसा नहीं मिलने का भी मुद्दा उठाया. वहीं झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत राज्य में दौरा शुरू किया. कार्यक्रमों में पीएम मोदी और भाजपा को कटघरे में खड़ा किया. आरोप लगाया कि जब से उनकी सरकार बनी है, हर दिन सरकार गिराने की साजिश हो रही है.

हेमंत और झामुमो महासचिव सुप्रियो के तेवर रहे तीखे, कहा- विपक्ष सरकार गिराने में लगा रहा

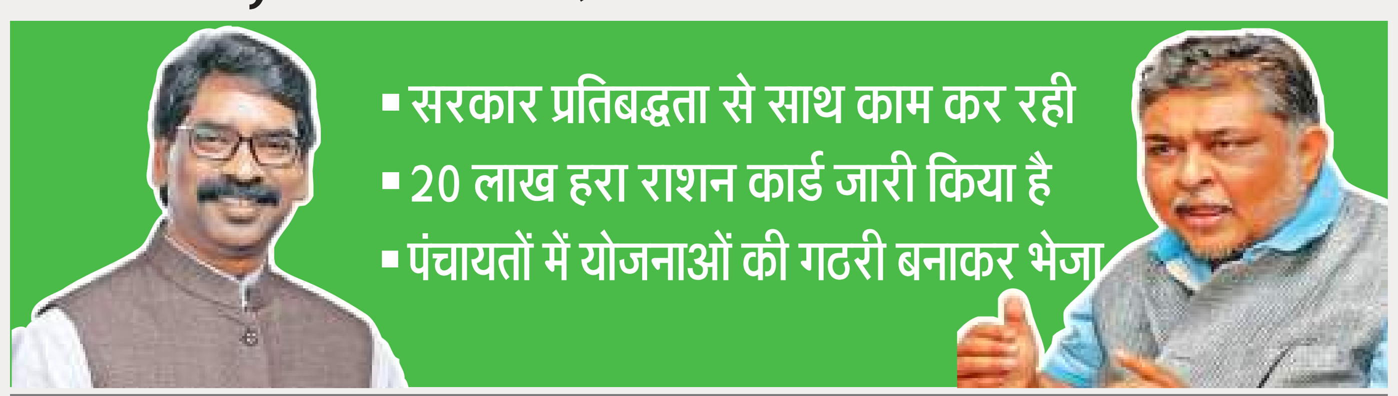

हेमंत बोले- सरकार योजनाओं को धरातल पर उतार रही है

- **30 नवंबर :** जनता सरकार की योजनाओं से जुड़कर खुद को सशक्त और स्वावलंबी बनाएं. विकास की योजनाएं धरातल पर उतरे सरकार इसी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है. आप दूसरों के लिए मजदूरी नहीं करें, बल्कि अपना काम करें. सरकार हर संभव मदद करने को तैयार है. हम अधिकारियों का भी मनोबल बढ़ा रहे हैं ताकि वे पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ जनता की सेवा कर सकें.
- **29 नवंबर :** जब से हमारी सरकार बनी है राज्य से जुड़ी प्रमुख समस्याओं का आकलन करते हुए उसी के अनुकूल योजना बनाकर धरातल पर उतार रहे हैं, ताकि राज्य के साथ राज्यवासियों का भी विकास तेज गति से हो. जब तक सरकार अपने लोगों को सामाजिक सुरक्षा का कवच नहीं देगी, राज्य मजबूती से आगे नहीं बढ़ेगा, इसी सोच को ध्यान में रखकर हमारी सरकार ने यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लागू किया है. यहां के 11 लाख लोगों का राशन कार्ड पहले छीन लिया गया था, लेकिन, हमारी सरकार ने 20 लाख हरा राशनकार्ड जारी किया है और इन्हें बाजार भाव से अनाज खरीद कर दिया जा रहा है. अब हर राशन कार्डधारी को अनाज के साथ एक किलो दाल भी दिया जाएगा.
- **28 नवंबर :** गांव, पंचायत में हमने पदाधिकारियों को योजनाओं की गठरी बांधकर भेजने का काम किया है. पूर्व की सरकारों ने कभी गांव, गरीब, किसान सहित आम जनता की सुध लेने का काम नहीं किया. यही कारण है कि आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लाखों आवेदन शिविरों में आये. पूर्व की सरकार कभी पदाधिकारियों को गांव, पंचायत में भेजने का काम नहीं करती थी. हमने यह सब बदला. आज लाखों जरूरतमंद लोगों को अधिकार मिल रहा है. पदाधिकारी आमजन की सेवा कर रहे हैं.
- **27 नवंबर :** जब तक मैं हूं किसी भी परिस्थिति में आदिवासी संथालियों के धार्मिक धरोहर लुगु पहाड़ पर दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) का लुगु पहाड़ हाइडल पंप्ड स्टोरेज प्रोजेक्ट स्थापित नहीं होने दिया जाएगा .हर हाल में आदिवासी समुदाय की आस्था और विश्वास का धार्मिक धरोहर लुगू पहाड़ को संरक्षित करने का काम होगा. हमें लुगुबुरू के इतिहास को संजो कर रखना है. अगर ऐसा नहीं होगा तो आने वाली पीढ़ी इस सम्बंध में कैसे जान सकेगी.
- **25 नवंबर :** आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के पिछले दो चरणों में सरकार की आवाज और नरें गांव-गांव तक पहुंची हैं. लाखों लोगों को उनका हक-अधिकार मिला. यह कार्यक्रम राज्य वासियों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है. पिछले दो चरणों में इस अभियान को लोगों का जिस तरह से रिस्पांस और सपोर्ट मिला, उसी के मद्देनज़र पुन: इसका तीसरा चरण शुरू किया गया है. हमारी सरकार जन उम्मीदों और आकांक्षाओं के अनुरूप कार्य योजना बनाकर उसे धरातल पर उतार रही है.
- **24 नवंबर :** अधिकारी तमाम योजनाओं की पोटली बनाकर जनता के दरवाजे पर जाएंगे और पूरे मान- सम्मान के साथ लोगों को उनका हक-अधिकार देंगे. हमारी सरकार झारखंड को विकसित राज्यों की श्रेणी में खड़ा करने के लिए प्रतिबद्ध है. बच्चियों की पढ़ाई से कोई समझौता नहीं होगा. युवा अपने पैरों पर खड़ा हो सके इसके लिए सरकार योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है. आदिवासी और मूलवासियों के साथ सरकार हमेशा खड़ी है.
- **22 नवंबर :** राज्य की सबसे बड़ी पंचायत विधानसभा होती है. यहां सिर्फ आमजन ही नहीं बल्कि इस राज्य के जल, जंगल और जमीन के लिए भी महापंचायत लगती है. यहां से नीतियां बनती है. आम लोगों के साथ-साथ जीव जंतुओं के लिए भी विचार-विमर्श होता है. हमें हर हाल में लोकतंत्र की इस महापंचायत को टूटने और नुकसान होने से बचाना होगा.
- **21 नवंबर :** सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में एक परिवार से सिर्फ दो बच्चियों को लाभ देने की बाध्यता खत्म की जाएगी. अब परिवार की सभी बच्चियां इस योजना से जोड़ी जाएंगी. हमारे बच्चे पढ़ेंगे तभी उचित- अनुचित का अंतर समझ सकेंगे. उनकी सोच का दायरा बढेगा और सही निर्णय ले सकेंगे .
- **16 नवंबर :** टीएसी का मानना है कि आदिवासियों की जमीन खरीद-बिक्री में थाना क्षेत्र की बाध्यता से काफी परेशानी हो रही है. सीएनटी-एसपीटी एक्ट लागू होने से लेकर अबतक थाना क्षेत्र में काफी बदलाव हुआ है, इसलिए इस थाना क्षेत्र की बाध्यता को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने का निर्णय लिया गया है.
- **15 नवंबर :** अबुआ आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में आवास विहीन परिवारों और कच्चे तथा जर्जर आवास में रहने वाले परिवारों को आवास उपलब्ध कराया जाएगा. इस योजना के तहत अगले 3 वर्षों में 8 लाख लोगों को आवास उपलब्ध कराए जाएंगे. इसमें वर्ष 2023-24 में 2 लाख, 24- 25 में 3 लाख 50 हज़ार और 2025-26 में 2 लाख 50 हज़ार आवास बनाए जाएंगे. इसके लिए 16,320 करोड रुपए का प्रावधान किया जा रहा है.
- **9 नवंबर :** नेतरहाट इको रिट्रीट फेस्टिवल -2023 अगले वर्ष जनवरी माह में होना है. विभाग इस फेस्टिवल से जुड़ी सारी तैयारियां 31 दिसंबर तक पूरी कर ले. झारखंड के टूरिज्म सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं. ऐसे में नेतरहाट इको रिट्रीट फेस्टिवल के माध्यम से हम पर्यटन को बढ़ावा दे सकते हैं. ऐसे कार्यक्रमों से यहां के पर्यटक स्थलों के प्रति देश-दुनिया के सैलानियों का आकर्षण बढ़ेगा.
- **9 नवंबर :** लगभग 40 वर्षों के संघर्ष और आंदोलन के बाद हमें अलग झारखंड राज्य मिला. इस दौरान हजारों लोगों ने अपनी शहादत दी. लेकिन, अलग राज्य बन जाने के 20 वर्षों के बाद भी आदिवासी -मूल वासियों को उनका हक और अधिकार नहीं मिला. स्वाभिमानी झारखंडियों को हमेशा दिग्भ्रमित करने का प्रयास होता रहा. राज्य में कोई ऐसा गिरोह है जो आदिवासियों-मूलवासियों को भ्रमित कर रहा है और सरकार की कार्यशैली को भी प्रभावित करने का प्रयास कर रहा है. ऐसे गिरोह से हमें अलर्ट रहना है. यहां काम करने वाले सभी लोगों को आदिवासी- मूलवासी के साथ मिलकर रहना सीखना होगा और उनकी भावनाओं का ख्याल करना होगा.
- **6 नवंबर :** झारखंड देश के अन्य राज्यों से बिल्कुल अलग है. झारखंड की संस्कृति, सभ्यता और शिष्टाचार की अलग पहचान है. यहां के आदिवासी समुदाय के लोग काफी सहनशील और सरल हैं. राज्य में वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत जो कार्य बहुत पहले होना चाहिए था कहीं न कहीं उस कार्य की शुरुआत आज हमारी सरकार 'अबुआ बीर अबुआ दिशोम अभियान' के रूप में कर रही है.
- **5 नवंबर :** हमारी सरकार सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को एक नजरिये से देखती है. अधिकारी-कर्मचारी सरकार के आंख, नाक और कान है. आप राज्य की जनता की सेवा करें. सबके हितों का ध्यान सरकार रखेगी.
- **3 नवंबर :** अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन खेल और खिलाड़ियों के विकास में मील का पत्थर साबित होगा. खेल प्रतिभाओं को निखारने और प्लेटफार्म देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है. युवाओं को खेलों से जोड़ने में राज्य में हो रही प्रतियोगिताएं काफी अहम साबित होगी.
- **3 नवंबर :** रांची के चेरी में 87 एकड़ जमीन पर बनने वाले रांची विश्वविद्यालय के नए कैंपस का निर्माण मेंटेनेंस फ्री हो. नए कैंपस में एकेडमिक जोन, एडमिनिस्ट्रेटिव जोन रीक्रिएशनल जोन, रेसिडेंशियल जोन, बफर जोन और एक्सटेंशन जोन बनाया जाना है. वहां होने वाले निर्माण के रख- रखाव के लिए भी सारी व्यवस्थाएं सुनिश्चित होनी चाहिए.
- **1 नवंबर :** अलग झारखंड राज्य का गठन होना एक बड़ी उपलब्धि थी. अलग झारखंड राज्य की परिकल्पना को साकार करने के लिए हजारों की संख्या में आंदोलनकरियों ने अपने प्राणों की आहुति दी है. राज्य के विभिन्न रिसोर्स, संपत्ति पर पहला अधिकार आंदोलनकारी अथवा उनके परिवार का होना चाहिए. अगले 15 से 20 दिनों के भीतर गांव-गांव पहुंचकर आंदोलनकारी तथा आंदोलनकारी परिवार के सदस्यों का चिह्नितीकरण कार्य पूरा करें.

सुप्रियो भट्टाचार्य ने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर साधा निशाना

- **28 नवंबर :** बाबूलाल मरांडी पहले विस्थापित थे, लेकिन अब बेरोजगार हो गये हैं. वे जिस तरह से राज्य के सीएम हेमंत सोरेन और दिशोम गुरू शिबू सोरेन के लिए भाषा का इस्तेमाल करते हैं. वह राजनीतिक समाज में प्रदूषण है. ऐसे लोग जब तक रहेंगे राजनीति का प्रदूषण मुक्त होना मुश्किल है. उनका स्तर ऐसा हो गया है कि वे शव पर भी राजनीति करने लगे हैं.
- **20 नवंबर :** उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में झारखंड के भी 15 मजदूर फंसे हुए हैं. यह बहुत संवेदनशील मामला है और अक्सर इस तरह की घटना भाजपा की सरकार में ही होती है . पहले भी उत्तरकाशी में ही एक रेल परियोजना में 100 मजदूर फंस गए थे. मिजोरम और सिक्किम में भी पूरा डैम ही भर गया था, जिसमें सेना के 24 जवान आज भी लापता हैं. भाजपा सरकार अपने लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर के नाम पर पूरा का पूरा पर्यावरण नष्ट करने का काम कर रही है.
- **16 नवंबर :** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य को डिस्टर्ब करने के लिए आए थे. आदिवासी-मूलवासी बेवकूफ नहीं रहे, जो कोई डमरू बजाकर बहला लेगा. पहले सीबीआई आईटी और ईडी को लगाया और अब डिस्टर्ब करने के लिए पीएम खुद आते हैं. प्रधानमंत्री को आदिवासी से कोई प्रेम नहीं है. उन्हें आदिवासी सभ्यता, संस्कृति और पर्व-त्योहार के बारे में कोई जानकारी नहीं है. मणिपुर, मिजोरम, मेघालय जाने की उनमें हिम्मत नहीं है. वे मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में भी नहीं जा सकते.
- **8 नवंबर :** झारखंड राज्य स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन का बेसब्री से इंतजार है. ऐसे मौके पर उन्हें चाहिए कि वह एचईसी को बचाने की पहल भी करें. देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू और इस राज्य की माटी के लाल इंजीनियर कार्तिक उरांव ने जिस औद्योगिक संस्थान को खड़ा किया था, उसे नतीजा यह है कि पिछले 2-3 सालों से एचईसी के कर्मी मरणासन्न हैं. एचईसी के उद्धार के अलावा झारखंड का जो केंद्र के पास 36 लाख करोड़ बकाया है, उसे भी वे दिलाएं. आदिवासी, मूलवासियों के लिए जो राज्य सरकार की योजनाएं हैं, उसे पूरा करने में भी मदद करें.

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा

पीएम मोदी, बाबूलाल मरांडी पर सवाल उठाती रही कांग्रेस, भाजपा को कई मुद्दों पर घेरा

रांची। नवंबर महीने में कांग्रेस पार्टी भाजपा पर हमलावर रही. कांग्रेस के निशाने पर मुख्य रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी थे. प्रधानमंत्री के झारखंड दौरे पर कांग्रेस ने सवाल उठाये. कहा कि नरेंद्र मोदी झारखंड में प्रधानमंत्री की हैसियत से नहीं बल्कि भाजपा नेता की हैसियत से आये थे. उनके मंच पर बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी को लेकर भी कांग्रेस ने सवाल किये. कांग्रेस ने कहा कि भाजपा सिर्फ बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा उठाती है, लेकिन अब तक एक भी घुसपैठियों को चिह्नित नहीं कर पाई है.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- 9 वर्षों बाद प्रधानमंत्री जी को भगवान बिरसा मुंडा की याद क्यों आई, मरांडी क्यों नहीं पूछते हैं यह सवाल

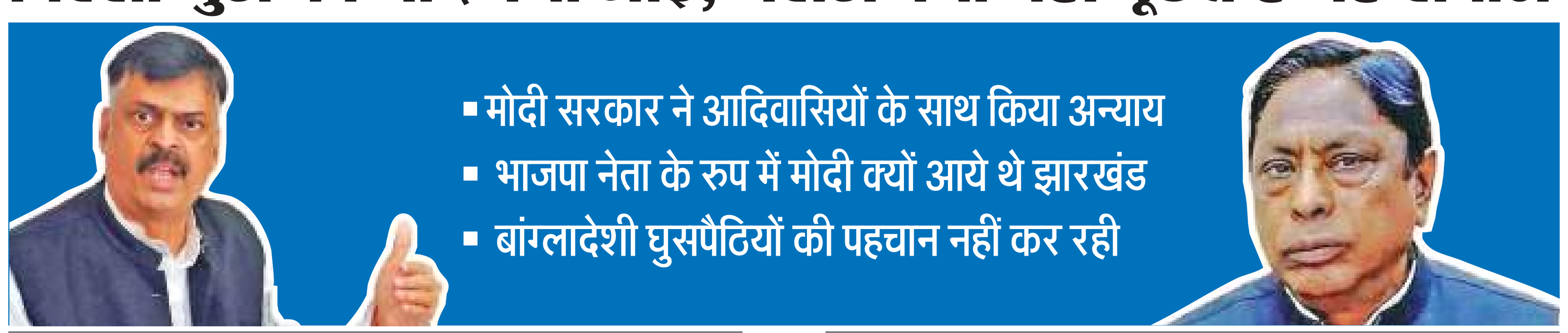

राजेश ठाकुर भी रहे भाजपा पर हमलावर

- **22 नवंबर :** राहुल गांधी जब भाषण दे रहे थे तब लोग "मोदी पनौती" का नारा लगा रहे थे. इस पर उन्होंने कहा कि पीएम मतलब "पनौती मोदी", इसमें कोई अतिशयोक्ति की बात तो है नहीं. उन्होंने खुद से अपना नाम रखा है और बिना पैसे के खुद एडवर्टिजमेंट करा रहे हैं. पूरे देश में उनका नाम हो गया है तो इतनी घबराहट और बेचैनी क्यों है. मोदी ने पहले पप्पू-पप्पू किया. अब पनौती-पनौती हो रहा है. देश की जनता तय करती है कि किसको क्या आवाज देनी है.
- **15 नवंबर :** एक तरफ तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ जल-जंगल-जमीन के लिए संघर्ष करने वाले और बिरसा मुंडा का अनुकरण करने वाले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सलाखों के पीछे डालना चाहते हैं. मोदी यहां देश के प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं आए थे. वह एक भाजपा नेता के तौर पर आए थे. बाबूलाल मरांडी जो अब झारखंड विधानसभा में भाजपा के सदस्य नहीं हैं, उन्हें मंच पर राज्य में भाजपा के अध्यक्ष के तौर पर जगह दे दी गई. इससे तो साफ है कि मोदी एक पीएम के रूप में नहीं, बल्कि भाजपा नेता के तौर पर आए थे.
- **13 नवंबर :** देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड आ रहे हैं तो उनका स्वागत है. दरअसल 5 वर्षों तक डबल इंजन की सरकार ने आदिवासियों के साथ जो अन्याय किया है उसका वे पश्चाताप करने के लिए बिरसा मुंडा की जन्मस्थली आ रहे हैं. बाबूलाल मरांडी को प्रधानमंत्री से पूछना चाहिए कि आखिर 9 वर्षों तक उन्हें बिरसा मुंडा की याद क्यों नहीं आई. पांच राज्यों में चुनाव है, प्रधानमंत्री इस दौर में आदिवासियों को साधने भी आ रहे हैं. प्रधानमंत्री के इस दौरे को पश्चाताप दिवस का नाम देना चाहिए.
- **4 नवंबर :** पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने पुलिस अफसरों के साथ समीक्षा बैठक में अपराधियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया था. अपराधियों की शिनाख्त कर दोषियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित हो और कानून के माध्यम से सख्त से सख्त सजा दिलाई जाए.

आलमगीर ने एनआरसी पर भाजपा को घेरा

- **25 नवंबर :** महागठबंधन की सरकार ने जो काम किया वह किसी सरकार ने राज्य गठन के बाद नहीं किया. हमने वैसे इलाकों में सड़कों का निर्माण कराया जहां लोग पैदल नहीं चल पाते थे. हमारी सरकार ने कई नई योजना का शुभारंभ किया, जिसका लाभ राज्यवासी आज उठा रहे हैं. भाजपा एनआरसी लागू करने का नाम लेकर लोगों को डरा रही है, लेकिन एक भी बांग्लादेशी घुसपैठी की पहचान नहीं कर पायी है.
- **15 नवंबर :** प्रधानमंत्री सिर्फ घोषणा ही करते हैं. जमीन पर कहीं भी उनकी घोषणा का क्रियान्वयन नजर नहीं आता है. गृह मंत्री अमित शाह ने 2017 में भगवान बिरसा मुंडा के जन्मस्थली उलिहातू गांव से शहीद ग्राम विकास योजना की घोषणा की थी, जो अब तक सिर्फ घोषणा ही बनकर रह गई. अब प्रधानमंत्री पड़ोसी राज्यों में हो रहे चुनाव में आदिवासियों को प्रभावित करने के उद्देश्य से झूठी घोषणाएं करने झारखंड आए हैं. पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि 2022 तक सभी जरूरतमंद गरीबों को पक्के मकान दिए जाएंगे. झारखंड सरकार पिछले दो सालों से लंबित 8.5 लाख प्रधानमंत्री आवास के लिए केंद्र सरकार से गुहार लगा रही है, लेकिन अब तक केंद्र सरकार इसे पूरा नहीं कर रही है.
- **13 नवंबर :** केंद्र प्रायोजित योजनाएं झारखंड को आशा के अनुरूप नहीं मिल रही हैं. उम्मीद है कि योजनाएं सौगात के रूप में झारखंड को मिलेगी, साथ ही करोड़ों रुपए बकाया जीएसटी भी जरूर मिलेगा. यदि प्रधानमंत्री 15 नवंबर को अपने झारखंड के दौरे के दौरान बिना सौगात दिए चले गए तो राज्यवासियों का मनोबल टूट जाएगा.
- **9 नवंबर :** क्षेत्र और राज्य का विकास करना ही हमारी प्राथमिकता है. 15 नवंबर 2023 से झारखंड सरकार अबुआ आवास लॉन्च करेगी. इसके तहत आवास से वंचित लाभुकों का आवास निर्माण हो सकेगा.

झामुमो और कांग्रेस को भाजपा भी लगातार निशाने पर लेती रही

नवंबर महीने में भाजपा झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो-कांग्रेस के नेताओं को निशाने पर लेते रही. संथाल में मलेरिया से आदिवासियों की मौत के मामले, अपराध और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर भाजपा ने सीएम हेमंत सोरेन को घेरा. भाजपा ने कहा कि हेमंत सरकार में अधिकतर सड़क सिर्फ कागजों में बने हैं. इस सरकार में अभी भी 55 फीसदी घरों में शुद्ध पेयजल नहीं पहुंच पाया है. 15 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के झारखंड दौरे को लेकर भाजपा खेमे में खूब उत्साह था.

भाजपा ने कहा- दिखावा करती है हेमंत सरकार, उसे आदिवासियों की चिंता नहीं, लोगों के घर पानी भी नहीं

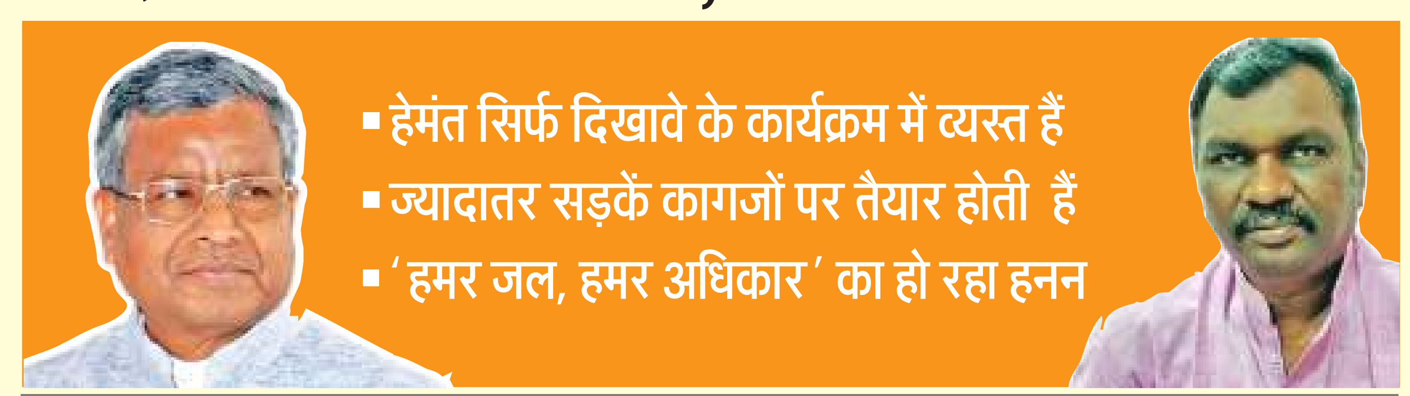

बाबूलाल ने किया पलटवार, सरकार के कार्यों पर उठाए सवाल

- **28 नवंबर :** सीएम को अपने विधानसभा क्षेत्र के भी आदिवासियों की चिंता नहीं है. हेमंत के क्षेत्र में आदिवासी लोग मलेरिया के प्रकोप से मर रहे हैं, लेकिन हेमंत बस दिखावे के कार्यक्रम में व्यस्त हैं . झारखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य व्यवस्था की दुर्दशा के लिए पूर्णत: राज्य सरकार जिम्मेवार है. हेमंत सोरेन का सरकार आपके द्वार कार्यक्रम महज पब्लिसिटी स्टंट बनकर रह गया है.
- **27 नवंबर :** झारखंड में चल रही ठगों की सरकार ने संवैधानिक मूल्यों को तार-तार कर दिया है. इनलोगों ने ठगी का अपना ऐसा संविधान तैयार किया है जिसमें पुलिस, अपराधी, प्रशासनिक अधिकारी और सत्ता के शीर्षासन पर बैठे लोग एक संगठित गिरोह तैयार कर झारखंड की संसाधनों को लूट रहे हैं. राज्य की महिला, गरीब, दलित, आदिवासी, शोषित, वंचित लोगों को सत्ता के बल पर प्रताड़ित किया जा रहा है.
- **26 नवंबर :** रांची के गोंदा थाना क्षेत्र में पुलिसकर्मी समेत अन्य लोग जुआ खेलते पकडे गये हैं. ये पुलिसकर्मी खुद भी जुआ खेल रहे थे और खेलवा भी रहे थे. इस पूरे प्रकरण में सबसे खास बात यह है कि इनमें से कुछ पुलिसकर्मी मुख्यमंत्री आवास में कार्यरत हैं और इस बात को पूरी तरह से छिपाया गया है. किसी भी तरह से मामले को रफा-दफा किया जा रहा है.
- **25 नवंबर :** राज्य में हिंसा, चोरी, डकैती, छिनतई और पर्याप्त सुविधाएं न मिलने के कारण 6500 से अधिक लघु एवं मध्यम उद्योग बंद हो गए हैं. 2.5 लाख लोगों का रोजगार छिन गया. 1.66 लाख लोगों को काम के लिए राज्य छोड़ना पड़ रहा है,रोजगार के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है. वहीं प्रदेश की हेमंत सरकार श्रमिकों और व्यवसायों को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है. जनता के साथ छलावा करने वाली इस सरकार को एक चुल्लू पानी भी डूब मरने को नसीब नहीं होगा.
- **24 नवंबर :** रामगढ़ जिले के छतरपुर प्रखंड के आरवी हाई स्कूल की बच्चियों के साथ मुस्लिम लड़कों के द्वारा सुनियोजित ढंग से छेड़खानी और विरोध करने पर आज स्कूली बच्चों के उपर पथराव और हमले की घटना हैरान करने वाली है. बच्चियों का कुसूर क्या है. सिर्फ ये कि वे हिंदू धर्म की हैं. हेमंत सरकार धर्म के आड़ में दरिंदगी और अपराधियों का समर्थन करती है.
- **23 नवंबर :** झामुमो के विधायक लोबिन हेंब्रम ही सरकार पर सवाल उठा रहे हैं. राज्य में सरकारी विभागों में साढ़े 3 लाख पद खाली हैं, लेकिन सरकार नियुक्ति का विज्ञापन नहीं निकाल रही है. 2013 में हेमंत सोरेन ने स्थानीय नीति के मुद्दे पर अर्जुन मुंडा की सरकार गिरा दी थी. उसके बाद हेमंत पांच सालों से अधिक समय तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं, लेकिन अब वे स्थानीय नीति की बात तक नहीं करते.
- **22 नवंबर :** एक क्रिकेट का मैच हार गए तो क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पनौती हो गए. अगर मैच हारने से किसी देश का प्रधानमंत्री पनौती है तो फिर चीन से जो युद्ध हारे थे, उन्हें क्या कहा जाए. आधा हिंदुस्तान चला गया. कश्मीर चला गया. पनौती कौन है. खैरात की तरह हिंदुस्तान की जमीन दूसरे देशों को दे रहे थे, तब कौन था पनौती.
- **19 नवंबर :** हेमंत सरकार में वैसे तो अधिकतर सड़क कागजों में ही बनकर तैयार हो जाती हैं, गलती से अगर कुछ धरातल तक पहुंच भी गई तो उसमें भी भ्रष्टाचार की दरार महीने भर के अंदर ही देखने को मिलती है. ऐसा लगता है मानों सड़कों में दरार, हेमंत सरकार और उनके भ्रष्टाचारी यारों का मुंह है, जो अभी और पैसे मांग रही है. 8 किमी रोड में महीने भर के अंदर 100 से ज्यादा गड्ढे हो जाते हैं. 3 किमी की रोड में 2.60 करोड़ खर्च किए गए. ऐसे हर दिन के हजारों उदाहरण हैं.
- **17 नवंबर :** सामान्य तौर पर सरकारें भ्रष्टाचारियों, अपराधियों को सजा दिलाने के लिये हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक कानून के विशेषज्ञों की महंगी सेवा लेती रहती है, लेकिन झारखंड के हेमंत सोरेन की सरकार में इसका उल्टा हो रहा है. यहां राजनीतिक विरोधियों को झूठे मामलों में फंसाने और भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिये गरीबों की गाढ़ी कमाई का अरबों रूपये खर्च कर हाईकोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक मंहगे वकीलों की सेवा ली गई है और ली जा रही है. यह भी अपने आप में एक बड़ा घोटाला है.
- **16 नवंबर :** हेमंत सोरेन को गर्व है कि वह आदिवासी हैं और झारखंड का आदिवासी समाज शर्मिंदा है. शर्मिंदगी इस बात की है कि आदिवासी होकर हेमंत और उनके परिवार ने आदिवासियों की जमीन लूटने-हड़पने का विश्व रिकार्ड बनाने का काम कर आदिवासी समाज की दुनिया में बदनामी करायी है.
- **14 नवंबर :** कांग्रेस या ठगबंधन सरकार ने 50 साल से अधिक के कार्यकाल में कभी भी आदिवासी समाज के सम्मान और अस्मिता की बात नहीं की, सिर्फ वोटबैंक आधारित राजनीति करके हमेशा इस समाज को मुख्यधारा से वंचित रखने का काम किया है. वर्तमान समय में हेमंत सरकार ने भी झारखंड के विकास को, लोगों की आस को, और परिवारजनों के विश्वास को सिर्फ तोड़ने का काम किया है.
- **10 नवंबर :** झारखंड के कुछ महाभ्रष्ट अधिकारी हेमंत सोरेन सरकार के लिए गलत काम करने का टुलकिट बने हुए हैं. वे टुलकिट न बनें वरना उन्हें करनी का फल भुगतना पड़ेगा. अखबारों में रोज जो खबरें आ रही है उसे देखकर लग रहा है कि जेल से लेकर पुलिस और प्रशासन के कुछ लोग सुधरने का नाम नहीं ले रहे हैं और लालच में बारी-बारी से गलत काम कर फंसते जा रहे हैं.
- **7 नवंबर :** हेमंत सोरेन अपने नाकामियों के लिए ब्यूरोक्रेट्स को जिम्मेवार ठहरा रहे हैं। हेमंत सोरेन कभी अपने गिरेबान में भी झांकें. पिछले चार सालों से हेमंत ने झारखंड के ब्यूरोक्रेसी को पंगु बना दिया है. अधिकारियों से खनन घोटाला, जमीन घोटाला, शराब घोटाला और फर्जी केस मुकदमे दर्ज करवा के उन्हें अपने काले साम्राज्य का सहभागी बनाया है. अब जनता पिछले चार साल के कामों का हिसाब मांग रही है, तो हेमंत ब्यूरोक्रेट्स पर अपने नकारेपन का ठीकरा फोड़ रहे हैं.
- **6 नवंबर :** जिसके आलीशान बंगले में बिसलेरी का पानी आता है. परिवारवाद के दम पर जो सत्ता का सुख भोग रहा है. जिसे गरीब और असहाय लोगों की परेशानी का पता ही नहीं है. उस भ्रष्टाचारी हेमंत को कैसे ये पता होगा कि प्रदेश में पानी की कीमत क्या है. जनता के अधिकार क्या हैं. पिछले चार दिनों से एक लाख से अधिक आबादी को पीने के लिए पानी भी नहीं मिल पा रहा है. झारखंडवासियों के 'हमर जल, हमर अधिकार' का हनन किया जा रहा है. ऐसी शोषणकारी सरकार से जनता परेशान हो गई है.
- **5 नवंबर :** जल, जंगल, जमीन ही जिस राज्य का आधार है वहां अभी भी 55 प्रतिशत घर ऐसे हैं जहां शुद्ध पेयजल अभी तक नहीं पहुंच सका है. केंद्र द्वारा संचालित जल जीवन मिशन का लक्ष्य मार्च 2024 तक सभी घरों को पाइपलाइन से जोड़ने का है, लेकिन राज्य में अब भी 34 लाख घर ऐसे हैं, जिनके घर में नल से जल नहीं पहुंच पाया है. इन गांवों के लोग चापाकल या अन्य जल स्रोत पर निर्भर हैं. हेमंत की सरकार में भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है.
- **3 नवंबर :** नए नियमों के तहत राशनकार्ड बनवाने के लिए जाति प्रमाण पत्र संलग्न किए जाने की आवश्यक नहीं है. फिर भी हेमंत सरकार के एक सिरफिरे अधिकारी ने जाति प्रमाण पत्र नहीं रहने के कारण सैकड़ों आवेदन रद्द कर दिए. हेमंत सोरेन राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था पर अपना नियंत्रण खो चुके हैं. पैसे लेकर अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग की विवशता से हेमंत अफसरशाही के आगे नतमस्तक हो चुके हैं.
- **2 नवंबर :** झारखंड सरकार में कुछ चोर हैं,या ये चोरों की ही सरकार है. प्रदेश में हो रही चोरी की घटनाएं इतनी आम हो गई हैं. जैसे ठंड के दिनों में सर्दी लगना आम बात है. एक ही घर में 3 बार चोरी से आप ये अंदेशा लगा सकते हैं कि ये सरकार ही चोरों की सरकार है. व्यापारियों से जहां रंगदारी मांगी जा रही है, वकीलों के घरों को लूटा जा रहा है, अस्पतालों से दवाइयां चोरी हो रही है, सड़कों से ईंटें और गिट्टियां चोरी हो रही है., ईमान, धर्म और विश्वास की चोरी करने वाली इस सरकार को जनता ने सबक सिखाने का संकल्प कर लिया है.
- **1 नवंबर :** हेमंत सोरेन ने चार साल में टेंडर नहीं कर बालू को सोना बना दिया. उनके अपनों ने इतना कोयला, लोहा, बालू, गिट्टी-मिट्टी बेची कि दिल्ली वाले भी क्या हिसाब करेंगे. सिर्फ एक जिले साहिबगंज में हेमंत के चहेते पंकज मिश्रा ने 1000 करोड़ की गिट्टी बेचवा दी. बालू को सोना बना बेचने और काले हीरे की तस्करी, ट्रांसफर-पोस्टिंग समेत अभी तो कितने चीजों का हिसाब-किताब होना बाकी है.

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी भी सरकार पर साधते रहे निशाना

- **30 नवंबर :** छात्रों ने सरेआम मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को आइना दिखाया है. साईकिल की राशि के बारे में सीएम ने पूछा तो उपस्थित छात्रों ने कहा, नहीं मिला है. झारखंड सरकार पिछले चार शैक्षणिक सत्र में 10 लाख छात्रों के बीच साईकिल तक का वितरण नहीं कर पाई. कारण टेंडर का खेल है.
- **29 नवंबर :** "महिलाएं ब्यूटी पार्लर से रंगाई पुताई करके आती हैं. एक मुख्यमंत्री द्वारा महिलाओं के लिए ऐसे शब्दों का प्रयोग घोर निंदनीय है. मुख्यमंत्री के हावभाव में लगातार हताशा और निराशा साफ नजर आ रहा है. मुख्यमंत्री को ऐसे अनर्गल बयानों से बचना चाहिए.
- **28 नवंबर :** नीतीश और तेजस्वी को आखिर हिंदुओं से इतनी घृणा क्यों है. तुष्टीकरण की पराकाष्ठा देखिए बिहार में शिवरात्रि, रामनवमी, जन्माष्टमी की छुट्टी खत्म. ईद-बकरीद की छुट्टी बढ़ाई गई. घमंडिया गठबंधन और नीतीश-तेजस्वी की राजनीतिक महत्वाकांक्षा का दंश आज पूरे बिहार के बहुसंख्यक समाज को भुगतना पड़ रहा है.
- **26 नवंबर :** झारखंड सरकार ने असंवेदनशीलता की पराकाष्ठा कर दी है. बच्चों के तन से स्वेटर और थाली से अंडा-फल गायब हो गये हैं. स्कूलों में छोटे बच्चे पानी ढो रहे हैं और मध्यान भोजन के बर्तन साफ कर रहे हैं. उन्हें आधा पेट खाना मिल रहा है. वहीं दूसरी तरफ सरकार आपके द्वार के माध्यम से गावों में मुर्गा-भात खाने और झारखंड वासियों को ठगने का कार्यक्रम किया जा रहा है.
- **25 नवंबर :** रामगढ़ में आरवी हाई स्कूल के छात्रों के साथ मारपीट की घटना बर्दाश्त के काबिल नहीं है. इस घटना से बच्चे काफी डरे हुए हैं इसलिए सरकार सभी आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्चों और राज्य की जनता को यह विश्वास दिलाएं कि वे सभी कानून व्यवस्था के संरक्षण में है.
- **25 नवंबर :** झारखंड में कोई उद्योगपति नया उद्योग नहीं लगाना चाहता. जो उद्योग लगे थे अब वह बंद हो रहे हैं. 2.5 लाख से अधिक लोगों का रोजगार छिन चुका है. लूट और झूठ की कांग्रेस-झामुमो-राजद सरकार पूर्व की भाजपा सरकार के 200-500 नौकरियां बांट बड़े-बड़े विज्ञापन देकर अपनी पीठ थपथपा रही है. इंतजार करें समय बलवान है, जनता जवाब देगी.
- **21 नवंबर :** झारखंड के गावों के विभिन्न योजनाओं पर सरकार की अकर्मण्यता के कारण संकट आ गया है. केंद्र सरकार झारखंड में पेसा रूल नहीं बनाने की वजह से ग्राम पंचायतों को दी जानेवाली राशि में कटौती कर सकती है. झारखंड को चालू वित्तीय वर्ष 2023- 24 में मिलनेवाली अनुदान राशि 1307 करोड़ रुपये में कटौती का खतरा मंडरा रहा है.
- **18 नवंबर :** जब भैया भये कोतवाल तो डर काहे का. झारखंड सरकार के संरक्षण में गुंडे-मवालियों का मन बढ़ा है. आपराधिक मानसिकता वाले छुट-भैया नेता भी सत्ता के संरक्षण में तांडव कर रहे हैं. जमशेदपुर में सत्ता के नशे में चूर झामुमो के एक नेता ने तेज रफ्तार कार घुमाने का विरोध करने पर 5 राउंड फायरिंग की. एक व्यक्ति को गोली लगी, जो गंभीर हालत में है.
- **16 नवंबर :** झारखंड में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक का मामला काफी गंभीर है. इससे पहले पंजाब की कांग्रेस सरकार ने प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का कुंठित प्रयास किया था. इस मामले में राज्य सरकार महज खानापूर्ति ना कर उच्च स्तरीय कमेटी से मामले की जांच करवाए. एनआईए से भी मामले की जांच हो.
- **14 नवंबर :** कांग्रेसियों को गांधी परिवार छोड़ किसी और का सम्मान नहीं पचता है. धरती आबा के सम्मान में पहली बार कोई प्रधानमंत्री उनके जन्म स्थान जा रहे हैं, लेकिन अपने एनडीए के अनुरूप कांग्रेसी जनजातीय समाज का अपमान करने से कैसे चुक सकते थे. आदिवासी विरोधी कांग्रेसियों की सोच सुनिए. 'आदिवासी गौरव दिवस को पश्चाताप दिवस बोलने को कह रहे हैं.
- **7 नवंबर :** झामुमो-कांग्रेस-राजद सरकार से जनता का मोह भंग हो चुका है. कांग्रेस के माननीय मंत्री बैठे रहते हैं, लेकिन मुट्ठी भर फरियादी भी अपनी समस्याओं को लेकर उनके समक्ष नहीं आते हैं. 11 से 2 बजे तक जनता की शिकायतों को सुनने के लिए मंत्री मौजूद रहे. करीब तीन घंटे चली इस जन सुनवाई में सिर्फ 4-5 फरियादी पहुंचे थे. जनता इंतजार कर रही है, वोट से चोट देने को.
- **5 नवंबर :** संथाल परगना की जनता झामुमो-कांग्रेस-राजद की वोट बैंक की राजनीति के हत्थे चढ़ रही है. झारखंड सरकार देश की आंतरिक सुरक्षा को खतरे में डाल रही है. बांग्लादेशी घुसपैठ से सुनियोजित तरीके से संथालपरगना की डेमोग्राफी बदली जा रही है, लेकिन यह सरकार चुपचाप तमाशा देख रही है. इस सरकारी अकर्मण्यता और तुष्टीकरण की भेंट लगातार जनजातीय बच्चियां चढ़ रही है. जमीनों पर अवैध कब्जा किया जा रहा है. क्षेत्र संगठित अपराध का केंद्र बन रहा है. अवैध तस्करी अपने चरम पर है.
- **1 नवंबर :** झारखंड में झामुमो-कांग्रेस-राजद की सरकार गुंडाराज का पर्याय बन चुकी है. जब अपराध में सरकार की ही हिस्सेदारी है तो आखिर जनता की चौकीदारी कौन करेगा. धनबाद का जन-जन आज डर के साए में जी रहा है. पूरे धनबाद जिले की छोटी-बड़ी दुकान बंद है और जनता त्राहिमाम कर रही है. सैकड़ों करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है.

पौष्टिक आहार का संकट

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है. आंकड़ों के हिसाब से इस समय भारत की विकास दर दुनिया में सर्वाधिक है. इस मामले में चीन बहुत पीछे छूट गया है. प्रधानमंत्री विकसित भारत का अभियान चला रहे हैं और देश के नागरिकों को बताया जा रहा है कि इतिहास का यह एक ऐसा दौर है, जिस पर हर एक को गर्व करना चाहिए, लेकिन संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य और कृषि संगठन के ताजा आंकड़े भारतीय विकास को ले कर कुछ सवाल खड़ा कर रहे हैं. इनके अनुसार 74 प्रतिशत भारतीय पौष्टिक भोजन से वंचित हैं. दुनिया में खुशहाली के लिए पौष्टिकता एक जरूरी शर्त है, लेकिन जब भारत में तक़रीबन एक अरब लोगों को पौष्टिक भोजन नहीं मिल रहा हो तो बहुत कुछ सोचने की जरूरत है. यानी सरकार की आर्थिक नीतियों के निर्णायकों के साथ नागरिक समाज को भी इस पर गहन चिंतन करने की जरूरत है. 74.1 फीसदी भारतीय यानी 1.043 अरब लोग पोषण युक्त भोजन हासिल कर पाने में अक्षम हैं. यह स्थिति उस हालत में भी है, जब देश के 80 करोड़ लोगों को कोविड के समय ही मुफ्त में राशन दिया जा रहा है. भारत के कुपोषण की शिकार आबादी को भी याद करने की सख्त जरूरत है. इस समय यह संख्या 16.6 फीसदी है. यानी आर्थिक प्रगति लोगों की जिंदगियों को बेहतर बनाने में कितना कारगर साबित हो रही है, यह सोचने का विषय है. दूसरी ओर भारत एक ऐसे देश के रूप में उभरा है, जहां सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ते अरबपतियों की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है. इसी देश में दो अरबपतियों की कमाई की रफ्तार इतनी तेज है कि दुनिया के किसी भी पूंजीवादी देश में बहुत कम देखी सुनी गई है. इसके साथ ही बैंकों और जनता के हजारों करोड़ लेकर देश को छोड़कर भाग जाने वालों की तादाद दुनिया मे सबसे ज्यादा है. दुनिया में 2022 में 73.5 प्रतिशत लोग भुखमरी के शिकार पाए गए. एशिया में ही 40 करोड से ज्यादा ऐसे लोग रहते हैं, जिनके लिए भुखमरी लाइलाज हो चुकी है. इनमें से भी 31 करोड से ज्यादा दशिण एशिया में ही रहते हैं. यानी भारत और उसके आसपास के देशों में खाद्य सुरक्षा का सवाल बेहद संजीदा है. अफ्रीका में 28.2 करोड़, लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों में 4.3 करोड़ लोग कुपोषण के शिकार हैं. यूरोप और उत्तरी अमेरिका में भी 1.4 करोड़ लोग कुपोषण की गिरफ्त में हैं. भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में 82 प्रतिशत और बंगलादेश में 66 प्रतिशत लोग भुखमरी के शिकार हैं. आंकडों के अनुसार वेस्टिंग के मामले में भारत की दर उच्चतम रही है. भारत में 2.1 करोड़ बच्चे इस समय इस समस्या का सामना कर रहे हैं. ये मामूली आंकड़े नहीं हैं. इन पर गंभीरता से विवचार कर नीतियों में सुधार की जरूरत है. विकास दर गति बरकरार रखते हुए बढ़ती असमानता को पाट कर ही कोई विकसित होता है.

> भारत के कुपोषण की शिकार आबादी को भी याद करने की सख्त जरूरत है. इस समय यह संख्या 16.6 फीसदी है. यानी आर्थिक प्रगति लोगों की जिंदगियों को बेहतर बनाने में कितना कारगर साबित हो रही है, यह सोचने का विषय है.

सुभाषित

क्षणशः कणशश्चैव विद्यां अर्थं च साधयेत्।
क्षणे नष्टे कुतो विद्या कणे नष्टे कुतो धनम्॥

क्षण-क्षण का उपयोग सीखने के लिए और प्रत्येक छोटे से छोटे सिक्के का उपयोग उसे बचाकर रखने के लिए करना चाहिए. क्षण को नष्ट करके विद्याप्राप्ति नहीं की जा सकती और सिक्कों को नष्ट करके धन नहीं प्राप्त किया जा सकता.

कांग्रेस में बदलाव है वक्त की मांग

2024 लोकसभा कांग्रेस के लिए आखिरी मौका है. सेमीफाइनल हारने के बावजूद कांग्रेस के लिए फाइनल में करिश्मा करने का पूरा मौका है. बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा और चिकित्सा अब भी बड़े मुद्दे हैं. अगर इन मुद्दों को लेकर एक सीट पर एक बार लड़ लिए तो पीएम नरेंद्र मोदी के लिए बहुत मुश्किल हो जाएगी. फिर हिंदू-मुसलमान कुछ नहीं चलेगा.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

पीएम नरेंद्र मोदी जी तो बहुत सारे विकल्प राजनीति में अख्तियार करते हैं और उसी को बेहतरीन प्रचारित कर देते हैं. और कांग्रेस है कि बहुत सारे विकल्पों के बारे में सोचती तक नहीं है. अपनी पूर्व धारणा के अनुसार पहले से चयनित किए व्यक्ति को ही थोप देती है. एमपी में मोहन यादव या इससे पहले छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय पर कांग्रेस या राजनीतिक जानकार चाहे जितनी नाक-भौं सिकोड़ लें, लेकिन इससे मोदी जी की सेहत पर क्या असर पड़ता है. उन्होंने अपने पैमाने पर अपना सीएम चुना है. जब उनके पास ताकत है, तो क्यों नहीं अपने मन की करेंगे. देश में जनता हमेशा से ताकतवर नेता चाहती है. इस आधार पर क्या कभी जनता को मोदी की आलोचना करते देखा है. इससे पहले उन्होंने महाराष्ट्र में देवेंद्र फडनवीस, हरियाणा में मनोहर खट्टर, झारखंड में रघुवर दास, उत्तराखंड में हारने के बावजूद धामी को सीएम बना कर यह दिखाया कि वे जिसे चाहें सत्ता में बिठा सकते हैं. दूसरी तरफ कांग्रेस को देखिए. कांग्रेस अगर राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश जीत भी जाती, तो क्या आप सोच सकते हैं कि कांग्रेस अशोक गहलोत, कमलनाथ और भूपेश बघेल की जगह किसी नये नाम पर विचार कर सकती थी. शायद सोच भी नहीं सकती थी. मध्य प्रदेश में तो कमलनाथ ने खुद ही खुद को भावी मुख्यमंत्री घोषित कर लिया था.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना होती है. होनी भी चाहिए. लेकिन उसका कोई उद्देश्य तो होना चाहिए. खासतौर से राजनीतिक दलों के लिए यह जरूरी है कि आलोचना सटीक होनी चाहिए. राजनीतिक जानकार, लेखक, पत्रकार सैद्धांतिक आधार पर आलोचना करते हैं. लोकतंत्र, तानाशाही, विभाजन की राजनीति नफरत के खिलाफ लिखते हैं. सही है. उनका काम जनता को जागरूक करना है. संवैधानिक मूल्यों पर हो रही चोट से जनता को अवगत कराना हमारा दायित्व है, मगर देखिए क्या यही काम देश का विपक्ष भी कर रहा है. बिल्कुल नहीं कर रहा. उसे डेंट करना होता है. उसे सत्ता पक्ष के उन पहलुओं पर जाना चाहिए, जो जनसरोकार से जुड़े हों. जिससे जनता को लगे कि विपक्ष उसके लिए चिंतित है. कांग्रेस फिलहाल इसमें पूरी तरह विफल रही है. यह लगातार मोदी के ही एजेंडे में खुद को उलझा लेती है. मोदी किसको मुख्यमंत्री बना रहे हैं, इस पर जनता नकारात्मक नहीं सोचती है. मगर कांग्रेस भाजपा के नये मुख्यमंत्रियों पर जितनी बात करेगी, वह सब उसके लिए नकारात्मक जाएगा. दस साल से ज्यादा हो गए, लेकिन कांग्रेस अपनी कमियां खोजने में पूरी तरह विफल रही है. याद कीजिए कि कैसे एक नकली अन्ना आंदोलन में कांग्रेस सरकार और संगठन की चूलें हिला कर दी थीं. अब उस आंदोलन के लिए अन्ना हजारे, केजरीवाल या आरएसएस को कोसने से क्या फायदा. वे तो अपने मकसद में सफल रहे. सरकार बदल दी. कांग्रेस को उनसे सवाल करने चाहिए थे, जो सरकार में थे, या संगठन में थे. कांग्रेस ने इस बारे में कभी सोचा ही नहीं कि आखिर उसकी सरकार का पतन कैसे हुआ था और उसके लिए जिम्मेदार कौन थे.

याद कीजिए पी चिदंबरम तब केंद्रीय गृह मंत्री थे. राहुल गांधी ने 7-8 साल पहले कुछ सीनियर पत्रकारों से मुलाकात की थी और बोले थे कि चिदंबरम हमारे बुद्धिमान नेता हैं. वहीं चिदंबरम हाल ही में प्रणव मुखर्जी की राजनीति में असफल बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी की उस किताब के विमोचन समारोह में मौजूद थे, जिसमें राहुल गांधी पर कटाक्ष और मजाक किया गया है. सोनिया गांधी के खिलाफ लिखा गया है. यहां यह भी याद दिला दें कि चिदंबरम जब तिहाड़ जेल में बंद थे, तब सोनिया गांधी और डॉ मनमोहन सिंह उनसे जेल में मिलने गए थे. अब बताइए कि इन कांग्रेसियों का क्या इलाज है. और क्या इनसे कांग्रेस को कोई फायदा है? सोचने वाली बात है कि कांग्रेस अभी क्या कर रही है. नकल. सोशल मीडिया पर जिस तर्ज पर मोदी पर लिखा जाता है, उसी भाषा में उनकी आलोचना. सोशल मीडिया के मुद्दों से राजनीति प्रभावित होगी या राजनीति अपने मुद्दों को सोशल मीडिया, पब्लिक डिस्कोर्स में लाएगी. कांग्रेस यह तक भूल चुकी है. भक्त कांग्रेस में भी हैं. और निसंदेह भाजपा के भक्तों से ज्यादा बेवकूफ. वे सत्ता में हैं. उस सत्ता का विरोध करने वालों का हौसला तोड़ने के लिए अटैक करते हैं. यहां कांग्रेसी तो केवल अर्थहीन गाली-गलौज में व्यस्त हैं. क्या बोल रहे हैं, कुछ पता नहीं. पूरी तरह नेतृत्वहीन कांग्रेस का मीडिया सेल हमेशा सत्ता पक्ष को मौका देता है, अटैक करने का. कांग्रेस का मीडिया सेल भाजपा के आईटी सेल के सामने पूरी तरह नाकारा साबित हो रहा है. हां, कांग्रेस की बौद्धिक क्षमता तो हमेशा से दक्षिणपंथियों के मुकाबले उच्च स्तर की रही है. मगर अब वह भी दोयम, औसत दर्जे के लोगों के हाथों में आ गई है. इसलिए वे वहां मोदी पर अटैक करते हैं, जहां उन पर कोई असर ही नहीं पड़ता.कुल मिला कर कांग्रेस के लिए इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव से पहले बड़ी ताकत है. उस पर फोकस करे. मल्लिकार्जुन खरगे की नई टीम अभी नहीं बन सकी है. सही मौका है, सारे नाकारा लोगों को कांग्रेस से किनारे लगा दें. नए और काम करने वाले युवाओं को सामने लाकर खरगे कांग्रेस का उद्धार कर सकते हैं. राहुल गांधी, प्रियंका और खरगे याद रखें कि नए लोग उतना नुकसान नहीं करेंगे, जितना पुराने लोग कर चुके हैं. 2012 से अब तक. नए लोग जो भी करेंगे, कांग्रेस को फायदा होगा. इंडिया गठबंधन को समय गंवाए बिना मजबूत करने में कांग्रेस को जुट जाना चाहिए. खाली प्रेस कांफ्रेंस करने से कुछ नहीं होगा. 2024 लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए आखिरी मौका है. मैच अभी भी गया नहीं है. हाथ में है. बेरोजगारी, महंगाई, सरकारी शिक्षा, चिकित्सा आज भी बहुत बड़े मुद्दे हैं. अगर इन्हें लेकर एक सीट पर एक बार लड़ लिए तो मोदी जी के लिए बहुत मुश्किल हो जाएगी. बस सीट शेयरिंग इस भावना से हो जाए कि हमारी कितनी सीटें आ रही हैं, यह मायने नहीं रखता कि किसे हराना है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

क्षमा की महिमा

क्षमा आत्मा का नैसर्गिक गुण है. यह आत्मा का स्वभाव है. जब हम विकारों से ग्रस्त हो जाते है तो स्वभाव से विभाव में चले जाते है. यह विभाव क्रोध, भय, द्वेष, एवं घृणा के विकार रूप में प्रकट होते है. जब इन विकारों को परास्त किया जाता है तो हमारी आत्मा में क्षमा का शांत झरना बहने लगता है. क्रोध से क्रोध ही प्रज्वल्लित होता है. क्षमा के स्वभाव को आवृत करने वाले क्रोध को, पहले जीतना आवश्यक है. अक्रोध से क्रोध जीता जाता है. क्योंकि क्रोध का अभाव ही क्षमा है. अतः क्रोध को धैर्य एवं विवेक से उपशांत करके, क्षमा के स्वधर्म को प्राप्त करना चाहिए. बडा व्यक्ति या बडे दिल वाला कौन कहलाता है? वह जो सहन करना जानता है, जो क्षमा करना जानता है. क्षांति जो आत्मा का प्रथम और प्रधान धर्म है. क्षमा के लिए "क्षांति" शब्द अधिक उपयुक्त है. क्षांति शब्द में क्षमा सहित सहिष्णुता, धैर्य, और तितिक्षा अंतर्निहित है. क्षमा में लेश मात्र भी कायरता नहीं है. सहिष्णुता, समता, सहनशीलता, मैत्रीभाव व उदारता जैसे सामर्थ्य युक्त गुण, पुरूषार्थ हीन या अधैर्यवान लोगों में उत्पन्न नहीं हो सकते. इसीलिए "क्षमा वीरस्य भूषणम्" कहा जाता है. दान करने के लिए धन खर्चना पडता है, तप करने के लिए काया को कष्ट देना पडता है, ज्ञान पाने के लिए बुद्धि को कसना पडता है. किंतु क्षमा करने के लिए न धन-खर्च, न काय-कष्ट, न बुद्धि-श्रम लगता है. फिर भी क्षमा जैसे कठिन पुरुषार्थ युक्त गुण का आरोहण हो जाता है. क्षमा ही दुखों से मुक्ति का द्वार है. क्षमापना से इन गुणों की प्राप्ति होती है. 1. चित्त में आह्लाद - मन वचन काय के योग से किए गए अपराधों की क्षमा माँगने से मन और आत्मा का बोझ हल्का हो जाता है. क्योंकि क्षमायाचना करना उदात्त भाव है. 2. मैत्रीभाव - क्षमापना में चित्त की निर्मलता ही आधारभूत है. क्षमायाचना से वैरभाव समाप्त होकर मैत्री भाव का उदय होता है. 3. भावविशुद्धि – क्षमापना से विपरित भाव- क्रोध,वैर, कटुता, ईर्ष्या आदि समाप्त होते है और शुद्ध भाव सहिष्णुता, तितिक्षा, आत्मसंतोष, उदारता, करूणा, स्नेह, दया आदि उद्भूत होते है. 4. निर्भयता – क्रोध, बैर, ईर्ष्या और प्रतिशोध में जीते हुए व्यक्ति भयग्रस्त ही रहता है.

अफगान शरणार्थी त्रासदी के शिकंजे में

• देशांतर

पुष्परंजन

खबर भयावह है. ईरान अब तक साढ़े तीन लाख अफ़गान शरणार्थियों को भगा चुका है, इसके साथ ही 500 लाशें अफ़गानिस्तान के हवाले कर चुका है. अफ़गान शरणार्थियों को भगाने का सिलसिला सीमा पार पाकिस्तान से भी शुरू है. ऐसी मानव त्रासदी पर मुसलमान देशों, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग की चुप्पी से हैरान हों, या कि अफसोस करें? अधिकारियों ने कहा कि पिछले छह महीनों में ईरान में मारे गए पांच सौ अफगान आप्रवासियों के शवों को सीमावर्ती नगर, राह-ए-अबरीशम के बरास्ते अफ़गानिस्तान भेज दिया गया है. दक्षिण-पश्चिम अफ़गानिस्तान का प्रांत निमरोज़ के स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, ये अफ़गान प्रवासी विभिन्न घटनाओं, विशेषकर तस्करी मार्गों में हुई दुर्घटनाओं की वजह से मारे गए हैं. निमरोज़ में आप्रवासी विभाग के प्रमुख अब्दुल्ला रियाज़ बताते हैं कि पिछले छह महीनों में ईरान से 500 शव अफ़गानिस्तान स्थानांतरित किए गए हैं. ये शव कई घटनाओं के कारण हैं, जिनमें ट्रैफिक एक्सीडेंट, प्राकृतिक मौत और गोलियों से हुई मौतें शामिल हैं. निमरोज़ की राजधानी जरंज में सुरक्षा कमांड के एक अधिकारी ने जानकारी दी कि 2023 में हमने डेढ़ सौ से अधिक मानव तस्कर पकड़े हैं. बुधवार को ईरान में तथाकथित यातायात दुर्घटना में मारे गए 18 वर्षीय आमिर खान का शव अफगानिस्तान ले जाया गया है. आमिर खान के रिश्तेदारों ने बताया कि सगाई के बाद वह काम ढूंढ़ने और अपनी शादी का खर्च उठाने के लिए ईरान गए थे. उन्हें ईरान गए एक साल हो गया था, वह काम में व्यस्त रहते थे, अचानक दोपहर में दुर्घटना के शिकार हो गये. आमिर के एक अन्य रिश्तेदार अब्दुल वली ने कहा, हम ईरानियों से खुश नहीं हैं, वे हमारी मदद करने के बजाय हमें हर जगह परेशान कर रहे हैं. जब ईरान में कोई अफ़गान मारा जाता है, तो उन्हें कोई फ़र्क नहीं पड़ता; यह ऐसा है जैसे कोई कीड़ा-मकोड़ा मारा गया हो. ईरान से निकाले गए कई शरणार्थियों ने उस देश में पुलिस के दुर्व्यवहार के बारे में बात की. एक पीड़ित बेस्मेल्ला आपबीती बताते हैं, 'हमने सब कुछ खो दिया. जहां हम गए, उन्होंने हमारे पैसे छीने और हमें बुरी तरह पीटा, अफ़गानों की वहां औकात नहीं है. वे हमें गिरफ्तार करते हैं, हमारे पैसे ले लेते हैं और हमें पीटते हैं. हमें अपने देश में काम नहीं मिलता है, हम अपने परिवारों को छोड़कर ईरान चले जाते हैं.'लेकिन यह गंभीर हालात केवल ईरान सीमा पर नहीं है, पाकिस्तान भी अफ़गान शरणार्थियों के साथ ऐसा ही सुलूक कर रहा है. शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के अनुसार, पाकिस्तान में लगभग 13 लाख अफ़गान शरणार्थी हैं, जिनमें से 8 लाख 40 हज़ार रिफ्यूज़ी को पाकिस्तान ने नागरिकता कार्ड जारी कर रखा है. लेकिन अफ़गान शरणार्थियों की यह संख्या सटीक नहीं है. यूएनएचसीआर के हवाले से कुछ ख़बरें बताती हैं कि पाकिस्तान में 17 लाख अफ़ग़ान शरणार्थी हैं. पाकिस्तान सरकार ने 1 नवंबर, 2023 तक बिना सिटीजनशिप कार्ड वाले अफ़गान शरणार्थियों को वतन वापसी की समय सीमा निर्धारित कर दी थी. कुछ मानवाधिकार संगठन इस आदेश के ख़िलाफ़ अदालत भी गये, लेकिन वहां से कोई राहत नहीं मिली. पाकिस्तान में एक्टिव मानवाधिकार संस्थाओं के अनुसार, 2023 में 3 लाख 70 हज़ार अफ़ग़ान शरणार्थियों को उनके वतन बलपूर्वक भेजा जा चुका है.एमनेस्टी इंटरनेशनल के डेप्युटी रिजनल डायरेक्टर लीविया सकार्दी ने जानकारी दी कि पाकिस्तान ने 49 हिरासत केंद्र बना रखे हैं, जहां अफ़ग़ान शरणार्थी रखे गये थे. ऐसे डिटेंशन सेंटरों में शरणार्थी महीनों दुर्गति झेलते रहे, अब उन्हें वहां से निकालकर सीमा पार अफ़गानिस्तान जबरन भेजा जा रहा है. लीविया सकार्दी ने यह भी कहा, '2021 में अमीरात के सत्ता में आने के बाद से 200 से अधिक अफ़गान पत्रकार पाकिस्तान में हैं. उनके साथ भी शासन का रवैया अमानवीय रहा है.' जो सबसे भयावह है, वह यह कि इन डिटेंशन सेंटरों में औरतें और टीन एज बच्चे सुरक्षित नहीं हैं. पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी या सेना वाले उन्हें जबरन उठा ले जाते हैं, ऐसी कई घटनाओं का हवाला एमनेस्टी इंटरनेशनल ने दिया है. अब सवाल है कि ऐसे सितम रोकने की ज़िम्मेदारी किसकी है? ज़ेरे बहस यह भी होनी चाहिए कि दुनियाभर में मुसलमानों पर होने वाले सितम पर जो संगठन मुखर होते हैं, सड़कों पर उतर आते हैं, वे इस मानव त्रासदी पर चुप क्यों हैं?

> बुधवार को ईरान में तथाकथित यातायात दुर्घटना में मारे गए 18 वर्षीय आमिर खान का शव अफगानिस्तान ले जाया गया है. आमिर खान के रिश्तेदारों ने बताया कि सगाई के बाद वह काम ढूंढ़ने और अपनी शादी का खर्च उठाने के लिए ईरान गए थे. उन्हें ईरान गए एक साल हो गया था, वह काम में व्यस्त रहते थे, अचानक दोपहर में दुर्घटना के शिकार हो गये.

कॉप 28 से कितनी उम्मीद की जा सकती है

• विमर्श

के रवीन्द्रन

इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कॉप 28 दुबई वैसे ही आगे बढ़ा है जैसी की उम्मीद थी. चूंकि सदस्य देश इस बात से जूझ रहे थे कि जीवाश्म ईंधन के सबसे संवेदनशील मुद्दे को कैसे औपचारिक रूप दिया जाए और उस पर कैसे ध्यान दिया जाए, इसलिए आम सहमति बनाने की कोशिश करने के लिए जलवायु शिखर सम्मेलन को निर्धारित सीमा से आगे बढ़ाना पड़ा. नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार कॉप 28 ने अंतिम घोषणा के रूप में एक प्रस्तावित पाठ जारी किया है, जो जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई के हिस्से के रूप में देशों से जीवाश्म ईंधन से दूर जाने का आह्वान करेगा.यह कुछ सबसे मुखर राज्यों की सफलता का प्रतीक है, जिन्होंने जीवाश्म युग को समाप्त करने के संकल्प को इंगित करने के लिए मजबूत भाषा पर जोर दिया, एक ऐसा लक्ष्य जिसका तेल और कोयला उत्पादक देशों, विशेष रूप से सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात द्वारा जोरदार विरोध किया जा रहा था. यह टकराव शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता में ही अंतर्निहित था, उस कुर्सी पर आबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) के सीईओ बैठे थे. शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष सुल्तान अल जबेर की एक टिप्पणी 'कोई विज्ञान नहीं है' जो यह दर्शाता है कि वैश्विक तापन को 1.5 एष्ट तक सीमित करने के लिए जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से बंद करने की आवश्यकता है, जिससे भौंहें तन गईं. वह इस हद तक दावा करने लगे कि जीवाश्म ईंधन को चरणबद्ध तरीके से ख़त्म करना टिकाऊ नहीं होगा. दरअसल, मुख्य शिखर सम्मेलन से इतर एक महिला-उन्मुख कार्यक्रम में उनके और प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई, जहां उन्होंने कहा कि उंगली उठाने का कोई मतलब नहीं है.भारत ने कथित तौर पर कोयले को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने से संबंधित मुद्दों को उठाया, जिसके बारे में उसने कहा कि यह निकट भविष्य में किसी भी समय संभव नहीं होगा. नई दिल्ली चाहती थी कि चरणबद्ध तरीके से अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किये जायें. विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अधिक समय और वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है क्योंकि ऐसे लक्ष्यों और विकासशील देशों के लोगों की आकांक्षाओं के बीच संघर्ष होता है, जो कार्बन पदचिह्न में योगदान देता है. सख्त उत्सर्जन नीतियों और किफायती प्राकृतिक गैस आपूर्ति की प्रचुर उपलब्धता के संयोजन के कारण हाल के वर्षों में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में कोयला क्षमता और समग्र उपयोग में निवेश में गिरावट आई है. फिर भी, एशिया, मुख्य रूप से चीन में स्थायी विकास, ने वैश्विक कोयला खपत को बढ़ाये रखा है. ऐसी स्थिति में कम कार्बन वाले बिजली स्रोतों के तेजी से विकास से कोयला धीरे-धीरे विस्थापित हो जायेगा, जिससे एक स्वच्छ, हल्की प्रणाली की शुरुआत होगी, जबकि एशिया में नयी क्षमता में निवेश अगले कुछ वर्षों में जारी रहेगा. प्रचुर कोयला भंडार और आर्थिक विकास को समर्थन देने के लिए ऊर्जा आपूर्ति को शीघ्रता से बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, एशिया दुनिया की तीन-चौथाई से अधिक कोयला बिजली उत्पादन के लिए जिम्मेदार है. क्षेत्र में कोयला उत्पादन क्षमता लगातार बढ़ रही है, लेकिन पर्यावरण संबंधी चिंताओं के बीच नयी परियोजनाओं की गति धीमी हो रही है. चीन, जर्मनी और अमेरिका जैसे दुनिया भर के देश जो कोयले पर अत्यधिक निर्भर हैं, कोयले को आसानी से विस्थापित करने के लिए काफी तेजी से और अनुकूल अर्थव्यवस्था के साथ नवीकरणीय क्षमता विकसित कर रहे हैं.यूरोप और उत्तरी अमेरिका व्यवस्थित रूप से कोयला उत्पादन को प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों से बदल रहे हैं, जिससे 1990 के बाद से कोयला बिजली क्षमता 200 गीगावॉट से अधिक कम हो गई है. यूरोप की गिरावट मुख्य रूप से सख्त उत्सर्जन नीतियों से प्रेरित है, जबकि उत्तरी अमेरिका ने मुख्य रूप से कोयला उत्पादन को गैस से बदल दिया है. प्रचुर क्षेत्रीय उत्पादन के कारण बिजली की कीमतें कम हो गई हैं.एशिया ने पिछले पांच वर्षों में प्रत्येक में 40 गीगावॉट से अधिक नयी कोयला क्षमता जोड़ी है और अगले वर्ष 52 गीगावॉट जुड़ने की उम्मीद है. दूसरे शब्दों में, एशिया 2024 में अर्जेंटीना की कुल स्थापित क्षमता से अधिक कोयला क्षमता जोड़ेगा. इस नयी क्षमता का अधिकांश हिस्सा चीन में है, इसके बाद भारत और इंडोनेशिया का स्थान है.

> सख्त उत्सर्जन नीतियों और किफायती प्राकृतिक गैस आपूर्ति की प्रचुर उपलब्धता के संयोजन के कारण हाल के वर्षों में यूरोप और उत्तरी अमेरिका में कोयला क्षमता और समग्र उपयोग में निवेश में गिरावट आई है. फिर भी, एशिया, मुख्य रूप से चीन में स्थायी विकास, ने वैश्विक कोयला खपत को बढ़ाये रखा है.

मीडिया में अन्यत्र

अस्थिर खाद्य कीमतों के मायने

नवंबर महीने में हेडलाइन खुदरा मुद्रास्फीति में फिर से आई तेजी खाद्य पदार्थों की अस्थिर कीमतों के जोखिमों की एक स्पष्ट याद दिलाती है. हालांकि, यह तेजी पिछले सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा कीमतों में संभावित 'वृद्धि' की भविष्यवाणी किए जाने के बाद बिल्कुल अप्रत्याशित नहीं है. जहां राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की हेडलाइन मुद्रास्फीति की अंतरिम रीडिंग से यह पता चलता है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक साल-दर-साल आधार पर अक्टूबर महीने के 4.87 फीसदी से 5.55 फीसदी बढ़कर तीन महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, वहीं उपभोक्ता खाद्य मूल्य सूचकांक द्वारा मापी गई खाद्य पदार्थों की कीमतें तेजी से उछलते हुए 209 आधार अंक बढ़कर पिछले महीने 8.7 फीसदी पर पहुंच गईं. खाद्य पदार्थों की कीमतों में इजाफे को बढ़ावा देने वालों में अनाज एवं सब्जियां, 'खाद्य एवं पेय पदार्थों' के उपसमूह के घटकों की भूमिका रही, जिन्होंने क्रमशः 10.3 फीसदी और 17.7 फीसदी की मुद्रास्फीति दर्ज की. सीपीआई का लगभग दसवां हिस्सा रहने वाले अनाजों ने लगातार 15वें महीने में दहाई अंकों में मुद्रास्फीति दर्ज कराया है. चावल, गेहूं और ग्रामीण इलाकों का मुख्य भोजन माने जाने वाले ज्वार जैसे मोटे अनाज में भी मुद्रास्फीति में महीने-दर-महीने आधार पर तेजी देखी गई. ये सभी स्पष्ट तौर पर कीमतों में क्रमिक रूप से बढ़ोतरी दर्ज कर रहे हैं. सब्जियों की कीमतें साल-दर-साल आधार पर मुद्रास्फीति दर के अक्टूबर के 2.8 फीसदी के स्तर से लगभग 15 प्रतिशत अंक बढ़ने के साथ फिर से उबाल पर हैं. अब जबकि लगातार दो महीने भारी अपस्फीति से रूबरू रही जल्द खराब होने वाले टमाटर की कीमतों में पिछले महीने मुद्रास्फीति की दर साल-दर-साल आधार पर 11 फीसदी से ज्यादा हो गई है, बढ़ोतरी की सीमा का सही अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की वेबसाइट पर एकत्रित आंकड़ों के अनुसार इसकी कीमतों में पिछले महीने के स्तर से 41 फीसदी की भारी वृद्धि हुई है. और अदरक एवं लहसुन जैसे प्रमुख मसालों की मुद्रास्फीति की दर क्रमशः सातवें और तीसरे महीने में 100 फीसदी से ज्यादा दर्ज की गई. टॉप यानी भारत में सबसे अधिक खपत वाली टमाटर, प्याज और आलू की तिकड़ी में से, प्याज की कीमतें चिंता का सबसे बड़ा सबब बनी हुई हैं. **(द हिंदू)**

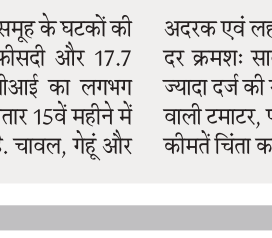

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

किश्त/किस्त

किश्त और किस्त में किसकी वर्तनी शुद्ध है, इस प्रकार का सवाल अक्सर उठाया जाता रहा है. इसपर विद्वज्जन विचार विमर्श करते रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद सवाल अपनी जगह पर फिर कायम है. किश्त जहां फारसी भाषा मूल का शब्द है, वहीं किस्त अरबी भाषा मूल का शब्द है. दोनों संज्ञा स्त्रीलिंग शब्द हैं. दोनों की वर्तनी सही हैं, बस वर्तनी के अनुसार अर्थ बदल जाते हैं. हालांकि वर्धा हिंदी शब्दकोश में किश्त और किस्त दोनों को पर्यायवाची ही माना गया है. इस शब्दकोश में जहां किश्त का मतलब है ऋण या देय का उतना अंश, जितना किसी एक अवधि में चुकाया दिया जाये, पैसा आदि जमा करने की किश्त, खेती, कृषि कर्म. वहीं किस्त का मतलब बताया गया है अंश, भाग, खंड, टुकड़ा, ऋण आदि के भुगतान का निश्चित अवधि में चुकाया जानेवाला अंश, इंस्टालमेंट. रेख्ता उर्दू हिंदी शब्दकोश ने भी किश्त शब्द का लगभग वहीं अर्थ बताया है. अब भाषा विज्ञानियों के साथ हुए विमर्श के आलोक में विचार करते हैं. फारसी भाषा में एक शब्द है केश्त, जिसका मतलब है बुआई करना, बीज डालना, कृषि करना, उपजाना, जोतना आदि. इसी वर्तनी से फारसी भाषा में कुश्त शब्द भी मिलता है, जिसका अर्थ है मार देना, हत्या करना, बाहर करना बंद करना, शतरंज के खेल में शह देना आदि. हिंदी और उर्दू भाषा में इन दोनों शब्दों को किश्त के रूप में अपना गया है. इस प्रकार हिंदी में किश्त शब्द का अर्थ है शतरंज के खेल में बादशाह का किसी मोहरे के घात में पड़ना. इसे शह भी कहते हैं, खेती, कृषि. इस शब्द से बनता है किश्तकार, जिसे काश्तकार भी कहते हैं. अरबी भाषा के किस्त का मतलब किसी ऋण को चुकाने का एक अंश जो निर्धारित समय पर दिया जाये, न्याय संगत होना, भुगतान करना, चुकाना, अधिशुल्क, पारितोषिक, टुकड़ा, अंश. कहा जाता है ऋण अगर एक बार में न चुका सको तो किस्त कर दो.

बेधड़क झूठ बोलिए, कौआ नहीं काटेगा

• तीर-तुक्का

अमित शर्मा

एक फिल्मी गाने में यह सलाह दी गई है कि झूठ नहीं बोलना चाहिए और काले कौए से डरना चाहिए, क्योंकि अगर आप झूठ बोलेंगे तो कौआ आपको काट लेगा. पता नहीं कि कौआ कब से सत्यवादी हो गया, जो झूठ बोलने पर आपको बख्शेगा नहीं, और इस 'जघन्य' अपराध के लिए आपको सज़ा देगा. अगर सचमुच ऐसा होता तो कौओं की तो सचमुच बन ही आती और वे हर समय किसी न किसी को काटते ही रहते. क्या कोई कभी बिना झूठ बोले रह सकता है ? दुनिया का सारा व्यापार तो झूठ पर ही आधारित है. हर कोई अच्छी तरह समझता है कि सत्य बोलने में कितनी दुश्वारियां हैं. बिना झूठ का सहारा लिए आदमी दो कदम भी चल नहीं सकता. झूठ ही वह लाठी है कि जिसके सहारे वह चल पाता है. यदि दुनिया में झूठ न बोला जाए तो सारे काम ही रुक जाएं. फ्राइड ने मानव मन की बड़ी गहराई से जांच पड़ताल की थी और अपनी खोज में उसने भी यही पाया था कि यदि प्रत्येक व्यक्ति यह तय कर ले कि चौबीस घंटे वह सिर्फ सत्य ही बोलेगा, सिर्फ सत्य और सत्य के सिवा कुछ ही नहीं, तो दुनिया में चार दोस्त भी नहीं बचेंगे, पति पत्नियों में तलाक हो जाएंगे, सारे रिश्ते टूट कर तहस-नहस हो जाएंगे. और फ्राइड जब कहता है तो उसकी बात को हलके में नहीं ले सकते. लोगों के मन में झांकने की उसमें अपूर्व क्षमता थी. उसने यह अच्छी तरह समझ लिया था कि लोग जो कहते हैं, वैसा होता नहीं. वे कहते कुछ और हैं, और सोचते कुछ और ही हैं. भीतर कुछ और बाहर कुछ और. सच तो यह है कि हमारे सारे नाते-रिश्ते झूठ पर ही खड़े हैं. अगर एक पत्नी अपने पति से कहे कि मैं तो आपके आपके चरणों की दासी हूं तो पति को चौकन्ना हो जाने की ज़रूरत है. पर भोला पति बड़ा प्रसन्न हो जाता है. फूल कर कुप्पा हो जाता है. उसे पता ही नहीं चलता कि पत्नी अब चौबीस घंटे यह सिद्ध करने में लग जाएगी कि असल में तुम ही चरण-दास हो. ऐसी भला कौन सी पत्नी होगी, जो अपने पति को अक्लमंद मानती हो. वह उसे सदैव मंद-अक्ल ही मानती है और ऐसा मानना उसका जन्म-सिद्ध अधिकार होता है. इसी प्रकार पति बेचारे को भी अपनी पत्नी की प्रशंसा करते हुए उसे बार बार यह बताना पड़ता है कि वह (पत्नी) अत्यंत सुन्दर है. मजा यह है कि दोनों ही अक्लमंदी और सुन्दरता के मुगालते में रहते हैं और उनका रिश्ता बड़े इत्मीनान से गुज़रता रहता है. झूठ बोलें तो अपने झूठ पर कायम रहें. जो अपने झूठ पर कायम रहता है, दुनिया उसी को सच्चा मानती है. इसलिए डरिये मत. धड़ल्ले से झूठ बोलिए. कोई कौआ आपको काटने वाला नहीं है.

सुकून

ना एक छोटा सा लेकिन नकारात्मक बोध देने वाला शब्द है. अक्सर हम इस शब्द का प्रयोग करने से बचते हैं. इसे दोस्ती, रिश्ते आदि को खत्म करने वाला शब्द मानते हैं. लेकिन सच पूछिए तो यही ना नहीं कह पाने के कारण कई बार हम बेहद असुविधाजनक और गंदी स्थिति में पहुंच जाते हैं. यदि सलीके से ना कहना जान लें तो आप भी बेमतलब की परेशानियों से बचेंगे और रिश्ता भी प्रभावित नहीं होगा. यह भी सच है कि कुछ जगहों (खासतौर पर कार्यस्थल) पर ना कहने का विकल्प नहीं होता. लेकिन ज्यादातर मामलों में यदि आपके पास वाजिब कारण है तो ना कहने का सलीका सीखने कई असुविधाजनक स्थिति से बचा सकता है. आइए जाने, कैसे कहें ना...

कहिए "ना"

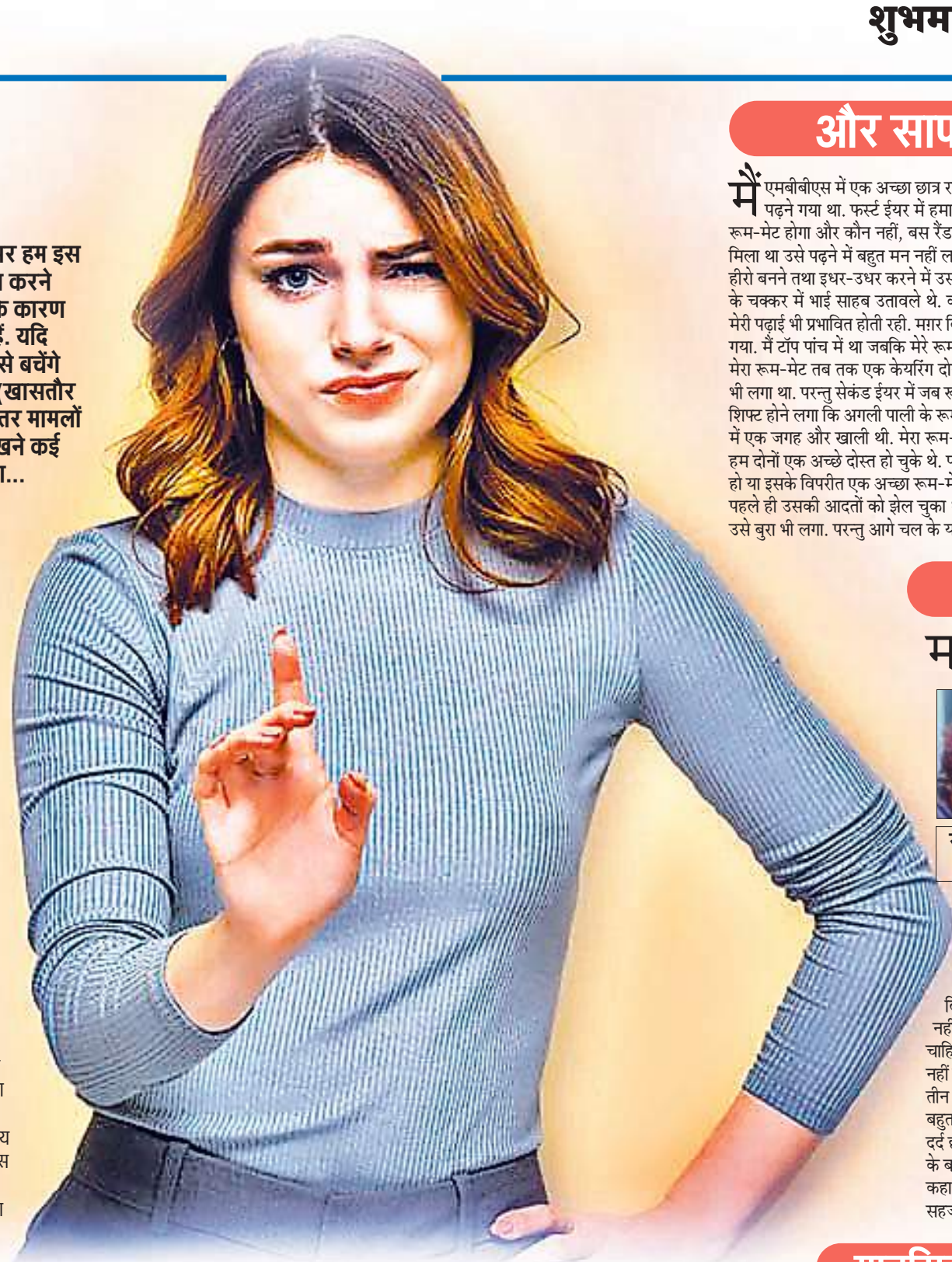

सीधे ना कहना गर हो मुश्किल

अगर आग्रह किया गया काम आप नहीं करना चाहते हैं सीधे ना कहने की जगह सामने वाले व्यक्ति से कहें कि मुझे अच्छा लगा कि आपने मुझे इस काबिल समझा. इसके साथ ही आप उसे सीधे मना करने की जगह कुछ समय ले लें. आप कह सकते हैं कि आज का समय तो पूरी तरह पैक्ड है, अगर अगले इतवार यह काम किया जा सकता है तो मुझे करके खुशी होगी. अगर सामने वाले व्यक्ति के लिए यह संभव होगा तो वह आपको समय दे देगा, नहीं तो आपके मना करने का उसे बिल्कुल भी बुरा नहीं लगेगा. अगर आपके पास पहले से ही काफी काम है तो आप सामने वाले व्यक्ति को मना करने के साथ-साथ यह भी बताएं कि आज आप किन कामों में व्यस्त हैं. इससे सामने वाले व्यक्ति को पता चलेगा कि सच में आपके पास वक्त ही नहीं है और आप उसका काम नहीं कर पाएंगे.

और साफ कह दिया, "नहीं"

अभिषेक अब्र

मैं एमबीबीएस में एक अच्छा छात्र रहा था. मैं मेडिकल कॉलेज मन लगा के पढ़ने गया था. फर्स्ट ईयर में हमारे पास चॉइस नहीं थी कि कौन आपका रूम-मेट होगा और कौन नहीं, बस रैंडम अलॉटमेंट होते थे. मुझे जो रूम-मेट मिला था उसे पढ़ने में बहुत मन नहीं लगता था बल्कि मस्ती करने, चैट करने, हीरो बनने तथा इधर-उधर करने में उसकी दिनचर्या रहती थी. गर्ल फ्रेंड बनाने के चक्कर में भाई साहब उतावले थे. कई बार मैं डिस्टर्ब हो जाता था. इससे मेरी पढ़ाई भी प्रभावित होती रही. मग़र किसी तरह होते-होते फर्स्ट ईयर निकल गया. मैं टॉप पांच में था जबकि मेरे रूम-मेट को सप्लीमेंट्री लग गई. हालांकि मेरा रूम-मेट तब तक एक केयरिंग दोस्त बन गया था और मुझे बहुत मानने भी लगा था. परन्तु सेकंड ईयर में जब रूम चयन का विकल्प मिला तो मैं एक दूसरे रूम में यह बोल कर शिफ्ट होने लगा कि अगली पाली के रूम्स में धूप और रोशनी अच्छी आती है. मेरे नए (होने वाले) रूम में एक जगह और खाली थी. मेरा रूम-मेट भी मेरे साथ मेरे नए रूम में शिफ्ट होना चाहता था क्योंकि हम दोनों एक अच्छे दोस्त हो चुके थे. परंतु एक बात याद रहे कि एक अच्छा दोस्त एक अच्छा रूम-मेट हो या इसके विपरीत एक अच्छा रूम-मेट एक अच्छा दोस्त हो यह दोनों ही बातें कोई आवश्यक नहीं. मैं पहले ही उसकी आदतों को झेल चुका था. इसलिए दिल को कड़ा कर के मैंने उसे ना कह दिया जिससे उसे बुरा भी लगा. परन्तु आगे चल के यह निर्णय हम दोनों के लिए उचित निर्णय साबित हुआ.

ना कहना ज़रूरी था

रूपा कुमारी 'अनंत'

माना ना कहना इतना आसान नहीं होता, लेकिन कभी-कभी ज़रूरी होता है. बात उन दिनों की है जब मैं पुणे में लॉ की पढ़ाई कर रही थी. वहां मेरी एक सीनियर थीं प्रेरणा दी. उन्हें कहीं भी जाना होता तो मुझे साथ ले जाया करतीं. मैं उन्हें ना कहना चाहती थी लेकिन यह सोचकर कि उन्हें बुरा न लग जाए या रिश्ते में कड़वाहट न आ जाए, मैं मन मसोस कर उनके साथ चली जाती थी. एक रविवार उन्होंने मुझे फोन करके शाम को मूवी देखने चलने को कहा. मैं असमंजस में पड़ गई क्योंकि मेरा उस दिन कहीं जाने का मन नहीं था. मैं सारा दिन अपने हिसाब से व्यतीत करना चाहती थी. उन्हें 'ना' नहीं कह पाने की वजह से मैं बहुत तनाव महसूस कर रही थी. मेरा सिर दर्द से फटने लगा था क्योंकि हमेशा वे कोई न कोई प्लान बनाती और मेरी मर्जी जाने बगैर मुझे उस प्लान में जोड़ लेतीं. लेकिन उस दिन मैंने खुद को समझाया कि जिस काम में मेरा मन नहीं और उसे नहीं करने से किसी का नुकसान नहीं तो मुझे बिल्कुल मना कर देना चाहिए. मैंने उन्हें फोन लगाकर प्यार से कहा कि मुझे मूवी देखना पसंद नहीं है और आज मैं कहीं बाहर जाना नहीं चाहती. उन्होंने मुझे कहा कि तीन घंटे की तो बात है. इस पर मैंने कहा कि यह तीन घंटे भी मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं. उन्होंने फिर कुछ नहीं कहा. सच मानिए मेरे सिर का दर्द छू मंतर हो गया और मैं काफ़ी सुकून महसूस कर रही थी. इस दिन के बाद प्रेरणा दी ने मेरी मर्जी जाने बिना कभी किसी काम के लिए नहीं कहा. मैंने पाया कि ऐसा करने से मेरे और उनके रिश्ते में कड़वाहट नहीं सहजता आ चुकी थी.

आत्मविश्वास बनाए रखें

भले हमें अहसास न हो, लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि आत्मविश्वास की कमी या दुविधा के कारण दूसरों की बातें मान लेते हैं. जैसे, 'पार्टी में दोस्तों के कहने पर मैंने एक पैग ले लिया..., 'ऑफिस के लोग बाहर खाने जा रहे थे तो मैं चला गया और अब बजट गडबड हो गया.... इन सब परिस्थितियों में दूसरों की बात मानने की जगह यदि शालीनता से मना कर देते तो कई अप्रियकर स्थिति से बच सकते थे. 'न कहने का मतलब है, खुद के लिए खडे होना. आपको चीनी कम खाना सेहत को ठीक रखना है तो चॉकलेट-केक से मना करना ही होगा, कार ड्राइव करके घर तक सुरक्षित पहुंचना है तो पार्टी में हार्ड ड्रिंक लेने से इंकार करना होगा. यानी कुछ चीजों को 'न कहना दृढ इच्छाशक्ति विकसित करना है. ऐसा करके हम खुद भी अनचाही स्थितियों में फंसने से बचते हैं, आत्मविश्वास बढता है और अपनी परेशानियों के लिए किसी और को जिम्मेदार ठहराने की नौबत भी नहीं आती है.

अपना नियम तय करें

अगर आपको कोई काम वीकेंड पर दिया गया है या उस समय के लिए दिया गया है जब आप परिवार-बच्चों के साथ समय गुजारते हैं तो आप सामने वाले व्यक्ति से कह सकते हैं कि आप संडे के दिन नो वर्क पॉलिसी अपनाते हैं या यह समय पूरी तरह फैमिली के लिए डिवोटेड है. ऐसे में सामने वाला व्यक्ति यकीनन आपकी भावनाओं की कद्र करेगा. आप खुद की जगह इस काम को करने वाले दूसरे व्यक्ति का नाम भी सुझा सकते हैं जिससे सामने वाले का काम भी प्रभावित नहीं हो और आपके संबंध भी बने रहे.

सहज प्रसन्न रहें

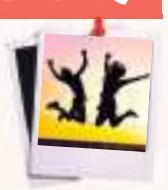

अगर किसी को किसी काम के लिए ना कहना है तो इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि आप उदासी, अपराध-बोध या नकारात्मक ऊर्जा के साथ बोलें. खुश होकर बात करें. दूसरे का आभार व्यक्त करें और उसके बाद अपनी असमर्थता जाहिर कर दें.

न सुनने को रहें तैयार

आप खुद किसी काम के लिए ना कहते हैं तो दूसरे का ना सुनने के लिए भी तैयार रहें. जब आप अपनी सुविधा व सहजता के लिए 'न कहने का अभ्यास करते हैं तो आपको अपने करीबियों को भी इस बात की स्वतंत्रता देनी होती है. दूसरे की 'न को भी सहजता से स्वीकारना सीखें, ताकि दूसरों के प्रति सहानुभूति, करुणा और समझ विकसित कर सकें. जब भी किसी से 'न सुनें तो उस पर विश्वास करें कि इस इंकार में कहीं न कहीं उसका हित छिपा हुआ है.

मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी

एक्सपर्ट व्यू

डॉ सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय मनोरोग विशेषज्ञ
रिनपास, रांची

हम सभी को नो कहना आना चाहिए. एक विशेषज्ञ के तौर पर ही नहीं, अपने व्यक्तिगत अनुभव के तौर पर भी मैं इसका जबर्दस्त हिमायती हूं. इसके लिए मैं बॉलीवुड सेलेब्स महेश भट्ट साहब का भी शुक्रगुजार हूं जिन्होंने मुझे बताया कि हमें दूसरे को कितना और कब देना है, इसकी सीमा रेखा खुद ही तय करनी होगी. इस सीमा के बाहर की मांग के लिए स्पष्ट तौर पर नो कहना होगा. बेशक नो कहने का का सलीका होता होता है. इसके लिए बेहद संयत और प्रोफेशनल अंदाज को अपनाया जाना चाहिए. नो कहने की कला अगर आ जाए और सही समय पर हम इसका इस्तेमाल करें तो कई मानसिक व संबंध से जुड़ी समस्याओं से बचा जा सकता है.

मोटिवेशन

खुश रहने के 10 कारण

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

रूस के सुप्रसिद्ध लेखक फेडोर दोस्तोवस्की का कहना है - जरूरत से ज्यादा सोचना एक बीमारी है. अफसोस कि ज्यादातर लोग इस बीमारी से ग्रसित हैं. हमारी उदासी, परेशानी, तनाव की मुख्य वजह है - ओवरथिंकिंग. समस्याएं इतनी भी गंभीर नहीं है, जितनी हमने सोच-सोच कर बना डाली हैं. नया वर्ष प्रवेश करने को उत्सुक है. आइए, हम नये वर्ष का स्वागत सकारात्मक सोच से करें. इस नए वर्ष पर ओवरथिंकिंग से बाहर निकलने का प्रण करें. मैं आपको एक-दो नहीं, 10 कारण दे रहा हूं ताकि आप अच्छा फील करें, और आपका 2024 शानदार गुजरे.

1. क्या आपकी मासिक आय 25 हजार से ऊपर है? अगर हां तब आपको खुश होना चाहिए. आप देश के उन 10% खुशनसीब लोगों में हैं, जो हर माह 25 हजार से ज्यादा कमाते हैं. जी हां, हमारे देश में 90% लोगों की मासिक कमाई 25 हजार से कम है.

2. आपने कोई लोन नहीं ले रखा है. आपके ऊपर कोई कर्ज नहीं है. आपको ईएमआइ पे नहीं करना पड़ता. अगर ऐसा है तो आपको खुश होना चाहिए. आप एक बहुत बड़ी चिंता से मुक्त है.

3. आपके बच्चे नामी स्कूल में नहीं पढ़ते. क्लास में रैंक नहीं लाते, तो कोई बात नहीं. अगर वे शिष्टाचारी और विनम्र हैं, तो इससे बड़ी बात कुछ और नहीं हो सकती. आपको खुश होना चाहिए क्योंकि आजकल ऐसे बच्चों की संख्या बहुत कम हो गई है.

4. अगर आपको नियमित रूप से दवाइयां नहीं फांकनी पड़ती, डॉक्टर के पास नहीं जाना पड़ता, जांच नहीं करवानी पड़ती, तो आप खुशनसीब हैं. इसका अर्थ है आप स्वस्थ हैं. आज की तारीख में स्वस्थ रहना किसी वरदान से कम नहीं. छोटी बीमारियां तो आती-जाती रहती हैं. उनके लिए चिंतित होने की कोई जरूरत नहीं.

5. चाहे किराए का हो या अपना, आपके सिर के ऊपर छत तो है. आप सुबह-दोपहर-शाम-रात खाना खाने में सक्षम है. आपके पास पहनने के लिए सात जोड़ों से ज्यादा कपड़े हैं तो आपको भगवान का शुक्रिया अदा करना चाहिए. हमारे देश की बहुत बड़ी आबादी को यह भी नसीब नहीं.

6. अगर आपको पान, तंबाकू, शराब का नशा नहीं है. अगर आप सोशल साइट्स पर अपना समय बर्बाद नहीं करते, तो आपको खुश होना चाहिए. आप सकारात्मक जिंदगी जी रहे हैं.

7. अगर आपको रात में सही ढंग से नींद आती है. सप्ताह में एक दिन आप छुट्टी का आनंद ले सकते हैं. महीने में एक बार पार्क-पिकनिक जा सकते हैं. तो आप वाकई खुशनसीब हैं. एक बहुत बड़ा वर्ग है जिसे सही ढंग से नींद नहीं आती, सप्ताह के सातों दिन उसे काम करना पड़ता है.

8. अगर अगर आप बेरोजगार नहीं है. अगर आप आत्मनिर्भर हैं. आप अपनी पसंद का काम कर रहे हैं तो आपको अपनी पीठ थपथपानी चाहिए. हमारे देश में बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है.

9. आपके घर में स्कूटर या मोटरसाइकिल है. (अगर कार भी है, तो क्या कहना). आपने लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस ले रखा है. अगर मुख्य आमदनी के साथ आपका कोई पैसिव इनकम है. आप इस देश के 2% लोगों में हैं जो ये सब करने में सक्षम हैं. अपने पर गर्व करने की बात है या नहीं ?

10. आप अपने परिवार के साथ रहते हैं. आप कुछ समय दोस्तों-यारों के साथ बिताते हैं. कभी-कभी आप बाहर खाने की क्षमता रखते हैं. लोग आपको पार्टियों में बुलाना पसंद करते हैं. इसे आप अपना सौभाग्य मानिए. बहुत कम लोग इतने लकी होते हैं.

मूल मंत्र : आज का व्यक्ति दो कारणों से ज्यादा दुखी है - ओवरथिंकिंग और दूसरों से तुलना. ओवरथिंकिंग और तुलना करना बंद करें. 90% दु:ख तो ऐसे ही समाप्त हो जाएंगे. दुनिया का सबसे बड़ा एडवेंचर है खुद को खुश रखना. जितना है, वह खुश रहने के लिए पर्याप्त है. इस बात की गांठ बांध लें और 2024 का भरपूर आनंद उठाएं.

जयंती विशेष : 18 दिसंबर

अभाव में प्रज्वलित ज्योतिपुंज भिखारी ठाकुर

डॉ ममता मनीष सिन्हा

भिखारी ठाकुर को कला के क्षेत्र में लोकनायक, युगपुरुष, भोजपुरी के शेक्सपियर तथा मलीकजी जैसे नामों से जाना जाता है. वे लेखक, अभिनेता, निर्देशक, गायक तथा नर्तक जैसी विभिन्न कलाओं के सिद्ध स्वयं में एक संस्था थे. भिखारी ठाकुर का जन्म सन 18 दिसंबर 1887 को बिहार के सारण जिले (छपरा) के कुतुबपुर गांव में हुआ था. इनका गांव गंगा, सोन और सरयू नदी के त्रिवेणी पर बसा हुआ है, जो आरा और छपरा जिले से सटे बहने वाली गंगा और गंडक की दो धाराओं के बीच का दोआब क्षेत्र दियारा है. शायद यह मां गंगा के शीतल विस्तृत रूप का ही आशीर्वाद था कि ऐसे वियावान से एक युगपुरुष का उदय हुआ. इनकी कला की शिक्षा या किताबी शिक्षा कोई खास नहीं थी और बचपन अभाव के बीच बीता. गाय चराते समय अपने चरवाहे साथियों के साथ नाच, नाटक खेल अपना मनोरंजन करते थे और इस समय इनके हृदय में कवि, कलाकार का उदय हुआ.

हाथ में उस्तरा लेकर काव्य सृजन

बचपन से ही नाई के खानदानी पेशे से जुड़ना पड़ा. हज़ामत, छठी, मुण्डन, जनेऊ, शादी-विवाह तथा श्राद्ध आदि के मौकों पर निमंत्रण पत्र बांटना तथा विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में पुरोहितों को सहयोग देना इनके नाई पेशे का कार्य था. कौन जानता था कि हाथ में उस्तरा पकड़ा यह बालक एक दिन लोक कला के क्षेत्र में भोजपुरी का शेक्सपियर कहलाएगा.

घर से दूर कला की शुरुआत

जब थोड़े बड़े हुए तो उनका झुकाव रामलीला-रासलीला के मंचन की तरफ होने लगा. अपने छोटे भाई बहोर ठाकुर तथा मित्र रामानन्द ठाकुर के साथ मिलकर गंवई कलाकारों की एक मंडली बनाई. ढोलक,

तबला, जोड़ी, सरगी और तुरतुरिया जैसे सुलभ पारंपरिक वाद्ययंत्रों को जुटाया गया और नाटक मंचन का शुभारंभ हुआ. तब बिहार में समारोह के मौकों पर लौंडा नाच की प्राथमिकता थी जिसमें औरतों के पात्र भी पुरुष ही निभाते थे. नाच के कलाकारों को हेय दृष्टि से देखा जाता था. इसलिए उपहास के डर से शुरुआत के दिनों में नाटक का मंचन वे गांव और घर से दूर करते थे.

देश-विदेश में नाम

समय के साथ नाच में भिखारी ठाकुर का नाम होने लगा तथा सम्मान भी मिलने लगा. मुगलकाल में नाट्यकला को बहार कहा जाता था. भिखारीजी भी अपने नाटक के शीर्षक के साथ में बहार लिखते थे, जैसे- बाहरा बहार (बिदेशिया), कलयुग बहार (पिया नेशइल), गबरघिचोर बहार आदि. भिखारी ठाकुर का भावुक कवि हृदय भी तत्कालीन सामाजिक बुराइयों से दुखी हो लेखनी में ढल जाता था. महाजनी कर्ज से डूबे ग्रामीण महानगर पलायन कर जाते और पीछे छोड़ जाते आसरा देखती, आंसू बहाती बिरहन पत्नियां, इनके दुखों को भिखारी जी ने लोक नाटक बिदेशिया नाम से मंचित किया. बिदेशिया इतना प्रसिद्ध हुआ कि इनकी नाट्य मंडली को ही बिदेशिया मंडली के नाम से जाना जाने लगा. अपने नाटकों में गुरु, उपदेशक, बटोहिया या संवदिया के रूप में स्वयं लेखक का चरित्र ही बटोही होता था जिसे स्वयं भिखारी ठाकुर निभाते थे. भिखारी ठाकुर विदेशिया नाट्य मंडली को बंगाल, पूर्वांचल के राज्य (जहाँ भोजपुरी बोली और समझी जाती थी) तथा बर्मा (रंगून, म्यामार) आदि की यात्रा पर ले गए. जैसा कि हमेशा से एक कलाकार का मोह बम्बई की फ़िल्म नगरी से जुड़ने का होता है भिखारी ठाकुर के साथ भी था. बिदेशिया की सफलता प्रसिद्धि के को भुनाने के लिए सिनेमा जगत में इसी नाम से एक भोजपुरी फ़िल्म का निर्माण किया गया जिसमें दो तीन मिनट के दृश्य के लिए भिखारी ठाकुर को भी बम्बई हवाई जहाज से ले जाया गया जहां फ़िल्म के पोस्टरों पर फोटो के साथ इनका नाम 'रायबहादुर भिखारी ठाकुर' बड़े-बड़े अक्षरों में छाप कर प्रचारित किया गया पर शूटिंग की समाप्ति के बाद बिना पारिश्रमिक दिए बम्बई की सड़कों पर छोड़ दिया गया. जैसे-तैसे ये घर को लौटें परन्तु इस कड़वे अनुभव से इन्होंने दुबारा मायानगरी नहीं जाने की कसम खा ली.

सामाजिक चेतना के प्रतीक

भिखारी ठाकुर के पहले भी हरफमौली, डोमकच, जोगीरा, नेटुआ-नाच, लौंडा- नाच तथा रामलीला आदि जैसे लोक नाट्य होते थे. परंतु इन्होंने अपने नाटकों में सामाजिक चेतना को शामिल किया. ग्रामीण महिलाओं की धार्मिक भावना एवं मां की ममता पर ₹गंगा स्नान₹, बालविवाह जैसी कुरीति पर नाटकों का लेखन एवं मंचन किया. इनके लिखे लोकगीत बहुत प्रसिद्ध हैं, जैसे- चलनी के चालल दूल्हा-सुप के फटकारल हे, आवेला आषाढ़ मास लागेला अधिक आस, नेटी काटी बेटी भसीअइलअ हो बाबूजी, कर त्रिशूल बसहा पर शिवशंकर, जगवा भरम में भुलाइल आदि.

आशु कवि

भिखारी ठाकुर अद्भुत आशु कवि थे जो कहीं भी किसी भी विषय पर एक पल में दोहा, चौपाई, कवित और कविताएं लिख देते थे. इन्हें लोक नाट्यकला क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिए तिरहुत कमीशनरी के कमिश्नर श्री जगदीशचन्द्र माथुर (जिन्होंने वैशाली के विशाल गढ़ की खोज तथा खुदाई करवाई थी) ने सम्मान पत्र तथा पुरस्कार से विभूषित किया था. लोक कला के भीष्मपितामह भिखारी ठाकुर का निधन 10 जुलाई 1971 को हो गया.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

अपराधियों ने मचाया तांडव लूट के बाद व्यवसायी को पीटा

संवाददाता। मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में बेखौफ अपराधियों का तांडव लगातार देखने को मिल रहा है. पुलिस अपराधियों पर सख्ती बरतने को लेकर चाहे जितने भी दावे कर ले लेकिन अपराधी बेलगाम हो गए हैं. एक बार फिर बेखौफ अपराधियों ने आपराधिक घटनाओं को अंजाम दिया है.

अपराधियों ने दुकान बंद कर जा रहे किराना व्यवसायी से 4 लाख रुपये की लूटकर फरार हो गए हैं. दरअसल, मामला मुजफ्फरपुर जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र का है, जहां बदमाशों ने दुकान बंद कर घर जा रहे एक किराना व्यवसायी संजय चौधरी से पहले हथियार के बल पर 4 लाख रुपये लूट लिए और फिर पिस्टल के बट से सर पर मारकर घायल कर दिया. वहीं इलाज के दौरान व्यवसायी की मौत हो गई. जिसके बाद एक बार फ़िर व्यापारी वर्ग में आक्रोश साफ तौर पर देखा जा सकता है. वहीं मामले में बताया जा रहा है कि किराना व्यवसायी संजय चौधरी बाजार समिति गेट के पास में पंकज किराना नाम से होलसेल किराना का दुकान चलाते था. वहीं वह वो देर रात अपने बेटे के साथ अलग अलग गाड़ी से घर लौट रहा था.

मैराथन : नशामुक्त बिहार का दिया संदेश

पटना में नशामुक्त बिहार अभियान को लेकर मैराथन का आयोजन रविवार को हुआ, जिसमें सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया. फोटो : पीटीआई

आओ जानें

बिहार : सामान्य ज्ञान

दो धर्मों की जन्मस्थली : बिहार दुनिया के दो सबसे बड़े धर्मों बौद्ध धर्म और जैन धर्म का उद्गम स्थल है. विश्व का सबसे पुराना विश्वविद्यालय : बख्तियार खिलजी की सेना द्वारा नालंदा पुस्तकालय में आग लगा दी गई थी. ऐसा माना जाता है कि पुस्तकालय में 9 मिलियन पांडुलिपियाँ थीं और उन्हें जलने में पूरे 3 महीने लगे.

बिहार का सबसे स्वच्छ शहर बना मुजफ्फरपुर : राजधानी पटना, भागलपुर और गया को पीछे छोड़ते हुए मुजफ्फरपुर बिहार का सबसे सुंदर और स्वच्छ शहर बन गया है.

मधुबनी देश का दूसरा सबसे सुंदर रेलवे स्टेशन : नेपाल बॉर्डर से सटा बिहार का मधुबनी जिला जो अपनी मधुरवाणी के साथ ही मधुबनी पेंटिंग्स के लिए भी विश्व भर में प्रसिद्ध है. यहां के रेलवे स्टेशन की दीवारें भी खूबसूरत मधुबनी पेंटिंग्स की चटख रंगों से दमक रही हैं.

ब्रीफ खबरें

ई-रिक्शा चालक पर किया जानलेवा हमला

पटना। बिहार में अपराधियों का बोल बाला है. अपराधी दिन हो या रात बेखौफ होकर अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. इन अपराधियों पर नकेल कसने की पुलिस की तमाम कोशिशें असफल हो रही है. ताजा मामला पटना का है, जहां शनिवार की देर रात एक युवक पर अचानक अज्ञात 4 से 5 की संख्या में आए लोगों ने हमला कर दिया. वहीं युवक के साथ अपराधियों ने जमकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया है.

ट्रक और स्कूटी की टक्कर में दो की मौत

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र के रिलायंस पेट्रोल पंप के नजदीक की है .जहां एक स्कूटी अनियंत्रित होकर ट्रक से जा टकराई, जिससे घटनास्थल पर ही स्कूटी सवार एक व्यक्ति और एक महिला की मौत हो गई. वही इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति मच गई. सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे मनियारी थाना प्रभारी उमाकांत सिंह और स्थानीय लोगों ने मोर्चा संभाला और घटना में मृतक दोनों डेड बॉडी को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

ब्राह्मण सम्मेलन : पनोरमा ग्रुप के सीएमडी ने किया आह्वान

'किसी के बंधुआ मजदूर न बनें'

संवाददाता। पटना

पटना के बापू सभागार में ब्राह्मण समाज के लोगों का जुटान हुआ. राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा व परशुराम सेवा संस्थान की तरफ से ब्राह्मण स्वाभिमान सम्मेलन का आयोजन किया गया था. सम्मेलन में विप के सभापति देवेश चंद्र ठाकुर समेत कई बड़े लोगों की सहभागिता हुई. पनोरमा ग्रुप के सीएमडी संजीव मिश्रा ने समाज के लोगों से बुद्धि और कलम की लड़ाई लड़ने का आह्वान किया. साथ ही लोगों से एकजुट होने की गुजारिश की. पनोरमा ग्रुप के सीएमडी ने सलाह दिया कि किसी के बंधुआ मजदूर न बनें. राजनीति में बंधुआ मजबूर बनने की वजह से ही आज यह स्थिति हुई है.

संजीव मिश्रा ने समाज के बड़े लोगों से आह्वान किया कि ब्राह्मण समाज के पिछड़े लोगों को आगे बढ़ाने में मदद करें. बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पनोरमा ग्रुप के प्रबंध निदेशक संजीव मिश्रा ने कहा कि आज यह सभा करने की जरूरत क्यों पड़ी. हमें अपनी हिस्सेदारी चाहिए. क्या हम सिर्फ बंधुआ मजदूर बन के ही रहेंगे. आज हमारे समाज की क्या स्थिति है? हमें किसी जाति-धर्म से परहेज नहीं है. सभी का सम्मान करते हैं. लेकिन हमारे समाज में भी ऐसे व्यक्ति हैं जिन्हें एक टाइम का भोजन मिलता है, दूसरे टाइम का भोजन नहीं मिलता है. वह मजदूर हैं, मजदूरी करते हैं, लेकिन नेताओं के द्वारा क्या कहा जाता है... आप उच्च जाति के हैं. आप ब्राह्मण हैं.

सिर्फ भाषण बाजी से काम नहीं चलेगा. सिर्फ अच्छा बोल करके पेट नहीं भरता है. हमें अधिकार नहीं मिल रहा है. उस अधिकार को छीनना पड़ेगा, मांगने से भीख मिलता है अधिकार नहीं, अधिकार के लिए प्रयास करना ही पड़ेगा.

हमें यह बताने बताना पड़ेगा कि हम सब एक हैं : सीएमडी

पनोरमा ग्रुप के सीएमडी ने समाज के लोगों से आह्वान किया कि एकजुट होना पड़ेगा. लेकिन हमारा समाज एकजुट नहीं है. कांग्रेस के टाइम में हमारे पूर्वज कांग्रेस के साथ थे, आज किसी दूसरे दल के साथ हैं. आज हम लोग एकतरफा वोट कर देते हैं. हमें यह बताने बताना पड़ेगा कि हम सब एक हैं. हम लोग लड़ाई झगड़ा नहीं कर सकते, लेकिन अपनी दिमाग और विचार से, स्ट्रेटजी से लड़ सकते हैं. हम लोगों को बुद्धि और कलम से लड़ाई लड़नी है. यह बताना पड़ेगा कि हम लोग एक थे एक हैं और एक रहेंगे. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने ब्राह्मण समाज के लोगों से आह्वान किया कि अपने बच्चों को पढ़ाई लिखाई के साथ-साथ धर्म के प्रति भी प्रेरित करिए. आप शिक्षा, राजनीतिक, सामाजिक समेत सभी क्षेत्रों में अपनी भागीदारी दिखाएं. हमारे समाज के लोगों को अपना माइंडसेट बदलना होगा. समाज में आगे बढ़े लोगों से आह्वान करता हूं कि पिछले लोगों को मदद करें. हम भी ऐसा काम करते हैं. समाज के पिछड़े लोगों की मदद करता हूं.

मुजफ्फरपुर में आपस में टकराए दर्जनों वाहन

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में तेज रफ्तार का कहर रुकने का नाम नहीं ले रहा है, जिससे आए दिन जिले में कहीं ना कहीं सड़क हादसा देखने को मिल रहा है. इन घटनाओं में कई लोगों की जान चली जा रही है. वहीं एक बार फिर मुजफ्फरपुर में रफ्तार का कहर देखने को मिला है. जहां एक साथ दर्जनों गाड़ी आपस में टकरा गई है. जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया. दरअसल, मामला मुजफ्फरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र के बीबीगंज चौक के पास एनएच 28 का है. जहां उस समय हड़कंप मच गया जब एक के बाद एक कई गाडी आपस मे टकरा गई.

नवादा पुलिस ने सात साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

फाइनेंस कंपनियों के नाम पर करते थे ठगी

संवाददाता। नवादा

नवादा पुलिस को एक बड़ी कामयाबी मिली है, जहां साइबर क्राइम करने वाले 7 अपराधियों की गिरफ्तारी पुलिस ने किया है. दरअसल, मामला का खुलासा रविवार को हेड क्वार्टर डीएसपी के द्वारा किया गया है. पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से 11 मोबाइल जब्त किए हैं. डीएसपी कल्याण आनंद ने बताया कि वारसलीगंज थाना क्षेत्र के मकनपुर गांव में नवादा पुलिस की विशेष छापामारी की गई. इस दौरान गोपाल कुमार, मनीष सिंह, मोहित कुमार, प्रिंस कुमार, रजनीश कुमार, राकेश कुमार और शिवपाल कुमार को गिरफ्तार किया गया है. इन लोगों के पास से 11 मोबाइल एक सिम कार्ड, कस्टमर डाटा, 11 पाना का एक कॉपी भी बरामद की गई है. इन सभी अपराधियों के द्वारा विभिन्न राज्यों में लोन दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी कराने का काम किया जाता था.

वहीं सूचना के आधार पर पुलिस ने साइबर क्राइम करने वाले इन अपराधियों को पकड़ा है.

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या

पुलिस ने आरोपी सब-इंस्पेक्टर पति और ससुर को किया गिरफ्तार

संवाददाता। छपरा

जिले में दहेज की मांग को लेकर एक सब इंस्पेक्टर की पत्नी की ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा गला दबाकर हत्या कर दी गई है. इस संबंध में मृतका के मायके वालों ने विवाहिता के सब इंस्पेक्टर पति सहित ससुराल पक्ष के लोगों पर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है. मृतका के मायके वालों के आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मृतका के पति व ससुर को गिरफ्तार कर लिया है.

मृतका की पहचान सारण जिले के रिविलगंज थाना क्षेत्र के सिरसिया गांव निवासी सोनू कुमार गुप्ता की पत्नी ज्योति कुमारी के रूप में हुई है.

इस संबंध में मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराई है. घटना के संबंध में मृतका के चाचा छपरा शहर के बड़ा तेलपा निवासी विजय प्रसाद ने मृतका के पति सहित ससुराल वालों के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है. दर्ज प्राथमिकी में मृतका के परिजनों ने बताया कि अपनी बेटी ज्योति कुमारी की शादी 9 फरवरी 2022 को रिविलगंज थाना क्षेत्र के सिरसिया गांव निवासी सोनू कुमार गुप्ता के साथ की थी. सोनू कुमार बिहार पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं और वर्तमान में मुजफ्फरपुर जिले में पदस्थापित है.

कारोबार

गुजरात ने फिर से जुटाया है बड़ा निवेश

अहमदाबाद। गुजरात के वाहन क्षेत्र ने 2009 से बड़ा निवेश जुटाया है. इस साल टाटा मोटर्स ने अहमदाबाद से लगभग 50 किलोमीटर दूर साणंद में अपना नैनो विनिर्माण संयंत्र स्थापित किया था. तब से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने गुजरात में बड़े निवेश किए हैं और राज्य लगातार बड़े निवेश को आकर्षित कर रहा है. इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर बढ़ते वैश्विक बदलाव के साथ गुजरात सरकार खुद को एक अग्रणी ईवी विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहती है.

'2047 तक निम्न मध्यम आय वाला रहेगा भारत'

हैदराबाद। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि यदि 2047 (अमृत काल) तक भारत की संभावित वृद्धि दर सालाना औसतन छह प्रतिशत रहती है, तो यह निम्न मध्यम अर्थव्यवस्था बना रहेगा. इसके अलावा उस समय तक भारत का जनसांख्यिकीय लाभ भी समाप्त हो जाएगा. राजन ने 'मंथन' द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में आय वाली बात कही.

मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी ने इलेक्ट्रोलाइजर्स के लिए किया बिड

इलेक्ट्रोलाइजर की लगी बोली

भाषा। नयी दिल्ली

देश दो दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी का कारोबार दिनोंदिन तेजी से बढ़ रहा है. उनकी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी ग्रुप अब नयी जगह निवेश की तलाश में हैं. दोनों कंपनियों ने पिछले कुछ सालों में कई सेक्टर्स में अपनी पकड़ मजबूत की है और अब ग्रीन सेक्टर में अपनी धाक जमाना चाहते हैं. इसी के तहत दोनों कंपनियों ने इलेक्ट्रोलाइजर्स के लिए प्रोडक्शन लिंक ग्रांट के लिए बोली लगाई है. इस रेस में 21 और कंपनियां भी शामिल हैं. दरअसल मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी दोनों ने इलेक्ट्रोलाइजर्स के लिए प्रोडक्शन लिंक ग्रांट के लिए बिड किया है. दोनों ने ही इसके लिए बोली लगाई है. भारत सरकार ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रोलाइजर्स के उत्पादन के लिए करीब 19,930 करोड़ रुपए का ग्रांट देने जा रही है, जिसके लिए कंपनियां बोली लगा रही है. इस बोली में अडाणी-अंबानी आमने-सामने आ गए हैं.

रिलायंस इलेक्ट्रोलाइजर मेन्युफैक्चरिंग, अडाणी न्यू इंडस्ट्रीज, एलएंडटी इलेक्ट्रोलाइजर्स और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स समेत 21 कंपनियों ने इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण के लिए सरकार से प्रोत्साहन को बोली लगाई है. इस पहल के तहत कुल 3.4 गीगावाट वार्षिक क्षमता स्थापित की जानी है. इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग हाइड्रोजन उत्पादन के लिए किया जाता है. एक आधिकारिक बयान के अनुसार भारतीय सौर ऊर्जा निगम (सेकी) ने 1.5 गीगावाट इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता स्थापित करने के लिए बोलियां आमंत्रित की थीं.

इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माताओं के लिए बोलियां इस वर्ष सात जुलाई को आमंत्रित की गई थीं. सार्वजनिक क्षेत्र की सेकी ने 10 जुलाई को हरित हाइड्रोजन संचरण (साइट) योजना (मोड-1-किश्त-1) के तहत 4,50,000 टन हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए बोलियां भी आमंत्रित की थीं.

सेकी के बयान के अनुसार 21 कंपनियों ने 1.5 गीगावाट के प्रस्ताव के मुकाबले सालाना 3.4 गीगावाट इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण क्षमता स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन की बोली लगाई है. बयान के अनुसार बोली लगाने वाली अन्य कंपनियों में हिल्ड इलेक्ट्रिक प्राइवेट, ओहमियम ऑपरेशंस, जॉन कॉकरिल ग्रीनको हाइड्रोजन सॉल्यूशंस, वारी एनर्जीज, जिंदल इंडिया, अवाडा इलेक्ट्रोलाइजर, ग्रीन एच2 नेटवर्क इंडिया, अद्वैत इंफ्राटेक, एसीएमई क्लीनटेक सॉल्यूशंस और ओरियाना पावर शामिल हैं.

- 21 कंपनियों ने इसके लिए बोली लगाई है
- इसका उपयोग हाइड्रोजन उत्पादन में होता है

भारत का राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन

भारत ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत 17,490 करोड़ रुपये के ग्रीन हाइड्रोजन ट्रांज़िशन (साइट) कार्यक्रम के लिए रणनीतिक हस्तक्षेप के एक भाग के रूप में इलेक्ट्रोलाइज़र और ग्रीन हाइड्रोजन के विनिर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए दो योजनाएं शुरू की हैं. प्रोजेक्ट साइट का परिव्यय रु. 17,490 करोड़जो वित्त वर्ष 2030 तक राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन के लिए 19,744 करोड़ रुपये के बजट प्रावधानों द्वारा कवर किया जाएगा. दोनों योजनाएं भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) द्वारा एफवाई26 से एफवाई30 तक लागू की जाएंगी. इलेक्ट्रोलाइज़र विनिर्माण पर पहले घटक का बजट 4,440 करोड़ रुपये है जबकि ग्रीन हाइड्रोजन पर दूसरे घटक का कुल बजट रुपये है. 1

जगमगाती फैक्ट्री

ओडिशा के कलिंगानगर स्थित टाटा स्टील का जगमगाता परिसर.

जीएसटी रिटर्न : 5 साल में 65% बढ़कर 1.13 करोड़ हुई

भाषा। नयी दिल्ली

करदाताओं के अनुपालन में सुधार के कारण अप्रैल, 2023 तक पांच वर्षों में जीएसटी रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या लगभग 65% बढ़कर 1.13 करोड़ हो गयी. वित्त मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी. माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत पंजीकृत सक्रिय करदाताओं की संख्या बढ़कर 1.40 करोड़ हो गयी, जो अप्रैल 2018 में 1.06 करोड़ थी. मंत्रालय ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में फाइलिंग माह के अंत तक 90 प्रतिशत पात्र करदाता जीएसटीआर-3बी रिटर्न दाखिल कर रहे हैं. यह आंकड़ा जीएसटी लागू होने के पहले वर्ष 2017-18 में 68% था. मंत्रालय ने सोशल नेटवर्किंग मंच एक्स पर पोस्ट किया, जीएसटी नियमों और प्रक्रियाओं में सरलीकरण के परिणामस्वरूप पात्र करदाताओं द्वारा रिटर्न दाखिल करने का प्रतिशत बढ़ गया है. एक जुलाई, 2017 को राष्ट्रव्यापी जीएसटी लागू किया गया था.

बड़ी खरीद विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले सप्ताह नकद संभाग में 18847 करोड़ के शेयर खरीद

निफ्टी 22000 के स्तर पर पहुंचे तो लाभ लेने की प्रवृत्ति दिख सकती है

भारतीय शेयर मार्केट में तेजी की गति तो और भी अधिक प्रबल होती जा रही है. पिछले सप्ताह के अंतिम दोनों व्यापारिक दिनों गुरुवार तथा शुक्रवार को निफ्टी में ढाई ढाई सौ अंकों से अधिक की लगातार बढ़त देखी गई. सप्ताहांत के दिनों में इतनी बड़ी तेजी दर्शाती है कि भारतीय शेयर मार्केट के निवेशक परम उत्साह तथा विश्वास से भरें हैं. अब तो इसी तेजी तरंग में निफ्टी के 21900 तक जाने की भविष्यवाणी भी होने लगी हैं. कंपनियों की वर्तमान में प्रति शेयर सामूहिक आय के आधार पर मार्केट इन स्तरों पर थोड़े महंगे अवश्य हो गए हैं परंतु धन का प्रवाह इतना अधिक है कि कोई दुर्बलता न दिख रही, न आ रही है. फिर भी निफ्टी यदि 22000 के स्तरों के निकट पहुंचता है तो एक अच्छी लाभ ले लेने की प्रवृत्ति दिख सकती है. शेयर विशेष में तेजी रहेगी, रहती भी है. अतः अभी थोड़ी अतिरिक्त सावधानी के साथ ऐसे शेयरों को ढूंढ उनमें ही निवेश करना चाहिए. भारतीय शेयर मार्केट तो भाजपा की विधानसभा चुनावों में अच्छे प्रदर्शन से तेज हो ही रहे थे, अमेरिका में ब्याज दरों को यथावत रखने के निर्णय तथा वर्ष 2024 में दरों में कटौती आरंभ होने के संकेत देने से यूएस के मार्केट में बड़ा उछाल आया. इसने भी भारतीय शेयर मार्केट को और भी शक्ति प्रदान की.

शशांक भारद्वाज
वीपी व्हॉइस ब्रोकिंग

विगत सप्ताह निफ्टी में 487 अंकों की बढ़त रही. विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले सप्ताह नकद संभाग में 18847 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे. यह बहुत बड़ी खरीद थी. यह माना जा रहा है कि यूएस में ब्याज दरों में कमी से कई ट्रिलियन डॉलर लिक्विड फंड से इक्विटी मार्केट की ओर आयेंगे. ऐसा होता तो थोड़ी दीर्घ अवधि में भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों में अच्छी तेजी दिख सकती है. कम से कम गिरावट पर तो अच्छी खरीदारी आ सकती है. यूएस में मुद्रास्फीति की दर नवंबर में गिरकर 3.1 प्रतिशत आ गई. इस आधार पर तो वहां ब्याज दरों का उचित स्तर 4.1 प्रतिशत होता है जो अभी 5.5 प्रतिशत है. नवंबर 23 में भारत में म्यूचुअल फंड का आकार 50 लाख करोड़ रुपए हो चुका है. एएमफीआई ने 2030 में इसके 100 लाख करोड़ रुपए हो जाने की भविष्यवाणी की है. इस धन का बड़ा भाग शेयर मार्केट में लगेगा. इससे आप कल्पना कर सकते हैं कि आने वाले वर्षों में भारतीय शेयर मार्केट किन ऊंचाई पर पहुंचने की संभावना रखते हैं. निफ्टी का वित्तीय वर्ष 25 के लिए संभावित ईपीएस 1080 है. अतः निफ्टी अगले एक दो वर्षो में 23000 से 25000 का स्तर भी छू सकता है. भारतीय घरेलू संस्थानों ने पिछले सप्ताह में 2582 करोड़ रुपए के शेयर बेचे. वो लाभ ले लेने की मुद्रा में दिखे.

इंडेक्स फ्यूचर में एफआईआई अधिक खरीदारी नहीं कर रहे. वो भी अभी शेयर विशेष पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. निचले स्तरों से क्रूड बढ़कर 76.95 डॉलर प्रति बैरल हुआ है. भारत ने वेनेजुएला से भी तेल खरीदने की बात कही है. भारत के पास अब क्रूड के लिए एक और विकल्प है यूएस बॉन्ड यील्ड गिरकर 3.91 है. यूएस डॉलर इंडेक्स 102.59 हो गया है. डाउ वर्ष 2022 का बाद की कीर्तिमान ऊंचाई को छू चुका है. ये पूरे वैश्विक शेयर मार्केट के लिए अच्छा है. भारत के आर्थिक कारक अधिक शक्तिशाली होते जा रहें हैं. नवंबर माह तक का प्रत्यक्ष कर संग्रह 23.4 प्रतिशत वृद्धि के साथ 10.64 लाख करोड़ रुपए रहा है. विकास दर के इस वित्त वर्ष में 7.5 प्रतिशत वृद्धि की संभावना जताई जा रही है. बहुत कुछ अच्छा ही है परंतु अत्यंत लघु अवधि में बड़ा उछाल भी आया है. ऐसे में जिन शेयरों के बड़ा लाभ हो रहा, ले लें तथा जो शेयर उचित मूल्यों पर उपलब्ध हैं, उन्हीं में निवेश करना चाहिए. केमिकल शेयरों के तेजी दिख सकती है.

शुक्रवार को निफ्टी में 273 अंकों की बड़ी उछाल के पश्चात भी बढ़ने घटने वाले शेयरों की संख्या में बड़ा अंतर नही था. 1101 शेयर बढ़े तो 1012 शेयर गिरे. संकेत यह कि शेयर विशेष में मार्केट की तेजी का अंधा अनुकरण नहीं हो रहा है. अतः शेयर विशेष को ले अतिरिक्त सावधान रहें

खास बातें

- घटने वाले शेयरों की संख्या में बड़ा अंतर नहीं था
- 1101 शेयर बढ़े तो 1012 शेयर गिरे

टिकाऊ उपभोक्ता सामान की मांग में जोरदार उछाल

एजेंसी। नयी दिल्ली

शादी-विवाह के सीजन की वजह से हाल के दिनों में देश की प्रमुख घरेलू उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों की बिक्री में जोरदार उछाल देखने को मिला है. इस दौरान मुख्य रूप से गैर-महानगरों में शुरुआती स्तर के आमजन के इस्तेमाल के उत्पादों की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है. त्योहारी सीजन में प्रीमियम उत्पादों की मांग की वजह से इस उद्योग की बिक्री 15-20 प्रतिशत बढ़ी थी. शादियों की वजह से उनकी मांग में और उछाल आया है. नवंबर में कुछ शुरुआती प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद एलजी, गोदरेज अप्लायंसेज और पैनासोनिक जैसी कंपनियों ने वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर, टीवी, माइक्रो ओवन से लेकर छोटे रसोई उपकरणों तक के अपने उत्पादों पर वित्तपोषण योजनाओं के साथ-साथ अपने त्योहारी पेशकश को आगे बढ़ा दिया है. और उपकरण विनिर्माता संघ (सिएमा) के अध्यक्ष सुनील वाचानी ने कहा कि चालू शादी के मौसम से उद्योग में बड़े और प्रवेश स्तर के उत्पादों की मांग बढ़ने की उम्मीद है. उन्होंने कहा, दिवाली की त्योहारी धारणा और मौजूदा शादी-विवाह के सीजन के कारण कई कंपनियों ने नवंबर में सकारात्मक रुझान का अनुभव किया. व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के एक सर्वेक्षण में कहा गया है कि 23 नवंबर से शुरू हुए चालू शादी-विवाह के सीजन के दौरान लगभग 35 लाख शादियां होने की उम्मीद है, जिससे 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार होगा. गोदरेज अप्लायंसेज के कारोबार प्रमुख और कार्यकारी उपाध्यक्ष कमल नंदी के अनुसार, शादी का सीजन आमतौर पर त्योहारी सीजन के बाद अन्य उपकरणों के अलावा रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन की बिक्री को बढ़ावा देता है.

ब्रीफ खबरें

नीतीश के झारखंड दौरे को लेकर तैयारी जोरों पर

पाकुड़। बिहार के मुख्य मंत्री नीतीश कुमार के झारखंड अगमान को लेकर रविवार को जदयू के पार्टी कार्यकर्ताओं में काफी जोश एवं खुशी की मौहल है. इसको लेकर जदयू पार्टी के सभी जिला अध्यक्षों ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ पूरा जोरों शोरों से तैयारी में जुट गई है. रविवार पाकुड़ के गोकुलपुर स्थित लड्डू बाबु आम बगान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का झारखंड आगमन को लेकर जदयू के जिला अध्यक्ष गौतम मंडल ने सभी प्रखंड के पार्टी पदाधिकारी के साथ बैठक की.

सिंदरी में डोमगढ़ बचाओ मोर्चा ने की आमसभा

सिंदरी। डोमगढ़ बचाओ मोर्चा के बैनर तले रविवार को डोमगढ़ राइजिंग कल्ब में आमसभा का आयोजन किया गया. बैठक में एफसीआई प्रबंधन की नयी आवास नीति से डोमगढ़वासियों को महरुम रखने का पुरजोर विरोध किया गया. मोर्चा का नेतृत्व कर रहे भाजपा सिंदरी नगर उपाध्यक्ष धीरज सिंह ने कहा कि एफसीआई प्रबंधन सेल प्रबंधन के साथ मिलकर पूर्व से बेघर का दंश झेल रहे डोमगढ़वासियों के छत छीनने की साजिश रच रही है.

सिंदरी चर्च में हुआ क्रिसमस गैदरिंग

सिंदरी। सिंदरी के संत तेरेसा कैथोलिक चर्च में रविवार को बीआईटी सिंदरी के छात्रों और ईसाई समुदाय के लोगों ने क्रिसमस गेदरिंग कार्यक्रम का आयोजन किया. इसमें बीआईटी के लगभग 450 छात्र छात्रा और सिंदरी में रह रहे लगभग 40 ईसाई परिवारों ने भाग लिया. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से भगवान ईशु के जन्म की झांकी, नृत्य, गाना और सांता के हाथों उपहार वितरण किया गया. फादर नेस्टर सोरेन ने बताया कि ईसाई परिवार के लोगों के लिए क्रिसमस गेदरिंग एक मिलन समारोह का आयोजन किया गया है.

आवास खाली करने की चेतावनी से रोष

बरोरा। बीसीसीएल क्षेत्र संख्या-1 अंतर्गत मंडल केंदुआडीह स्थित जरलाही पेच जेनरल स्टोर के समीप लगभग 80 वर्षों से अनुसूचित जाति के लगभग एक दर्जन परिवार यानी 50 लोग रहे रहे हैं. यहां रहने वाले लोगों को बीसीसीएल प्रबंधन ने जगह खाली करने को कहा है, जिसको लेकर लोगों में रोष है. लोगों का कहना है कि वे लोग वर्षों से यहां रह रहे हैं. बीसीसीएल प्रबंधन एवं डेको कंपनी अचानक आकर तुगलकी फरमान जारी करते हुए हमलोगों को यहां से भाग जाने के लिए कहती है.

स्टील गेट क्षेत्र में आज चार घंटे गुल रहेगी बिजली

धनबाद। सोमवार को स्टील गेट क्षेत्र में पांच घंटे बिजली गुल रहेगी. बिग बाजार फीडर में मेंटेनेंस कार्य करने के लिए दिन के 12 बजे से दिन के चार बजे तक बिजली कटौती की जाएगी. इससे स्टील गेट, शांति कॉलोनी, नीलांचल कॉलोनी, चाणक्य नगर, रघुनाथ नगर, शक्ति विहार, हर्ष विहार कॉलोनी, सहयोगी नगर फेज एक एवं दो आदि क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी. उक्त जानकारी हीरापुर के सहायक अभियंता ने दी.

मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 36 मरीज चयनित

आदित्यपुर। आदित्यपुर दो रोड नंबर 19 स्थित आदिवासी कल्याण समिति क्लब में अस्तित्व संस्था का मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर तथा पूर्णिमा नेत्रालय द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया. चिकित्सक के रूप मेंरेणु शर्मा ने मरीजों का जांच कर के जरूरत अनुसार दवा का भी वितरण किया. इस अवसर पर नेत्र चिकित्सा के दौरान 36 मोतियाबिंद के मरीजों का चयन किया गया जिनको 23 तारीख को पूर्णिमा नेत्रालय ले जाया जाएगा फिर ऑपरेशन के बाद घर पहुंचा दिया जायेगा.

मध्यदेशीय वैश्य महासभा का हुआ विस्तार

लातेहार। रविवार को बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय में मध्यदेशीय वैश्य महासभा की एक बैठक आयोजित की गयी. बैठक मे प्रखंड कमेटी का विस्तार किया गया. सर्वसम्मति से मनोज प्रसाद को अध्यक्ष बनाया गया है. जबकि जितेंद्र कुमार साह ,आनंद प्रसाद व संजीव कुमार को उपाध्यक्ष, विजय प्रसाद को महामंत्री, विजय प्रसाद व दीपक कुमार गुप्ता को मंत्री, रविशंकर प्रसाद को कोषाध्यक्ष, विवेक कुमार को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया है.

जिला स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का हुआ समापन

पुरुष व महिला वर्ग में चास की टीम विजेता

संवाददाता । बोकारो

बोकारो के सेक्टर 4 स्थित एमजीएम हाई सेकेंडरी स्कूल के फुटबॉल मैदान में पर्यटन, कला, संस्कृति, एवं खेलकूद, युवा कार्य विभाग अंतर्गत खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय रांची के आदेशानुसार जिला खेल कार्यालय बोकारो के द्वारा आयोजित जिला स्तरीय मुख्यमंत्री फुटबॉल प्रतियोगिता 2023 का समापन रविवार को हुआ.

इस दौरान समापन प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे उप विकास आयुक्त कीर्तिश्री एवं आयोजन पदाधिकारी के रूप में जिला खेल पदाधिकारी हेमलता, विशिष्ट अतिथि के रूप में एमजीएम हाई सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाध्यापिका एनसी वर्गिस, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव गोपाल ठाकुर के द्वारा विजेता एवं उपविजेता टीम को मेडल एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया. प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में फाइनल मुकाबला चास प्रखंड एवं कसमार प्रखंड के बीच खेला गया, जिसमें दोनों टीम एक-एक गोल के साथ बराबर हुए. ट्राई ब्रेकर के द्वारा विजेताओं का निर्णय किया गया, जिसमें चास पुरुष टीम विजेता बनी एवं कसमार की टीम उपविजेता रही. महिला वर्ग के फाइनल में एक ही टीम चास उपस्थित रही, जिन्हेंने जोनल के लिए सीधे क्वालीफाई किया. आयोजन में बोकारो जिला प्रशासन, जिला खेल कार्यालय के सभी कर्मचारी, खेल प्रशिक्षक चौहान महतो, निर्णायक रेफरी के रूप में महेंद्र कुमार, रमेश महतो, विश्वनाथ महतो, चिंतामनी, विनोद बोदरा, हीरालाल महतो, डोली कुमारी मौजूद थे.

सहायक अध्यापक का निधन, मुआवज़े की मांग

लातेहार। सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, जगलदग्गा में कार्यरत सहायक अध्यापक रामदायल उरांव का आकस्मिक निधन हो गया. उनके निधन पर एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार व महासचिव अनूप कुमार ने शोक प्रकट किया. उन्होने सहायक अध्यापकों के प्रति सरकार की कार्यशौली पर सवालिया निशान उठाते हुए कहा कि सरकार के पास दिवगंत होने वाले सहायक अध्यापकों के लिए कोई नीति नहीं है. सरकार इन्हें किसी प्रकार की आर्थिक व अन्य सहायता नहीं देती है. जो शिक्षक लगभग 20 वर्षों तक सहायक अध्यापक के रूप में अपन सेवाये दी. उसके निधन के बाद उसके परिवार व बाल बच्चों को सरकार एक रूपये की भी मदद नहीं करती है.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

झारखंड का राजकीय पुष्प कौन-सा हैं?
पलास

झारखंड में बेतला नेश्जनल पार्क की स्थापना कब हुई थी?
1986 में

झारखंड में कितने जिले नए बनाए गए हैं?
6 राज्य

राज्य के किस जिले में तोपचांची झील स्थित हैं?
धनबाद

झारखंड से होकर कितने राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरते हैं?
13 राजमार्ग

किस जिलें में राजमहल फासिल अभ्यारण्य स्थित हैं?
साहिबगंज

राज्य में कुएं से सिंचाई की जाने वाला क्षेत्र हैं?
गुमला

झारखंड में लौहे इस्पात के उत्पादन कब शुरु हुआ था?
1913

झारखंड में एल्युमिनियम उद्योग की स्थापना कब हुई थी?
1937 ई. में

किन चट्टानों को धात्विक खनिज का भंडार कहा जाता हैं?
धारवाड़ युगीन

एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभम संदेश व लगातार न्यूज बना मीडिया पार्टनर

18 इवेंट में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

सुकेश कुमार । चाईबासा

विजेता विद्यार्थियों को पदक व प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

प्रखंड स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले खिलाड़ियों को पदक देकर सम्मानित किया गया. अतिथियों के हाथों पदक व प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया. बता दें कि प्रखंड स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चयन खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे.

चक्रधरपुर प्रखंड के रोलाडीह हाई स्कूल मैदान में रविवार को प्रखंड स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें 18 इवेंट में 200 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए. प्रखंड स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का मीडिया पार्टनर शुभम संदेश व लगातार न्यूज था. प्रतियोगिता सुबह 10 बजे से आरंभ हुआ जो देर रात तक चला. प्रत्येक इवेंट में लगभग 12 से 13 खिलाड़ी शामिल हुए. इसमें बालक व बालिका खिलाड़ी हिस्सा लिया. प्रतियोगिता में बतौर मुख्य अतिथि हतनातोडंग पंचायत के मुखिया बेलमति बंकीरा शामिल हुए. उन्होंने दैनिक अखबार शुभम संदेश की सराहना करते हुए कहा कि एक राज्य एक अखबार के तहत एक विश्वसनीय अखबार है. उन्होंने प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए. यदि खिलाड़ी खेल में पराजित हुए तो खिलाड़ी को निराश नहीं होना चाहिए. उन्होंने कहा कि हार जीत होते रहती है. उन्होंने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम एथलेटिक संघ बहुत ही सक्रिय तरीके से प्रखंड में प्रतियोगिता करा रही है, जो खिलाड़ियों के लिए बेहतर मंच है. कार्यक्रम में चक्रधरपुर भाग 2 के जिला परिषद सदस्य लक्ष्मी हसदा, आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष रामलाल मुंडा, भारतीय जनता पार्टी के एसटी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विजय मेलगंडी, चक्रधरपुर प्रखंड के कांग्रेस अध्यक्ष विजय समाड, पीपल्स वेलफेयर के सचिव विजय गागराई ने भी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं है. इस तरह से खेल का मंच मिलना चाहिए. इससे खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ता है. कार्यक्रम का संचालन प्रखंड एथलेटिक्स संघ के सलाहकार पंडित कुमार महतो ने किया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से सूर्य नर्सिंग कॉलेज के डायरेक्टर सह प्रखंड एथलेटिक संघ के संरक्षक गौरीशंकर महतो, शुभम संदेश के जिला ब्यूरो चीफ सुकेश कुमार, जन रक्षा संघर्ष समिति के अध्यक्ष अशोक तांती, यूनिक कोचिंग सेंटर के डायरेक्टर प्रदीप महतो, टोकलो थाना के पुलिस पदाधिकारी ई अहमद खान, एथलेटिक्स प्रखंड संघ के अध्यक्ष कपिल देव महतो, सचिव राजेश कुमार महतो, जिला एथलेटिक संघ के महासचिव अजय कुमार नायक, मंतोष महतो, कश्मीर कांडियांग समेत काफी संख्या में अतिथि शामिल हुए.

खास बातें

- प्रत्येक इवेंट में लगभग 12 से 13 खिलाड़ी हुए शामिल
- चयन खिलाड़ी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

मुख्यालय का आदेश, 51 एएसआई को दरोगा रैंक में मिलेगी प्रोन्नति

संवाददाता । रांची

एएसआई को दरोगा रैंक में प्रोन्नति मिलेगी. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने आदेश जारी किया है. इसको लेकर बीते 24 नवंबर को पुलिस मुख्यालय में केंद्रीय चयन पर्षद की बैठक हुई थी, जिसमें 51 एएसआई प्रोन्नति योग्य पाये गये. जबकि 20 एएसआई प्रोन्नति के लिए अयोग्य पाये गये.

इन 51 एएसआई को दरोगा रैंक में मिलेगी प्रोन्नतिः एएसआई को दरोगा रैंक में प्रोन्नति पाने वाली लिस्ट में गुप्तेश्वर सिंह, सुरेंद्र दास, दिलीप सिंह, चंद्रभूषण प्रताप सिंह, शिवजी सिंह, अखिलेश कुंवर सत्येंद्र नारायण सिंह,आनंद भूषण सिंह, अरविंद सिंह, मिनेश यादव, नवल किशोर सिंह, सुरेन्द्र कुमार सिंह 3, शैलेंद्र कुमार, सुभाष सिंह, अनिल सिंह 2, योगेंद्र शर्मा, संजय यादव, रेमेंत पान, धनंजय सिंह, ओम प्रकाश, ममता कुमारी, साहेब कुंवर, राम प्रवेश शर्मा, शैलेंद्र शर्मा, राधाकृष्ण सिंह, अशोक पासवान, हरिनारायण सिंह, बोधी साव, करुण कुमार राय, कृष्ण देव प्रसाद, निरंजन सिंह, नागेश्वर मेहता, ललन सिंह, विरेंद्र गुप्ता, हरिनंदन मिश्रा, सुधीर कुमार ठाकुर, राजनाथ यादव, राम बदन सिंह, चमारी यादव, जावेद आलम खां, अश्विनी झा, राम जनम प्रसाद, मुद्रिका प्रसाद, अर्जुन यादव, मनोहर पासवान, आशीष कुमार, राम प्रसाद पासवान, विजय कुमार, आशीष पासवान, मांझी मुर्मू, धारो उरांव और जय किशोर सिंह शामिल हैं.

अबुआ योजना में लोगों की दिलचस्पी अधिक

धनबाद। जिले में चल रही आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम से ग्रामीणों के साथ-साथ शहरी आबादी भी लाभान्वित हो रही है. लोग स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, कृषि, पेंशन आदि योजनाओं के लिए बढ़-चढ़ कर आवेदन जमा कर रहे हैं. इसमें से कुछ लोगों को ऑन द स्पॉट वहीं शेष बचे लोगों को तय समय सीमा में योजना का लाभ दिया जा रहा है. एक दिन पूर्व जिले के विभिन्न पंचायत व नगर निगम में आयोजित शिविरों से कुल 26701 आवेदन प्राप्त हुए. इसमें से 24215 आवेदनों की ऑनलाइन एंट्री की गई.

सीएम के कार्यक्रम को लेकर डीसी ने लिया स्थल का जायजा

संवाददाता । धनबाद

आगामी 22 दिसंबर को बलियापुर में होने वाले मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर रविवार को डीसी वरुण रंजन ने बलियापुर के मोदीडीह स्थित हवाईपट्टी का निरीक्षण किया. उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को हवाई पट्टी में होने वाले जिला स्तरीय आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के लिए तैयार करने का निर्देश दिया. साथ ही तैयारियों को लेकर विभिन्न विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की. स्थल पर वाहनों की पार्किंग, मूलभूत सुविधाओं यथा पेयजल, शौचालय आदि लोगों के शिविर तक आने के लिए सुविधा, शिविर के दौरान लोगों के बैठने की व्यवस्था आदि को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों को स्टॉल लगाकर स्टॉल के माध्यम से लोगों को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित व उनकी शिकायतों का निष्पादन करने का निर्देश दिया. डीसी ने बताया कि सरकार का अभी ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष फोकस है. इसलिये इस बार 22 दिसंबर को जिला स्तरीय कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें मुख्यमंत्री शामिल होंगे.

इस कार्यक्रम में 10 से 15 हजार लोगों की आने की संभावना है, इसको लेकर तैयारी की जा रही है. इस कार्यक्रम के अलावा विभिन्न पंचायत एवं नगर निकाय में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चलता रहेगा. पंचायत के लोगों से मुख्यमंत्री के संवाद के लिये वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की भी व्यवस्था की जाएगी. कार्यक्रम में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेगा. मौके पर जिला के सभी पदाधिकारी मौजूद रहें.

फैशन स्टिक शो में गोमो की बेटियों ने लहराया परचम

संवाददाता । गोमो

बिहार के नवादा में शनिवार को आयोजित फैशन स्टिक शो में गोमो की दो बेटियों ने परचम लहराया है. न्यू कॉलोनी सिक लाइन गोमो निवासी सुब्रत भूमिक की पुत्री स्वस्तिका भौमिक फैशन शो कंपटीशन का विनर रही. वहीं मंटू चौधरी की पुत्री अमीषा चौधरी रनर अप रही. मिस बिहार की विजेता और उपविजेता का किताब गोमो की दो बेटियों ने जीतकर रेल नगरी गोमो सहित पूरे झारखंड का नाम रोशन किया है. रविवार की शाम गोमो आने पर स्टेशन में मित्र और सगे संबंधियों ने दोनों बेटियों को फूल माला पहनाकर स्वागत किया. इस मौके पर स्वस्तिका भौमिक और अमित चौधरी ने बताया कि फैशन डिजाइनर का कंपटीशन काफी टफ था. पुरुष एवं महिला वर्ग में अलग-अलग 80 कंपीटीटर्स अन्य बिहार, झारखंड, बंगाल और उत्तर प्रदेश आदि राज्यों से भाग लिए थे. जिसमें पांच राउंड की प्रक्रिया में सफलता पाने के बाद अंतिम फाइव में विजेता और उपविजेता की घोषणा की गई.

प्रशस्ति पत्र और उपहार से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर आयोजन समिति के डायरेक्टर मिस्टर सिद्धार्थ और ऑर्गेनाइज मिस्टर करण रुद्र सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे.

शिविर में आवास के लिए जुटी भीड़

संवाददाता । मैथन

एग्यारकुंड प्रखंड क्षेत्र के शिवलीबाड़ी मध्य पंचायत में रविवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में सबसे अधिक भीड़ अबुआ आवास के महिला लाभुकों की रही. भीड़ इतनी थी कि आवेदन फार्म लेने और जमा करने के लिए महिलाओं को लंबी कतार में घंटों खड़ा रहना पड़ा. धोती लूंगी साड़ी और कंबल लेने की भी होड़ मची रही. नया आधार कार्ड बनाने के लिये गये लोगों को मायूसी हुई. साइट खुला नहीं रहने के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा.

सावित्री बाई फूले योजना का लाभ लेने पहुंची कुछ छात्राओं को मायूसी हुई. आवेदन फार्म पर स्कूल के प्रधानाध्यापक का हस्ताक्षर नहीं रहने के कारण उनका फार्म जमा नहीं लिया गया. छात्राओं ने मौके पर उपस्थित बीडीओ विनोद कर्मकार से शिकायत की. कहा कि प्रधानाध्यापक ने आवेदन पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया. नोडल पदाधिकारी शिक्षक प्रमोद झा ने प्रधानाध्यापक से दूरभाष पर छात्राओं के आवेदन पर हस्ताक्षर करने की बात कही. उच्च व तकनीकी शिक्षा के लिये गुरू शिष्य क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ लेने के लिये भी छात्र छात्राओं को आवेदन करते देखा गया. बीडीओ कर्मकार ने कहा कि 4% ब्याज पर अधिकतम 15 लाख तक राज्य सरकार ऋण मुहैया करायेगी. आवेदन जमा करने के एक माह के भीतर उन्हें क्रेडिट कार्ड मिल जायेगा. वहीं बिजली विभाग के खिलाफ भी लोगों ने कई शिकायतें की. खासकर शिवलीबाड़ी मुण्डाधौड़ा से शिकायत मिली की छह माह से दो पोल गिरा हुआ है. लेकिन उसे गड़वाने की दिशा में कोई पहल नहीं की जा रही है. जिसके कारण लो वोल्टेज का सामना करना पड़ रहा है.

राशन कार्ड में नाम जोड़ने को लेकर भी लोग परेशान दिखे. इससे पहले दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया. मौके पर मुखिया अनामिका देवी, जिप सदस्य गुलाम कुरैशी, उप प्रमुख विनोद दास, सांसद प्रतिनिधि डीएन पाठक के अलावे सीओ कृष्ण कुमार मरांडी मुख्य रूप से थे.

पेज एक का शेष

19 की बैठक में लगी रहेंगी पूरे देश की निगाहें: पांच विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद इंडिया गठबंधन की यह चौथी बैठक होने जा रही है. तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद यह बैठक काफी अहम मानी जा रही है. इस बैठक में लोकसभा की चुनाव की तैयारी को लेकर कई अहम निर्णय होंगे. जिसमें संयुक्त रूप से चुनावी अभियान, सभा, कार्यक्रम और सीटों का बंटवारा अहम होगा. बैठक में स्टेट वार सभी को कुछ अहम जिम्मेवारी दी सकती है. यह भी बतातें चलें कि विधानसभा चुनाव के दौरान इंडिया गठबंधन की गतिविधि एकदम ठप सी हो गयी थी. इसको लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी नाराजगी जता चुके थे. ममता बनर्जी भी अंदर से नाराज चल रही थी. इसके बाद राहुल गांधी ने पहल करते हुए खुद ममता बनर्जी से बात की. खबरें निकल आयीं कि ममता बनर्जी मान गयी हैं. इस बैठक में नीतीश कुमार शामिल होंगे या नहीं यह भी अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है.

सीट शेयरिंग को लेकर झामुमो का रुख करीब-करीब स्पष्ट: लोकसभा चुनाव को लेकर झामुमो का रुख एकदम स्पष्ट है. झामुमो गत लोकसभा की सीट शेयरिंग का फार्मूला नहीं मानेगा. झामुमो का स्पष्ट मानना है कि गत विधानसभा चुनाव के बाद झारखंड की राजनीतिक परिस्थिति काफी बदल चुकी हैं. यहां पर झामुमो बड़े भाई की भूमिका में है. इसलिए झामुमो पिछली बार की तरह केवल चार सीट पर नहीं मानेगा. कम से कम 6 से 7 सीट पर झामुमो दावेदारी करेगा. ऐसे में झारखंड कांग्रेस के लिए झामुमो को साथ लेकर चलना और गठबंधन करना इस बार थोड़ा कठिन टॉस्क होगा. हालांकि यह कांग्रेस आलकमान तय करेगा कि झारखंड में लोकसभा गठबंधन का क्या स्वरूप रहेगा.

21 को नीतीश झारखंड में करेंगे राजनीतिक इंट्री: झारखंड प्रदेश जदयू में भी लोकसभा चुनाव के पहले राजनीतिक हलचल तेज हो गयी है. बिहार के सीएम नीतीश कुमार 21 को झारखंड में राजनीतक इंट्री होने जा रही है. इसे लोकसभा चुनाव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है. नीतीश कुमार रामगढ़ में जोहार नीतीश कार्यक्रम में शामिल होंगे. यह एक तरह से राजनीतिक सभा ही होगी. रामगढ़ का चुना जाना भी जदयू के राजनीतिक एजेंडे के तहत ही हुआ है. रामगढ़, हजारीबाग और गिरिडीह कुर्मी महतो बहुल क्षेत्र हैं. इस कारण आगामी लोकसभा को देखते हुए यह सभी काफी अहम मानी जा रही है.हो सकता है कि जदयू इस कार्यक्रम के बाद कुरमी बहुल एक लोकसभा की मांग करे.

पति न कर दिया मुकदमा, तो...
बेटे के जन्म के बाद वह नौकरी के बहाने अपने माता-पिता के घर पर ही रह रही है.

कोर्ट ने पति से मांगा 25 जनवरी तक जवाब : न्यायमूर्ति वीडी नानावती ने पूछा, अगर पति अपनी पत्नी को अपने साथ आने और रहने के लिए कहता है, तो इसमें गलत क्या है? क्या उसे मुकदमा करने का अधिकार नहीं है? न्यायाधीश ने कहा कि इस मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता है. कोर्ट ने पति से 25 जनवरी तक जवाब भी मांगा है.

विरोध एआईडीएसओ के कोल्हान प्रमंडल स्तरीय शिक्षा कन्वेंशन में वक्ताओं ने कहा -

नई शिक्षा नीति निजीकरण और साम्प्रदायीकरण का ब्लूप्रिंट

संवाददाता । जमशेदपुर

छात्र संघर्ष कमेटियों का गठन करें

सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए एआईडीएसओ के प्रदेश सचिव सोहन महतो ने कहा कि नयी शिक्षा नीति-2020 का ही नतीजा है कि स्कूल-कॉलेजों और केंद्रीय समेत सभी विश्वविद्यालयों में बेतहाशा फीस वृद्धि हो रही है. कोल्हान प्रमंडल में स्थाई शिक्षकों के अनेक पद रिक्त हैं. उन्होंने छात्रों से बड़े पैमाने पर वोलेंटियर बनने व बनाने तथा हर स्तर पर छात्र संघर्ष कमेटियों का गठन करने की अपील की.

ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एआईडीएसओ) की झारखंड राज्य कमेटी की ओर से चाईबासा के उर्दू लाइब्रेरी हॉल में कोल्हान प्रमंडल शिक्षा कन्वेंशन का आयोजन किया गया. इसमें नयी शिक्षा नीति का विरोध किया गया. छात्र कंवेंशन में पश्चिम सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले से करीब 300 से अधिक छात्र प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. छात्र प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में पेश किये गये मुख्य प्रस्ताव के समर्थन में अपने विचार रखे.

संगठन के अखिल भारतीय सचिव मंडल सदस्य सह प्रदेश अध्यक्ष समर महतो ने कहा कि छात्रों और शिक्षा प्रेमियों की यह सिर्फ शिक्षा बचाने की ही लड़ाई नहीं, बल्कि सभ्यता और इंसानियत बचाने की भी लड़ाई है. कोल्हान प्रमंडल में भी प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा की बदहाली चरम पर है. सरकार द्वारा शिक्षा बजट में कटौती एवं आवश्यक संसाधनों की कमी किये जाने की वजह से आज सार्वजनिक शिक्षा हांफ रही है. सरकार द्वारा लायी गयी नयी शिक्षा नीति-2020 बची-खुची सरकारी शिक्षा को भी समाप्त कर रही है. यह शिक्षा नीति शिक्षा के निजीकरण, व्यापारीकरण व साम्प्रदायीकरण के ब्लूप्रिंट के सिवा कुछ नहीं है.

एआईडीएसओ पश्चिम बंगाल राज्य सचिव मंडल सदस्य सुदीप दत्ता ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 सरकारी शिक्षा व्यवस्था को समूल नष्ट करने तथा शिक्षा का सम्पूर्ण व्यवसायीकरण करने की नीति है.

लीग ला लीगा : खिताबी दौड़ में बार्सिलोना और एथलेटिको मैड्रिड की टीम पिछड़ी

लगातार तीसरे मैच में जीत हासिल करने में नाकाम रही बार्सिलोना की टीम, बार्सिलोना ने वेलेंसिया के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला

भाषा । बार्सिलोना

बार्सिलोना और एथलेटिको मैड्रिड स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में खिताब की दौड़ में पिछड़ गए हैं जबकि सेविला ने लगातार हार के कारण अपने कोच डियागो अलोंसो को बर्खास्त कर दिया है. बार्सिलोना ने वेलेंसिया के साथ मैच 1-1 से ड्रॉ खेला. यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार तीसरा मैच है, जब बार्सिलोना जीत हासिल करने में नाकाम रहा. एथलेटिको एक अन्य मैच में एथलेटिक बिलबाओ से 2-0 से हार गया. इस जीत से एथलेटिक शीर्ष चार में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है. बार्सिलोना के अब 17 मैच में 35 अंक हो गए हैं और वह शीर्ष पर काबिज गिरोना से छह और दूसरे नंबर की टीम रियाल मैड्रिड से चार अंक पीछे है. इन दोनों टीम ने बार्सिलोना से एक मैच कम खेला है.

खास बातें

- एथलेटिको मैड्रिड को एथलेटिक बिलबाओ ने हराया
- गिरोन व रियाल मैड्रिड के बाद तीसरे स्थान पर है बार्सिलोना

एटलेटिको हार के बावजूद बार्सिलोना से एक अंक पीछे चौथे स्थान पर है. एटलेटिको के 16 मैच में 34 जबकि एथलेटिक के 17 मैच में 32 अंक हैं और वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है. इस बीच सेविला ने गेटाफे के हाथों 3-0 से हार झेलने के बाद अपने कोच अलोंसो को बर्खास्त कर दिया. अलोंसो के अक्टूबर में टीम से जुड़ने के बाद सेविला ने लीग में जो आठ मैच खेले, उनमें उसे जीत नहीं मिली. इस बीच चैंपियंस लीग में उसने अपने चारों मैच गंवाए.

सेविला ने हार के बाद कोच को बर्खास्त किया

ईपीएल: लॉकयर को मैदान पर पड़ा दिल का दौरा, मैच रद्द

लंदन । ल्यूटन के कप्तान टॉम लॉकयर इस साल दूसरी बार दिल का दौरा पड़ने के कारण मैदान पर गिर पड़े जिसके कारण बोर्नमाउथ में खेला जा रहा इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता का मैच रद्द करना पड़ा. ल्यूटन ने बताया कि लॉकयर को तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है. उनका परिवार उनके साथ है. वेल्स का यह डिफेंडर मैच के 59वें मिनट मैदान पर गिर पड़ा था. दोनों टीम के खिलाड़ी तुरंत ही उनके पास पहुंचे. ल्यूटन के कोच रॉब एडवर्डस भी तुरंत मैदान में चले गए. वह काफी परेशान दिख रहे थे. इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को मैदान पर ही उपचार दिया गया और बाद में उन्हें स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया गया. तब तक उनकी स्थिति में थोड़ा सुधार हो गया था. उस समय मैच 1-1 से बराबरी पर था और रेफरी साइमन हूपर ने मैच को रद्द करने का फैसला किया. मैच रद्द किए जाने के बाद भी दर्शक स्टेडियम में मौजूद रहे. वे लॉकयर के समर्थन में नारे लगा रहे थे.

ब्रीफ खबरें

तनीषा-ध्रुव ने ओडिशा मास्टर्स खिताब जीता

कटक । तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की भारतीय जोड़ी ने रविवार को यहां बेहद रोमांचक फाइनल में ही योंग केइ टेरी और टेन वेइ हेन जेसिका की सिंगापुर की जोड़ी को हराकर ओडिशा मास्टर्स सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट का मिश्रित युगल का खिताब जीता. बीस साल की तनीषा और 23 साल के ध्रुव ने पहला गेम गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए एक घंटे और 14 मिनट में 17-21 21-19 23-21 से जीत दर्ज की. बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर कैलेंडर के साल के इस अंतिम टूर्नामेंट में महिला एकल के अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने अन्य सभी चार वर्ग के फाइनल में जगह बनाई है.

रमनदीप कौर ने जीता लाइट फ्लाईवेट खिताब

हैदराबाद । पंजाब की रमनदीप कौर ने आठ राउंड तक चले मुकाबले में विभाजित निर्णय से हरियाणा की ममता सिंह को हराकर लाइट फ्लाईवेट डिवीजन में प्रतिष्ठित डब्ल्यूबीसी इंडिया खिताब जीता. भारतीय मुक्केबाजी परिषद (आईबीसी) से स्वीकृत प्रतियोगिता में शनिवार को गाचीबोवली स्टेडियम में दो खिताबी मुकाबलों - डब्ल्यूबीसी इंडिया और डब्ल्यूबीसी मिडिलईस्ट सहित कुल 10 मुकाबले हुए. शीर्ष रैंकिंग की रमनदीप ने पेशेवर वर्ग में अपने 14वें मुकाबले में अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया और ममता के लगातार चार जीत के अभियान पर रोक लगाई.

विल यंग के शतक से न्यजीलैंडकी टीम जीती

डुनेडिन (न्यूजीलैंड) । विल यंग के 105 रन और टॉम लाथम के 92 रन की मदद से न्यूजीलैंड ने रविवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ बारिश के कारण 30-30 ओवर के किये गये पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में 44 रन से जीत हासिल की. यंग और लाथम ने तीसरे विकेट के लिए ऐसे समय में 176 रन की भागीदारी निभायी जब टीम ने अपने दो विकेट पहले ही ओवर में गंवा दिये थे. यह साझेदारी न्यूजीलैंड की पारी के लिए अहम साबित हुई और टीम ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सात विकेट पर 239 रन बनाये.

04 विकेट चटकाए आवेश खान ने | **05** विकेट चटकाए अर्शदीप सिंह ने | **08** विकेट से जीती भारतीय टीम | **200** गेंद शेष रहते हुए भारत ने हासिल किया लक्ष्य

वनडे श्रृंखला : एकतरफा मुकाबले में भारतीय टीम जीती

अर्शदीप और आवेश की आंधी में उड़ा द. अफ्रीका

भाषा । जोहानिसबर्ग

भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आवेश खान की शानदार गेंदबाजी से पहले एकदिवसीय में रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका की पारी को सस्ते में समेटने के बाद 200 गेंद बाकी रहते आठ विकेट की प्रभावशाली जीत दर्ज की. इस जीत से टीम ने तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त ले ली. अपने शुरुआती तीन वनडे में एक भी विकेट लेने में विफल रहे अर्शदीप ने 10 ओवर के कोटे में 37 रन देकर पांच विकेट लिये जबकि आवेश ने आठ ओवर में 27 रन पर चार विकेट चटकाये.

एक सफलता कुलदीप यादव (तीन रन पर एक विकेट) को मिली. विश्व कप के बाद अपना पहला एकदिवसीय खेल रहे भारत ने 27.3 ओवर के अंदर महज 116 रन पर दक्षिण अफ्रीका की पारी को समेटने के बाद सिर्फ 16.4 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया.

अर्शदीप व आवेश के पास था हैट्रिक लेने का मौका, चूके

इस दौरान अर्शदीप और आवेश दोनों के पास हैट्रिक विकेट लेने का मौका था लेकिन वे चूक गये. अर्शदीप पारी के दूसरे ओवर में लगातार गेंदों पर हेंड्रिक्स और रासी वान डर डुसेन को खाता खोले बगैर आउट करने के बाद पावरप्ले के अंदर चार विकेट चटकाये. इसमें आक्रामक बल्लेबाजी करने वाले टोनी डी जोरजी (28) और हेनरिक क्लासेन (06) का विकेट भी शामिल है. जोरजी ने 22 गेंद की अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के लगाये. पावरप्ले के बाद गेंदबाजी आक्रमण पर आये आवेश ने अपनी पहली गेंद पर कप्तान एडेन मार्कराम (12) को अंदर आती गेंद पर बोल्ड किया और फिर अपनी तेज गति से अनुभवी डेविड मिलर (02) को चकमा देकर चलता किया. वहीं, दक्षिण अफ्रीका के ओपनर रीजा हेंड्रिक्स, रासी वान डर डसन और वायन मुल्डर खाता खोले बगैर ही आउट हो गए.

सुदर्शन का डेब्यू में शानदार प्रदर्शन

भारत से बल्लेबाज साई सुदर्शन को इस मैच मेंडेब्यू करने का मौका मिला. उन्होंने अपने डेब्यू में शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 55 रन बनाए. वह ऋतुराज गायकवाड के साथ ओपनिंग करने उतरे. टीम में संजू सैमसन और तिलक वर्मा को भी मौका मिला.

ईशान दक्षिण अफ्रीका टेस्ट श्रृंखला से बाहर

सेंचुरियन । भारतीय टीम के मुख्य विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन व्यक्तिगत कारणों से स्वदेश रवाना हो गये हैं जिससे वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का हिस्सा नहीं हो पायेंगे. कोना भरत को मुख्य टीम में शामिल किया गया है जो इस समय कप्तान के तौर पर भारत 'ए' टीम के साथ दक्षिण अफ्रीका में हैं. भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा कि ईशान किशन ने व्यक्तिगत कारणों से बीसीसीआई से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला के लिए रिलीज किये जाने का अनुरोध किया है. इसलिये इस विकेटकीपर को टेस्ट टीम से हटा दिया गया है.

आओ जानें

पुरुष हॉकी रैंकिंग

टीम	सीएफ	अंक
नीदरलैंड	यूरोहॉकी	3076.15
बेल्जियम	यूरोहॉकी	2988.56
भारत	एशियाई हॉकी महासंघ	2780.34
इंगलैंड	यूरोहॉकी	2720.63
जर्मनी	यूरोहॉकी	2689.19
ऑस्ट्रेलिया	ओशिनिया हॉकी फेडरेशन	2544.57
अर्जेंटीना	पैन अमेरिकन हॉकी फेडरेशन	2410.93
स्पेन	यूरोहॉकी	2347.32
फ्रांस	यूरोहॉकी	2085.06
कोरिया	एशियाई हॉकी महासंघ	1939.64

साल्ट ने जड़ा शतक, इंग्लैंड की टीम जीती

वेस्टइंडीज की टीम पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे

भाषा । सेंट जॉर्ज (ग्रेनाडा)

सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट के नाबाद शतक की मदद से इंग्लैंड ने 223 रन के बड़े लक्ष्य को हासिल करके वेस्टइंडीज को तीसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में एक गेंद शेष रहते हुए सात विकेट से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला जीवंत रखी. साल्ट ने 56 गेंद पर नाबाद 109 रन बनाए जिसमें चार चौके और नौ छक्के शामिल हैं. उन्होंने कप्तान जोस बटलर (34 गेंद पर 51 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई. इन दोनों के अलावा लियाम लिविंगस्टोन ने 30 और हैरी ब्रूक ने नाबाद 31 रन का

योगदान दिया जिससे इंग्लैंड ने 19.5 ओवर में तीन विकेट पर 226 रन बनाकर जीत दर्ज की. इंग्लैंड को आखिरी ओवर में 21 रन चाहिए थे. ब्रूक ने आंद्रे रसेल के इस ओवर में तीन छक्के और एक चौका जड़कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया. इससे पहले वेस्टइंडीज ने 6 विकेट पर 222 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था. उसकी तरफ से निकोलस पूरण ने 45 गेंद पर 82 रन बनाए जिसमें छह चौके और इतने ही छक्के शामिल हैं.

उनके अलावा कप्तान रोवमैन पावेल ने 39, शेरफेन रदरफोर्ड ने 29 ने और शाई होप ने 26 रन का योगदान दिया. वेस्टइंडीज ने पहले दोनों मैच जीते थे और अभी वह पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 से आगे है. चौथा मैच मंगलवार को त्रिनिदाद में खेला जाएगा.

एबेन्यो और केबेडे ने जीती 25के दौड़

भाषा । कोलकाता

कीनिया के डेनियल सिमियू एबेन्यो और इथियोपिया की सुटुमे असेफा केबेडे ने रविवार को यहां टाटा स्टील कोलकाता 25के (25 किमी) में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में नया मीट रिकॉर्ड बनाते हुए खिताब अपने नाम किये. इबेन्यो ने एक घंटे 11 मिनट और 13 सेकेंड का समय निकालकर साथी कीनियाई एथलीट लियोनार्ड बारसोटोन्स के एक घंटे 12 मिनट 49 सेकेंड के रिकॉर्ड में सुधार किया. कीनिया के विक्टर किप्रुतो टोगोम 1:12:26 के समय से दूसरे और इथियोपिया के डेमेके 1:13:36 के समय से तीसरे स्थान पर रहे. वहीं महिलाओं के वर्ग में इथियोपिया की

यालेमजर्फ येहुआलॉ खिताब जीतने की प्रबल दावेदार थीं लेकिन केबेडे 1:18:47 के समय से पहला स्थान हासिल करने में सफल रहीं. येहुआलॉ ने 1:19:26 के समय से दूसरा और कीनिया की बेटी चेपकेमोई किबेत ने 1:21:43 के समय से तीसरा स्थान प्राप्त किया. भारतीयों में सावन बरवाल ने एक घंटा 17 मिनट 49 सेकेंड के समय से पुरुष वर्ग का खिताब जीता जबकि महिलाओं में रेशमा केवाटे एक घंटे 30 मिनट 38 सेकेंड से पहले स्थान पर रहीं. गौरव माथुर (1:20:33) दूसरे और एमडी असमी (1:42:08) तीसरे स्थान पर रहे

गोल्फ : लेडीज यूरोपीय टूर में संयुक्त सातवें स्थान पर प्रणवी उर्स

मराकेश (मोरक्को) । भारतीय महिला गोल्फर प्रणवी उर्स ने लेडीज यूरोपीय टूर में एलईटी फाइनल स्टेज क्यू स्कूल टूर्नामेंट के पहले दौर में पांच अंडर 68 का कार्ड खेला. प्रणवी ने चार होल में दो ओवर के स्कोर के बाद शानदार वापसी की. वह तीसरे और चौथे होल में दो बोगी कर बैठी थीं. लेकिन फिर उन्होंने पांच बर्डी और एक ईगल लगाये जिससे वह संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर चल रही हैं. प्रणवी के अलावा अन्य भारतीयों में रिद्धिमा दिलावड़ी (74) और वाणी कपूर संयुक्त 69वें स्थान पर चल रही हैं. जैसमीन शेखर और त्वेसा मलिक संयुक्त 88वें स्थान पर हैं.

हॉकी : बेल्जियम की टीम ने भारत को 2-1 से हराया

भाषा । वेलेंसिया

भारतीय महिला हॉकी टीम का पांच देशों के टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन जारी रहा और उसे अपने दूसरे मैच में बेल्जियम से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा. भारतीय टीम की यह लगातार दूसरी हार है. वह अपने पहले मैच में स्पेन से 2-3 से हार गई थी. बेल्जियम की तरफ से एंब्रे बैलेन्घियेन (22वें मिनट) और लुईस वर्सावेल (37वें) ने गोल किए.

इस मैच में भारत की तरफ से एकमात्र गोल वैष्णवी विट्ठल फाल्के (56वें) ने किया. मैच शुरू होते ही

खास बातें

- टूर्नामेंट मे भारतीय टीम की यह लगातार दूसरी हार है
- भारत का अगला मैच मंगलवार को जर्मनी के खिलाफ होगा

दोनों टीम ने आक्रामक रवैया अपनाया और एक दूसरे की रक्षा पंक्ति में सेंध लगाने का प्रयास किया. पहले क्वार्टर में हालांकि कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई. बेल्जियम ने आखिर में एंब्रे के गोल की मदद से दूसरे क्वार्टर में बढ़त हासिल की.

भारत को विश्व कप की मेजबानी के बारे में सोचना चाहिए : एआईएफएफ

नयी दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के आंतरिक सर्कुलर के अनुसार देश में फुटबॉल की संचालन संस्था सऊदी अरब में होने वाले 2024 फीफा विश्व कप के कुछ मैचों की मेजबानी की योजना पर विचार कर रही है. पिछले महीने फुटबॉल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा ने 31 अक्टूबर की समय सीमा समाप्त होने के बाद पुष्टि की थी कि सऊदी अरब 2034 विश्व कप की मेजबानी के लिए बोली लगाने वाला एकमात्र देश है. एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) की 18 अक्टूबर को हुई आपात कांग्रेस में सऊदी अरब की दावेदारी का समर्थन किया गया था.

डेविस कप 60 वर्षों में पहली बार पाकिस्तानी धरती पर खेलने की तैयारी में भारतीय टीम

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की अगुवाई करेंगे रामनाथन

भाषा । नयी दिल्ली

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रास कोर्ट पर होने वाले डेविस कप मुकाबले के लिए रामकुमार रामनाथन की अगुवाई में रविवार को पांच सदस्यीय टीम घोषित की जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारतीय टीम 60 वर्षों में पहली बार पाकिस्तानी धरती पर खेलने की तैयारी कर रही है.अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने हालांकि सुरक्षा कारणों से पड़ोसी देश की यात्रा नहीं करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) पंचाट में अपील दायर की है, जिसका फैसला अभी आना है. भारत ने इससे पहले आखिरी बार 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया

खास बातें

- इससे पहले भारत ने 1964 में किया था पाकिस्तान का दौरा
- अब तक पाकिस्तान के खिलाफ नहीं हारा है भारत

था और तब उसने 4-0 से जीत दर्ज की थी. भारत अभी तक पाकिस्तान से कभी नहीं हारा है. उसने पाकिस्तान के खिलाफ सभी आठ मुकाबले जीते हैं. भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी मुकाबला 2019 में तटस्थ स्थल पर खेला गया था. भारत ने इस मुकाबले में भी 4-0 से जीत हासिल की थी. यह मुकाबला भी पाकिस्तान में खेला जाना था लेकिन भारत के आग्रह पर इसे कजाकिस्तान में आयोजित किया गया था.

भारत और पाकिस्तान के बीच तीन और चार फरवरी को इस्लामाबाद में मैच खेला जाएगा. इस मैच के लिए जिस टीम का चयन किया गया है, उसमें रामनाथन के अलावा एन श्रीराम बालाजी, युकी भांबरी, निकी कालियांदा पूनाचा और साकेत माइनेनी शामिल हैं. दिग्विजय प्रताप सिंह रिजर्व खिलाड़ी हैं. रामकुमार का सर्व और वॉली का खेल ग्रास कोर्ट के अनुकूल है. भारतीय टीम में उनके अलावा पूनाचा ही एकल खिलाड़ी हैं जबकि अन्य खिलाड़ी एटीपी टूर में केवल युगल में खेलते हैं. कप्तान रोहित राजपाल अगर भांबरी को एकल में खेलने के लिए कहते हैं तो यह हैरानी भरा फैसला नहीं होगा. यहां तक की बालाजी को भी एकल में खेलने के लिए कहा जा सकता है.

मुकाबले को तटस्थ स्थान कर करवाने के लिए किया था आग्रह

भारत ने इस मुकाबले को तटस्थ स्थान पर करवाने के लिए आईटीएफ से आग्रह किया था लेकिन आईटीएफ की डेविस कप समिति ने इसे नामंजूर कर दिया था. एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने पीटीआई से कहा कि हमने डेविस कप समिति के फैसले के खिलाफ अपील की है और इस मामले में आईटीएफ पंचाट 19 दिसंबर तक फैसला कर लेगा. अगर पंचाट अपील को नामंजूर कर देता है तो फिर हम पाकिस्तान का दौरा करेंगे.

नाथन लियोन के 500 टेस्ट विकेट पूरे

ऑस्ट्रेलिया की टीम ने पाकिस्तान को 360 रनों से हराया

भाषा । पर्थ

ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के चौथे दिन रविवार को यहां पर्थ की खतरनाक पिच पर पाकिस्तान को 360 रन से हरा दिया जिसमें नाथन लियोन ने 500 टेस्ट विकेट की उपलब्धि अपने नाम की. पाकिस्तान की दूसरी पारी चौथे दिन के अंतिम सत्र में 89 रन में सिमट गयी जिससे उसे ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में लगातार 15वीं शिकस्त झेलनी पड़ी.

मेजबान टीम ने लंच के आधे घंटे बाद पांच विकेट पर 233 पर दूसरी पारी घोषित कर पाकिस्तान को जीत के लिए 450 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया. लेकिन उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस के सामने

पाकिस्तान का शीर्ष क्रम चरमरा गया. इस दौरान पाकिस्तान के कई बल्लेबाजों को गेंद भी लगी. हेजलवुड (13 रन देकर तीन विकेट) और स्टार्क (31 रन देकर तीन विकेट) ने मिलकर छह विकेट

टेस्ट मैच

- ऑस्ट्रेलिया में लगातार 15वां टेस्ट मैच हारा पाकिस्तान
- दूसरी पारी में 89 रनों पर सिमटी पाकिस्तान की टीम

झटके जबकि कमिंस ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम (14 रन) को आउट किया जो उनकी गेंद पर बल्ला छुआकर विकेटकीपर को कैच दे बैठे. ऑस्ट्रेलिया की तेज तर्रार गेंदबाजी का मेहमान टीम के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था. लियोन ने फहीम अशरफ को पगबाधा के रैफरल में सफलता हासिल कर अपने 500वें विकेट की उपलब्धि हासिल की.

वायु सेना की संयुक्त स्नातक परेड

डुंडीगा में वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के विमान ने किया शानदार प्रदर्शन.

आओ जानें

सेवानिवृत्ति आयु पुरुष/जीवन प्रत्याशा

डेनमार्क	67 / 80.8	फ़िनलैंड:	64 / 81.7
ग्रीस	67 / 82.8	जापान:	64 / 84.5
आइसलैंड:	67 / 82.9	सिंगापुर:	63 / 83.6
इज़राइल:	67 / 82.8	रूस:	63/72.6
इटली:	67 / 83.4	नॉर्वे:	62 / 82.5
यूएसए:	67 / 78.9	स्वीडन:	62 / 82.7
ऑस्ट्रेलिया:	66.5 / 83.9	वियतनाम:	60.5 / 76.7
स्पेन:	66.17 / 83.4	चीन:	60 / 77.1
यूके:	66 / 81.4	भारत:	60 / 69.7
जर्मनी:	65.83 / 81.2	सऊदी अरब:	60 / 75.7
ऑस्ट्रिया:	65 / 81.6	द. अफ्रीका:	60 / 64.1
ब्राज़ील:	65 / 76.6	द. कोरिया:	60 / 83.3
कनाडा:	65 / 82.3	टर्की:	60 / 77.4
मेक्सिको:	65 / 75.4	बांग्लादेश:	59 / 72.6
फ्रांस:	64 / 82.7	इंडोनेशिया:	58 / 71.7

ब्रीफ खबरें

नेताम ने प्रोटेम स्पीकर के रूप में शपथ ली

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और विधायक राम विचार नेताम ने रविवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा के 'प्रोटेम स्पीकर' (अस्थायी अध्यक्ष) पद की शपथ ली. नेताम को राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने राजभवन में आयोजित एक कार्यक्रम में शपथ दिलाई. इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तथा अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे.

कार में आग लगने से तीन लोग जिंदा जले

जयपुर। राजस्थान के अजमेर जिले में शनिवार देर रात सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने रविवार को बताया कि एक कार डिवाइडर से टकरा गई जिसके बाद उसमें आग लग गई, इसमें तीन लोग जिंदा जल गये. उन्होंने बताया कि लोहागल मार्ग पर हुई इस दुर्घटना में दो अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए. मृतकों की पहचान सोहेल खान, जय सांखला और शक्ति सिंह के रूप में हुई वहीं कृष्ण मुरारी और उमेश कुमार घायल हुए हैं.

सपा 'इंडिया' के साथ चुनाव लड़ेगी : शिवपाल

मुजफ्फरनगर। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी केंद्र एवं उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के साथ मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेगी. शिवपाल यादव ने रविवार को यहां पत्रकारों से कहा कि 2024 के आगामी लोकसभा चुनाव में हम भाजपा को हराएंगे. उन्होंने कहा कि बसपा नेतृत्व को पहले भाजपा से दूरी बनानी चाहिए.

10 मछुआरों को भारतीय तटरक्षक को सौंपा गया

तिरुवनंतपुरम। तमिलनाडु के करीब 10 मछुआरों को रविवार को भारतीय तटरक्षक को सौंप दिया गया जिन्हें इस महीने की शुरुआत में हिंद महासागर में ब्रिटिश हिंद महासागर क्षेत्र (बीआईओटी) के पास से गिरफ्तार किया गया था. मछुआरों पर मुकदमा चलाया गया और उन पर 60,000 पाउंड स्टर्लिंग का जुर्माना लगाया गया था. रक्षा विभाग ने एक बयान में कहा कि मछुआरे बीआईओटी के पास लगभग 230 समुद्री मील दूर मछली पकड़ने के क्षेत्र में गए थे.

सूरत डायमंड बोर्स और हवाई अड्डे के नये टर्मिनल भवन का उद्घाटन

1.5 लाख नौकरियां मिलेंगी : मोदी

भाषा। सुरत

गुजरात वासियों को दो बड़ी सौगात मिली है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सूरत डायमंड बोर्स और हवाई अड्डे के नये टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया. इस दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी मौजूद रहे. सूरत डायमंड बोर्स का उद्घाटन करने से पहले पीएम मोदी ने रोड शो किया. इस दौरान लोगों की भारी संख्या उमड़ी. सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि सूरत का हीरा उद्योग आठ लाख लोगों को रोजगार दे रहा है और नए बोर्स से 1.5 लाख और नौकरियां पैदा होंगी.

दुनिया का सबसे बड़ा और आधुनिक केंद्र होगा सूरत डायमंड बोर्स : सूरत डायमंड बोर्स अंतरराष्ट्रीय हीरे और आभूषण कारोबार के लिए दुनिया का सबसे बड़ा एवं आधुनिक केंद्र होगा. खजोद गांव में स्थित सूरत डायमंड बोर्स की इमारत 67 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैली है, जो दुनिया का सबसे बड़ा कार्यालय परिसर है. यह कच्चे और पॉलिश किये गये हीरों के साथ-साथ आभूषणों के व्यापार का एक वैश्विक केंद्र होगा.

स्थानीय संस्कृति और विरासत के अनुरूप डिजाइन किया गया है टर्मिनल भवन : नया एकीकृत टर्मिनल भवन व्यस्ततम अवधि के दौरान 1,200 घरेलू यात्रियों और 600 अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को संभालने में सक्षम होगा. टर्मिनल भवन में अपनी क्षमता को 3,000 यात्रियों तक बढ़ाने की भी व्यवस्था है. साथ ही इस हवाई अड्डे की यात्रियों को संभालने की वार्षिक क्षमता बढ़कर 55 लाख तक हो गयी है. टर्मिनल भवन को स्थानीय संस्कृति और विरासत के अनुरूप डिजाइन की गयी है.

वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री

भाषा। वाराणसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे. इस दौरान वह काशी तथा आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए 19,000 करोड़ रुपये से अधिक की 37 परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे. वाराणसी पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री के काफिले पर लोगों ने फूलों की पंखुड़ियों से वर्षा की. प्रधानमंत्री के काफिले में एक ऐसा भी अवसर आया जब एक एंबुलेंस को रास्ता दिया गया. एक अधिकारी ने बताया कि नदेसर स्थित कटिंग मेमोरियल पहुंचने पर उनके काफिले के सामने एक एम्बुलेंस आ गई. इस दौरान प्रधानमंत्री ने अपना काफिला रुकवाकर एम्बुलेंस को रास्ता दिया.

यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया था कि प्रधानमंत्री रविवार दोपहर बाद यहां पहुंचेंगे और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उनका स्वागत करेंगे, जिसके बाद वह करीब 25 घंटे काशी में बिताएंगे.

वाराणसी दौरे के पहले दिन प्रधानमंत्री ने शाम को नमो घाट से काशी तमिल संगमम के दूसरे संस्करण की शुरुआत की. बयान के मुताबिक, मोदी बनारस से कन्याकुमारी के लिए 'काशी तमिल संगमम एक्सप्रेस' को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे. उसमें कहा गया है कि 17 से 31 दिसंबर तक आयोजित होने वाले 'काशी तमिल संगमम' के दूसरे संस्करण के दौरान तमिलनाडु एवं पुडुचेरी के 1,400 लोग वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्रा करेंगे.

बयान में कहा गया है कि साथ ही तमिलनाडु और काशी की कला, संगीत, हथकरघा, हस्तशिल्प, व्यंजन एवं अन्य विशेष उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी. इसके अलावा काशी और तमिलनाडु की संस्कृतियों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा. छह और समूह इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए वाराणसी पहुंचेंगे जिनमें शिक्षक (यमुना), पेशेवर (गोदावरी), आध्यात्मिक (सरस्वती), किसान और कारीगर (नर्मदा), लेखक (सिंधु) और व्यापारी (कावेरी) शामिल हैं.

खास बातें

- काफिला रुकवाकर एम्बुलेंस को दिया रास्ता
- 19,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की देंगे सौगात

श्रीनगर में तीन हाइब्रिड आतंकवादी गिरफ्तार

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर शहर के बेमिना इलाके में पिछले सप्ताह एक पुलिसकर्मी पर हुए हमले में शामिल तीन हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है. जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर. आर. स्वैन ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि हाइब्रिड आतंकवादी वे होते हैं जो हमले करते हैं और फिर वापस नियमित जीवन जीने लगते हैं. उन्होंने बताया कि कॉन्स्टेबल मोहम्मद हाफिज चक पर नौ दिसंबर को उस समय हमला हुआ था जब वह अपनी ड्यूटी करने के बाद घर लौट रहे थे. डीजीपी ने बताया कि हमले की साजिश पाकिस्तान स्थित आतंकवादी अर्जुमंद उर्फ हमजा बुरहान ने रची थी जो एक स्थानीय आतंकवादी दानिश अहमद मल्ला के संपर्क में आया था. स्वैन ने कहा कि पुलिसकर्मी पर हमले में शामिल हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया है.

सम्मेलन उस सफलता के बारे में बताने के लिए बुलाया गया है जो जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हमारे एक पुलिसकर्मी के हमलावरों का पता लगाने की दिशा में हासिल की है. उन्होंने कहा कि कॉन्स्टेबल मोहम्मद हाफिज चक हमले में सौभाग्य से बच गए. हम आशा और प्रार्थना करते हैं कि वह जल्द स्वस्थ होकर वापस आएं.

राम मंदिर का जश्न मनाने के लिए वॉशिंगटन में रैली

भाषा। वाशिंगटन

हिंदू अमेरिकी समुदाय के लोगों ने अयोध्या में राम मंदिर में अगले साल होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी में वॉशिंगटन के एक उपनगर में शनिवार को कार रैली का आयोजन किया. आयोजकों ने बताया कि शनिवार दोपहर समुदाय के लोग फ्रेडरिक सिटी मैरीलैंड के पास 'अयोध्या वे' में श्री भक्त अंजनेय मंदिर में एकत्र हुए और इस रैली के साथ ही भारत में राम मंदिर के निर्माण की खुशी में महीने भर के कार्यक्रमों की शुरुआत हो गई. 'विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका डीसी' इकाई के अध्यक्ष महेंद्र सापा ने कहा कि हिंदुओं के 500 वर्ष के संघर्ष के बाद भगवान श्री राम मंदिर का उद्घाटन (मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा) किया जा रहा है और हम इसी खुशी में अगले साल 20 जनवरी को लगभग 1,000 अमेरिकी हिंदू परिवारों के साथ वाशिंगटन में एक ऐतिहासिक उत्सव आयोजित कर रहे हैं.

उत्सव में राम लीला आयोजित की जाएगी, श्री राम की कथाएं सुनाई जाएंगी, श्री राम की पूजा की जाएगी, भगवान श्री राम एवं उनके परिवार के लिए भजन गाए जाएंगे. उन्होंने कहा कि इस उत्सव में अलग-अलग आयुवर्ग के लोग भगवान श्री राम के जीवन पर आधारित लगभग 45 मिनट की ऐसी प्रस्तुति देंगे जो अमेरिका में पैदा हुए बच्चों को समझ आ सके.

बांग्लादेश का मुक्ति संग्राम भारत के संग उसके संबंधों का आधार है : राजदूत

भाषा। ढाका

भारत एक स्थिर, प्रगतिशील और समृद्ध राष्ट्र के बांग्लादेश के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए बांग्लादेश के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है और 1971 का मुक्ति संग्राम दोनों देशों के बीच संबंधों का आधार रहा है. बांग्लादेश में भारत के राजदूत ने यह बात कही.

बांग्लादेश की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी बीएसएस ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा के हवाले से कहा कि यह हमारे लिए अपनी दोस्ती को संजोने और 1971 की भावना को संरक्षित करने व बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराने का समय है, जो हमारे (बांग्लादेश-भारत) संबंधों का आधार बनी हुई है. वर्मा ने विजय दिवस पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए शनिवार को कहा कि मुक्ति संग्राम और लोगों की जीत बांग्लादेश की आजादी के लिए दोनों देशों के साझा बलिदान का प्रतीक है और दिल्ली व ढाका के बीच समय की कसौटी पर परखी गई दोस्ती का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि दोनों देशों की नियति हमारे भूगोल और ऐतिहासिक जड़ों की तरह जुड़ी हुई है, ऐसे में हम आज अपने संबंधों में सोनाली अध्याय (सुनहरा अध्याय) के वादे को साकार करने के शिखर पर हैं.

उल्लेखनीय है कि 25 मार्च 1971 की आधी रात को तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा अचानक की गई कार्रवाई के बाद मुक्ति संग्राम छिड़ गया था.

मुख्य विपक्षी पार्टी की हड़ताल मंगलवार तक स्थगित

ढाका। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी ने सोमवार को आहूत अपनी राष्ट्रव्यापी हड़ताल स्थगित कर दी है. शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार पर सत्ता छोड़ने और अगले महीने गैर-पक्षपातपूर्ण आम चुनाव कराने के लिए दबाव बनाने के वास्ते हड़ताल का आह्वान किया गया था. बांग्लादेश में सात जनवरी को आम चुनाव होने हैं. बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रुहुल कबीर रिजवी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि हड़ताल अब मंगलवार को होगी.

प्रवासियों की नौका पलटी, 60 डूबे : संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी

काहिरा। यूरोप जा रहे प्रवासियों की नौका लीबिया तट के नजदीक पलटने से उसमें सवार कम से 60 लोगों की मौत हो गई है. इनमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं. संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी ने यह जानकारी दी. संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को नौका पलटने की घटना भूमध्य सागर के इस हिस्से में हुई नवीनतम त्रासदी थी. यूरोप में बेहतर जीवन की तलाश में अबतक इस खतरनाक रास्ते से अवैध तरीके से जाने वाले हजारों लोगों की मौत हो चुकी है. संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने एक बयान में बताया कि नाव 86 प्रवासियों को ले जा रही थी और तेज लहरों के कारण पलट गई और 61 प्रवासी डूब गए. फिलहाल इस मामले की जांच की जा रही हैं.

नागपुर में विस्फोटक बनाने वाली फैक्टरी में विस्फोट, नौ की मौत

भाषा। नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर जिले में विस्फोटक बनाने वाली एक फैक्टरी में रविवार को विस्फोट होने से नौ लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि विस्फोट सुबह नौ बजे बाजारगांव इलाके में 'सोलर इंडस्ट्रीज' की 'कास्ट बूस्टर' इकाई में हुआ. उन्होंने बताया कि इसमें नौ लोगों की मौत हो गई है.

कोंढाली पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना यहां से 40 किलोमीटर दूर स्थित फैक्टरी में हुई, जिससे इमारत को गंभीर नुकसान पहुंचा. उन्होंने बताया कि विस्फोट के समय फैक्टरी में 12 कर्मचारी मौजूद थे. महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और नौ लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया. उन्होंने बताया कि राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि देगी और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है.

फडणवीस ने कहा कि 'सोलर इंडस्ट्रीज' में हुए विस्फोट में छह महिलाओं समेत नौ लोगों की मौत हो गई. यह कंपनी सशस्त्र बलों के लिए ड्रोन और विस्फोटक बनाती है. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस दुखद मौके पर पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है.

हिमाचल में दो बच्चों समेत तीन जिंदा जले

शिमला। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में प्रवासी मजदूरों की झोपड़ियों में आग लगने से एक महिला और उसके दो बच्चों की जलकर मौत हो गई. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. यह घटना हरोली क्षेत्र के कैलुआ गांव में शनिवार रात हुई. उन्होंने बताया कि घटना में सुमित्रा देवी (25), उसका नौ महीने का बेटा और पांच साल की बच्ची जिंदा जल गई. पुलिस ने बताया कि इस घटना में महिला का पति विजय शंकर (25) भी झुलस गया जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. आग लगने के कारणों के बारे में जानकारी नहीं मिली है.

इंटरव्यू छत्तीसगढ, राजस्थान चुनाव में कांग्रेस की हार पर जताई चिंता, कमजोरियों पर ध्यान देने की जरूरत

भाजपा हर चुनाव ऐसे लड़ती है, जैसे अंतिम लड़ाई हो : चिदंबरम

भाषा। कोलकाता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने हाल में हुए छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार को अप्रत्याशित और चिंता का विषय बताया. चिदंबरम ने एक विशेष साक्षात्कार में रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हर चुनाव ऐसे लड़ती है कि जैसे यह अंतिम लड़ाई हो और विपक्षी दलों को इसका अहसास होना चाहिए. उन्होंने कहा कि तीन राज्यों -छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए काफी उत्साह बढ़ाने वाली है. छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस

की हार अप्रत्याशित है. नतीजे चिंताजनक हैं और मुझे यकीन है कि पार्टी का नेतृत्व कमजोरियों पर ध्यान देगा. बहरहाल, पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि चार बड़े राज्यों - राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में पार्टी का 40 फीसदी मत प्रतिशत बरकरार नजर आता है.

चिदंबरम ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अंतिम व्यक्ति तक चुनाव प्रचार कर, बूथ प्रबंधन और मतदान वाले दिन सुस्त मतदाता को मतदान केंद्र तक लाने जैसे मुद्दों से निपटकर लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी का मत प्रतिशत 45 फीसदी तक बढ़ाया जा सकता है. हाल में हुए चुनाव में भाजपा ने उन तीनों राज्य में कांग्रेस को हरा दिया, जहां दोनों के बीच कड़ा मुकाबला था. भाजपा ने कांग्रेस से राजस्थान और छत्तीसगढ़ दोनों राज्य छीन लिए तथा मध्य प्रदेश में सत्ता बरकरार रखी. कांग्रेस के लिए राहत की केवल यही बात रही कि उसने तेलंगाना में जीत दर्ज करते हुए भाजपा को तीसरे नंबर पर धकेल दिया.

मुस्लिम विरोधी और ईसाई विरोधी प्रचार और अति राष्ट्रवाद पर चिंता

भाजपा के ध्रुवीकरण, परोक्ष मुस्लिम विरोधी और ईसाई विरोधी प्रचार और अति राष्ट्रवाद पर चिंता जताते हुए कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ने कहा कि पार्टी को इसका करारा जवाब तलाशना पड़ेगा. उन्होंने कहा कि यह जबरदस्त संयोजन है. भाजपा ने कल्याणकारी कदमों (तथाकथित मुफ्त की रेवड़ियों) के खिलाफ अपना राग छेड़ दिया है लेकिन मुझे ध्रुवीकरण, परोक्ष मुस्लिम विरोधी और ईसाई विरोधी प्रचार तथा अति-राष्ट्रवाद को लेकर अधिक चिंता है. उत्तरी और मध्य भारत के राज्य इस तरह की अपील से अधिक प्रभावित दिखते हैं. कांग्रेस को इसका उचित जवाब तलाशना पड़ेगा. जाति जनगणना के 2024 के चुनावों के लिए पार्टी का शीर्ष एजेंडा होने पर चिदंबरम ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, लेकिन शायद निर्णायक कारक न हो. मेरी राय में बेरोजगारी और महंगाई सूची में शीर्ष पर हैं.

हवा भाजपा के पक्ष में लेकिन हवा की दिशा बदल सकती है: चिदंबरम

अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत का अनुमान जताने वाले चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों पर चिदबंरम ने कहा कि हवा भाजपा के पक्ष में बह रही है लेकिन हवा की दिशा बदल सकती है. भाजपा कभी किसी चुनाव को हल्के में नहीं लेती. वह ऐसे लड़ती है, जैसे कि यह आखिरी लड़ाई हो. विपक्षी दलों को भाजपा के लड़ने के गुण का अहसास होना चाहिए. विपक्षी गुट 'इंडिया' की लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर कांग्रेस नेता ने कहा कि गठबंधन के नेताओं को उन उम्मीदवारों की पहचान करनी होगी, जो कम से कम 400-425 सीटों पर भाजपा से मुकाबला कर सकते हैं. 'इंडिया' गठबंधन के प्रधानमंत्री पद के चेहरे और उसकी सीट बंटवारे की योजनाओं पर उन्होंने कहा कि गठबंधन के नेताओं के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया से प्रधानमंत्री पद के चेहरे की पहचान करने में मदद मिलेगी, लेकिन उससे कहीं ज्यादा आगामी लोकसभा चुनाव जीतने की आवश्यकता है.

बैंकों को कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने की आवश्यकता है: भागवत

भाषा। मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि कमजोर वर्गों की आवश्यकताओं को पहचानना और इन वर्गों के लोगों को सशक्त बनाना बैंकों की जिम्मेदारी है. भागवत ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण इलाके में कल्याण जनता सहकारी बैंक के स्वर्ण जयंती समारोहों के समापन के अवसर पर शनिवार को कहा कि कमजोर वर्गों की आर्थिक समृद्धि बैंकों की नींव है. उन्होंने कहा कि बैंकों को सभी आर्थिक मापदंडों को बनाए रखते हुए सामाजिक विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए. उन्होंने कहा कि यह बैंकों की जिम्मेदारी है कि वे कमजोर वर्गों की जरूरतों की पहचान करें

और उन्हें सशक्त बनाएं. उन्होंने कहा कि कल्याण जनता सहकारी बैंक जब स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है तो ऐसे में यह देखने की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि यह संस्था भविष्य में और अधिक गतिशील रूप से कैसे चलेगी. उन्होंने कहा कि बैंक की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोहों की शुरुआत केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में पिछले साल की गई थी.

आईआईटी धनबाद : एक दिसंबर से हुई थी प्लेसमेंट सीजन की शुरुआत, इस साल औसत पैकेज 21.55 लाख

16 दिनों के भीतर आधे से अधिक छात्रों का हुआ कैंपस सेलेक्शन

संवाददाता । धनबाद

आईआईटी-आईएसएम में वर्ष 2024 के कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत शानदार हुई. एक दिसंबर से शुरू हुए कैंपस प्लेसमेंट सीजन के पहले 16 दिनों में ही 2024 बैच के 50 प्रतिशत से अधिक विद्यार्थियों का सिलेक्शन देश विदेश के मल्टीनेशन कंपनियों ने कर लिया है. इस सीजन में अब तक 625 विद्यार्थियों का कैंपस सिलेक्शन हो चुका है. मात्र 16 दिनों में ही आधे से अधिक विद्यार्थियों को नौकरी मिल गई है. प्लेसमेंट के शानदार आंकड़ों से संस्थान शत प्रतिशत प्लेसमेंट की उम्मीद कर रहा है. बता दें कि पिछले वर्ष 2023 बैच के 98 प्रतिशत विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ था.

औसत पैकेज पिछले वर्ष के मुताबिक पांच लाख अधिक

वर्ष 2024 में कंपनियों ने विद्यार्थियों को पिछले सत्रों के मुकाबले अच्छा पैकेज ऑफर किया है. जो वर्ष 2023 के मुकाबले लगभग 5 लाख अधिक है. इस वर्ष अब तक विद्यार्थियों का औसत सालाना पैकेज 21.55 लाख रुपये है. जबकि वर्ष 2023 में औसत सालाना पैकेज 16.98 लाख रुपये था.

2025 बैच के लिए इंटर्नशिप की भी शानदार शुरुआत

खास बातें

- 2023 बैच के 98% विद्यार्थियों का हुआ था कैंपस प्लेसमेंट
- 16 दिनों के अंदर 625 विद्यार्थियों का कैंपस सिलेक्शन हुआ

आईआईटी-आईएसएम में 2025 फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों को विभिन्न कंपनियों ने इंटर्नशिप के लिए ऑफर करना शुरू कर दिया है. रविवार तक 255 विद्यार्थियों को इंटर्नशिप का ऑफर मिल चुका है. जिसमें विद्यार्थियों को औसतन 75000 प्रति माह का इंटर्नशिप मिला है, जो पिछले रिकॉर्ड से काफी बेहतर है. 2024 फाइनल वर्ष के विद्यार्थियों को कुल 536 इंटर्नशिप ऑफर मिला था. अभी तक के इंटर्नशिप के रिकॉर्ड को देखते हुए पिछले वर्ष के इंटर्नशिप रिकॉर्ड के टूटने की उम्मीद जतायी जा रही है.

आओ जानें

18 दिसंबर का इतिहास

- 1398- तैमूर ने सुल्तान नुसरत शाह को हराकर दिल्ली पर कब्जा किया.
- 1777- अमेरिका में पहली बार नेशनल थैंक्स गिविंग डे मनाया गया.
- 1787- अमेरिकी संविधान को स्वीकार करने वाला न्यू जर्सी तीसरा राज्य बना.
- 1839- अमेरिका के जॉन ड्रेपर ने पहली बार किसी आकाशीय पिंड (चंद्रमा) की तस्वीर उतारी.
- 1902- इटली के प्रसिद्ध अविष्कारक मार्कोनी ने पहला रेडियो स्टेशन बनाया.
- 1941- द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापानी सेना हांगकांग पहुंची और आम नागरियों का कत्ल करना शुरू कर दिया.

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ तामड़ा जतरा का समापन

संवाददाता । सिमडेगा

सिमडेगा जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत तामड़ा पंचायत में दो दिवसीय अखंड पंचमी के मौके पर आयोजित मेले का समापन रविवार को गारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ हुआ. .कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा किसान मोर्चा दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के भोक्त सह प्रभारी मंगल सिंह, वहीं विशिष्ट अतिथि कला संस्कृति अध्यक्ष विद्या बड़ाईक द्वारा विधिवत कार्यक्रम का रिबन काटकर उद्घाटन किया गया. स्वागत भाषण अध्यक्ष हीराराम ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से हमारी विरासत और हमारी संस्कृति का बचाव में एक महत्वपूर्ण योगदान है. मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार के दो दिवसीय आयोजन करने के लिए आयोजन समिति को मैं धन्यवाद देता हूं की ऐसे आयोजन करने से हमारे युवा पीढ़ी के अंदर अपनी विरासत और संस्कृति को बचाने में एक अनूठी मिसाल पेश की है. उनका किसी प्रकार आयोजन होता रहे जिससे कि समाज में गीत-संगीत और परंपरा का लगातार युवाओं के अंदर जोश और समाज में धर्म के प्रति लोग जागरूक रहें.

जेएससीए के कंट्री क्रिकेट क्लब में स्क्वैश की शुरुआत

संवाददाता । रांची

झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के अंतर्गत कंट्री क्रिकेट क्लब (सीसीसी) में स्क्वैश की शुरूआत हुई. रविवार को विशाखा झा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं दोनों कोर्ट्स में फीता काट कर इसका उद्घाटन किया. इस अवसर पर विशाखा झा ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और खेलों में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी. सीसीसी के स्पोर्ट्स चेयरमैन राजीव रंजन ने कहा कि हमारा क्लब स्पोर्ट्स क्लब है जिसमें हमारे क्लब के मेंबर के साथ-साथ उनके परिचित को भी क्लब में उपलब्ध खेल सुविधा को खेलने और सीखने का अवसर दिया जाता है. स्क्वैश खेलने के लिए क्लब के सदस्य व क्लब के इच्छुक खिलाड़ी स्टेडियम आकर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं. इस अवसर पर अर्चित आनंद, इंदर शेखर,अजय झा,वीरेंद्र कुमार,बजरंग, विवेक कुमार, संजय कुमार, सरिता कुमारी, प्रीति रानी, शुभम सिंह, रैना कुमारी उपस्थित थीं.

जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार समारोह को लेकर खिलाड़ियों के नामों की घोषणा

धौनी को मिलेगा जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न पुरस्कार

खेल संवाददाता । रांची

उम्मीद फाउंडेशन की ओर से आगामी तीन जनवरी 2024 को जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जा रहा है. इस समारोह में विभिन्न खेल से जुडे. खिलाड़ियों, कोच, खेल को प्रोत्साहित करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा. रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार समारोह के लिए खिलाड़ियों के नामों की घोषणा की गयी. फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष रितेश उरांव ने पत्रकारों को बताया कि इस वर्ष महेंद्र सिंह धौनी समेत झारखंड के कई दिग्गज खिलाड़ियों को सम्मानित किया जायेगा. इसके अलावा खिलाड़ियों के हुनर को तराशने वाले कोच और संस्थाओं को भी सम्मानित किया जायेगा. वहीं कार्यक्रम के महासचिव निरंजन भारती ने बताया कि इस वर्ष छह कैटेगरी में खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जायेगा, इनमें जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न, जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार, गुरू सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार, गुरू द्रोणाचार्य पुरस्कार, भगवान बिरसा मुंडा साहसिक पुरस्कार और झारखंड खेल प्रोत्साहन पुरस्कार शामिल है.

जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न पुरस्कार 2023

इन खिलाड़ियों को किया जाएगा सम्मानित

महेंद्र सिंह धौनी, सलिमा टेटे, संगीता कुमारी, निक्की प्रधान, गोल्डी मिश्रा, दीप्ति कुमारी, विजय हांसदा, अंकित टोप्पो, सपना कुमारी, फ्लोरेंस बारला, आशा किरण बारला, श्रीकांत साहू, छोटी कुमारी, सुनील बहादुर, कृष्णा खलको, दिनेश कुमार, मोहम्मद वसीम, कोमलिका बारी, विकास बारा, शिवानी टोप्पो, अश्वनी कुमारी, अमिशा केरकेट्टा, नारायण महतो, चंचला कुमारी, अमिशा उरांव.

जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार 2023

रूपा रानी तिर्की, गुरू चरण बेसरा, निशांत तिर्की, शशांक महतो, आकाश उरांव, गीता कुमारी, विशाल बहादुर, विशाज कुमार, लवली चौबे, अनु सेठ, निशिमा कुमारी, आदित्य कुमार, अंकिता भगत, दिव्यम मंडल, नोवल टोप्पनो, जोसफ टोप्पनो, रानी मुन्नी, लवली कुमारी, दीप्ति कुल्लु, अलबेला रानी, ममता कुमारी, सिमरन कुमारी, सुशांत उरांव, विकास उरांव, ललिता बोपयी, अंजु टुडु.

खास बातें

- 3 जनवरी को होगा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन
- इस वर्ष छह कैटेगरी में किया जाएगा खिलाड़ियों को पुरस्कृत

गुरु सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार 2023

हरेंद्र कुमार सिंह, चंद्रवेश्वर साहू, दीपक गोप, आंनद गोप, मनोज प्रसाद, एडम होरो, ज्योति साहू, अनवर खान, आशु भाटिया और संजीव कुमार.

गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार 2023

मधुकांत पाठक, जयदीप सरकार, बीएस राव, पुर्णिमा महतो, रिजवान अली, गणेश भारती, चंचल भट्टाचार्य, बीना केरकेट्टा और प्रतिमा बरवा। भगवान बिरसा मुंडा साहसिक पुरस्कार में प्रतीक सिंह आदि को दिया जायेगा.

झारखंड राज्य ओलिंपियाड

परीक्षा में 1478 में से 937 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

साकची स्थित गुरुनानक हाई स्कूल में परीक्षा देते परीक्षार्थी.

संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड राज्य ओलिंयाड की परीक्षा रविवार को जमशेदपुर में सभी केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई. परीक्षा के लिए शहर के विभिन्न 12 स्कूल-कॉलेजों को केंद्र बनाया गया था. किसी भी केंद्र पर किसी तरह की गड़बड़ी और किसी परीक्षार्थी के निष्कासन की सूचना नहीं है. रविवार को अंग्रेजी विषय की परीक्षा थी. जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार परीक्षा में उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या की तुलना में अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या अत्यधिक रही. परीक्षा में शामिल होने के लिए जिले से कुल 1478 परीक्षार्थियों ने आवेदन किया था. इनमें से 541 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 937 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे. सभी 12 केंद्रों पर परीक्षा निर्धारित समय सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक संचालित हुई. परीक्षा आरंभ होने से पूर्व परीक्षार्थियों को गहन जांच के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने की अनुमति दी गयी. परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल, स्मार्ट वाच समेत अन्य गैजेट वगैरह लेकर जाने की मनाही थी. शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न कराने एवं विधि-व्यवस्था के मद्देनजर सभी केंद्रों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस जवानों की प्रतिनियुक्ति की गयी थी. परीक्षार्थियों ने बताया कि प्रश्नपत्र औसत ठीक था. कुछ परीक्षार्थियों का यह भी मानना था कि प्रश्नपत्र मार्डरेट रहा. जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज, जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज, करीम सिटी कॉलेज, एलबीएसएम कॉलेज, द ग्रेजुएट स्कूल कॉलेज फॉर वीमेन, डीबीएमएस गर्ल्स स्कूल, हिंदुस्तान मित्र मंडल उच्च विद्यालय, हाई स्कूल गुरुनानक मानगो, गुरुनानक हाई स्कूल साकची, साकची हाई स्कूल, विवेकानंद हाई स्कूल, सेंट्रल करीमिया हाई स्कूल में किया गया था परीक्षा का आयोजन.

कॅरियर-काउंसिलिंग

विदेशी भाषा की पढ़ाई कर युवा बना सकते हैं अपना कॅरियर

रजनीश प्रसाद । एजुकेशन रिपोर्टर

मानव जाति के वैश्वीकरण और बहुराष्ट्रीय निगमों द्वारा सीमाहीन औद्योगीकरण के कारण, भारत बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा आगे के निवेश के लिए अग्रणी देशों में से एक के रूप में उभर रहा है. बाजार में इस तरह की सीमाहीन पूछताछ के साथ भारत जैसे बहुभाषी देश में भाषा संबंधी बहुत सारी भाषा बाधाएं आती हैं, और इस कारण से, एक विदेशी भाषा सीखने से छात्रों के लिए नौकरी के कई अवसर खुल गए हैं. अब वे दिन गए जब विदेशी भाषा सीखना एक शौक तक ही सीमित था. भारत और दुनिया भर में विदेशी भाषा में कॅरियर की मांग तेजी से बढ़ी है.

नौकरियां

अधिकांश लोग शौक के तौर पर या किसी अलग संस्कृति को समझने के अपने जुनून के कारण विदेशी भाषा सीखते हैं. लेकिन ऐसे कई लोग हैं जो विदेशी भाषा में उपलब्ध आकर्षक नौकरी के अवसरों के कारण उसमें महारत हासिल करना चाहते हैं. यहां उच्च वेतन वाली नौकरियों की एक सूची दी गई है जो आप विदेशी भाषा सीखने के बाद पा सकते हैं

- **अंतराष्ट्रीय बिक्री विपणन** – एक अंतरराष्ट्रीय निगम के लिए वैश्विक बिक्री विपणनकर्ता के रूप में कार्य करना एक उच्च वेतन वाली नौकरी है जिसमें मुफ्त में सीमा पार यात्रा करने का अतिरिक्त बोनस भी शामिल है.
- **कॉलेज लेक्चरर या फैकल्टी** – विदेशी भाषा सीखने के इच्छुक छात्रों की बढ़ती संख्या के कारण विश्वविद्यालयों और संस्थानों में साहित्यिक ज्ञान वाले पेशेवर भाषा विशेषज्ञों की मांग अधिक है.
- **होटल प्रबंधक** – प्रबंधन उद्योग में सबसे अधिक मांग वाली नौकरियों में से एक होने के नाते, एक होटल प्रबंधक को दुनिया भर के मेहमानों के साथ बातचीत करने की आवश्यकता होती है. एक विदेशी भाषा जानना एक अतिरिक्त बोनस है जो आपकी प्रोफाइल को ऐसे प्रतिस्पर्धी नौकरी पदनाम में खड़ा कर देगा.
- **फ्लाइट अटेंडेंट** – दुनिया भर में उड़ान भरने के लिए विभिन्न भाषाएं बोलने वाले यात्रियों के साथ बातचीत करने के लिए एक फ्लाइट अटेंडेंट की आवश्यकता होती है. अधिकांश एयरलाइंस ऐसे फ्लाइट अटेंडेंट को प्राथमिकता देती हैं जो विदेशी भाषा बोल सकें.
- **दूतावासों में नौकरियां** – राजदूतों के अलावा दूतावासों में अन्य उच्च-भुगतान वाली नौकरी के पद भी हैं, जहां उन्हें बहुभाषी कौशल वाले किसी व्यक्ति की आवश्यकता होती है.
- **अंतराष्ट्रीय पत्राकार (पत्रकारिता)** – यदि आप लोगों की मदद करने के लिए कहानियों को कवर करते हुए दुनिया भर में यात्रा करने में रुचि रखते हैं, तो एक भाषा सीखना और एक पत्रकार के रूप में काम करना बहुत मददगार होगा.

12वीं के बाद विदेशी भाषा की पढ़ाई

- ✓ फ्रेंच में बीए
- ✓ रूसी भाषा में बीए
- ✓ जर्मन में बीए
- ✓ फारसी में बीए
- ✓ इतालवी में बीए
- ✓ स्पेनिश में बीए
- ✓ तुर्की भाषा और साहित्य में बीए
- ✓ पश्तो में बीए ऑनर्स
- ✓ बीए जापानी

विदेशी भाषा सीखने के बाद नौकरी के अवसर

भाषा दक्षता वाले कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग के साथ, विभिन्न क्षेत्रों में काम करने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए विदेशी भाषा में कॅरियर सबसे अच्छे अवसरों में से एक है. इसलिए, यदि आपने विदेशी भाषाओं में पाठ्यक्रम किया है, तो आप यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अवसर पा सकते हैं. पर्यटन क्षेत्र, दूतावास, अंतरराष्ट्रीय संगठन, जनसंपर्क, विदेशी भाषा संस्थान, प्रकाशन गृह, आदि. नीचे एक विदेशी भाषा में पाठ्यक्रम करने के बाद उपलब्ध बेहतरीन कॅरियर संभावनाओं की एक सूची दी गई है.

- **ऑनलाइन ट्यूटर** – दुनिया भर में कहीं से भी काम करने के अतिरिक्त लाभों के साथ, एक ऑनलाइन ट्यूटर विदेशी भाषा स्नातकों के लिए अत्यधिक मांग वाली नौकरी है. इस नौकरी पदनाम की अधिकांश कार्यवाही डिजिटल रूप से होती है, यह व्यापक बाजार के लिए अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है.
- **दुभाषिया** – ज्यादातर मिस यूनिवर्स पेजेंट्स, यूएफसी और राज्य संबंधों के लिए राजनयिक बातचीत जैसे अत्यधिक समृद्ध आयोजनों में काम करते हुए पाए जाते हैं, दुभाषिए दो पक्षों के बीच भाषा के अंतर को पाटने के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होते हैं.
- **अनुवादक** – यदि हाई-प्रोफाइल राजनयिकों के साथ काम करना आपकी विशेषता नहीं है, तो शायद लिखित भाषा के रूप में किसी विदेशी भाषा के साथ काम करना आपकी शैली है. एक भाषा अनुवादक बनना आपके लिए वह काम करेगा. साहित्य की कुछ महान कृतियां और अकादमी पुरस्कार विजेता फिल्में अनुवादकों का काम हैं जो इन उत्कृष्ट कृतियों को दर्शकों के व्यापक समूह तक पहुंचाना संभव बनाता है.
- **बच्चों के पुस्तक लेखक** – बड़ी संख्या में सबसे लोकप्रिय बच्चों की किताबें बहुत ही पश्चिमी दृष्टिकोण से लिखी गई हैं, जो उन्हें विश्व स्तर पर बच्चों के केवल एक निश्चित वर्ग तक ही सीमित बनाती है. इन लोकप्रिय पुस्तकों का दुनिया की विभिन्न अन्य भाषाओं में अनुवाद करना और इन कहानियों में अपने स्वयं के सांस्कृतिक गुणों को शामिल करना उन्हें दुनिया भर के विविध बच्चों के समुदाय के बीच हिट बना देगा.
- **ब्लॉगर** – कल्पना कीजिए कि आप स्पेनिश बोलने में पारंगत हैं और आपको स्पेनिश व्यंजन पकाने का शौक है. यदि आप माई स्पैनिश किचन जैसा ब्लॉग शुरू करते हैं तो भाषा सीखते समय स्पेनिश संस्कृति का आपका गहन ज्ञान आपको बाकियों से अलग बना देगा. मूल भाषा सीखना हमेशा प्रामाणिकता पैदा करता है जो ऑनलाइन दर्शकों के लिए बहुत बेहतर है.
- **टूर गाइड** – हाल के वर्षों में, यात्रा उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और चीन आउटबाउंड पर्यटन में अग्रणी है. विदेशी भाषाओं में पारंगत एक टूर गाइड की कई देशों में यात्रा उद्योग द्वारा अत्यधिक मांग की जाती है. जब अधिक ग्राहकों को लाने की बात आती है तो टूर गाइड बनना सबसे महत्वपूर्ण नौकरियों में से एक है और यही कारण है कि उन्हें कई स्थानों पर मुफ्त यात्रा के अतिरिक्त बोनस के साथ आकर्षक वेतन भी मिलता है.
- **संपर्क अधिकारी** – बहुराष्ट्रीय कंपनियों में जहां व्यावसायिक सौदे और अधिग्रहण के लिए भाषा को सीमा नहीं माना जाता है, वहां दोनों पक्षों के संपर्क अधिकारी भाषा की बाधा को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.
- **(फील्ड) शोधकर्ता** – एक फील्ड शोधकर्ता की मुख्य भूमिका प्राचीन ग्रंथों को पुरातात्विक निष्कर्षों में अनुवाद करना है. इसलिए, यदि आप पुरातत्व और इतिहास में समान रूप से रुचि रखते हुए एक लोकप्रिय भाषा में पारंगत हैं, तो यह आपके लिए एकदम सही नौकरी है.
- **उत्पाद स्थानीयकरण प्रबंधक** – एक स्थानीयकरण प्रबंधक का मुख्य कार्य उस स्थान के गहन सांस्कृतिक और सामाजिक ज्ञान को समझना है जहां कंपनी अपना व्यवसाय शुरू करने का लक्ष्य बना रही है. किसी विशेष स्थान की मूल भाषा को समझने और बोलने से, एक उत्पाद स्थानीयकरण प्रबंधक कंपनी को लक्षित दर्शकों की स्थानीय मांगों को समझने और उनकी आवश्यकताओं के अनुसार उत्पाद तैयार करने में मदद करता है.

शीर्ष कंपनियां

- ✓ एक्सेंचर
- ✓ मूल्यांकनसर्व
- ✓ विप्रो
- ✓ फिसेर्व
- ✓ टीसीएस
- ✓ टेक महिंद्रा
- ✓ इंफोसिस
- ✓ कुलिजा
- ✓ म्यान

भारत सरकार में नौकरियां

- ✓ राजनयिक सेवा पेशेवर
- ✓ अनुवादक
- ✓ प्रशासनिक सहायक
- ✓ दुभाषिया
- ✓ आसूचना ब्यूरो
- ✓ भाषा विशेषज्ञ

भारत के शीर्ष विश्वविद्यालय

- ✓ बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
- ✓ जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
- ✓ दिल्ली विश्वविद्यालय
- ✓ गोएथे विश्वविद्यालय (जर्मन भाषा)
- ✓ मुंबई विश्वविद्यालय
- ✓ पुणे विश्वविद्यालय
- ✓ जामिया मिल्लिया इस्लामिया

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)